हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

E-mail:newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शुक्रवार | 14 जून 2024 | वर्ष : 02 अंक : 33 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

मुनक नहर पर दिल्ली पुलिस की गश्त, आतिशी ने पाइपलाइन का निरीक्षण किया ,

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली में जल संकट गहराने के बाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को मुनक नहर क्षेत्र में टैंकर माफिया की गतिविधियां रोकने के लिए गश्त शुरू की और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने दक्षिण दिल्ली के निवासियों को पानी की आपूर्ति करने वाले पाइपलाइन नेटवर्क का निरीक्षण किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पुलिस दल ने चौकियां स्थापित की हैं और राष्ट्रीय राजधानी को पानी की आपूर्ति करने वाली नहर के, हरियाणा की सीमाओं पर 15 किलोमीटर के हिस्से पर गश्त शुरू कर दी है। यह नहर बवाना से दिल्ली में प्रवेश करती है और हैदरपुर शोधन संयंत्र तक पहुंचती है। बवाना, नरेला औद्योगिक क्षेत्र, शाहबाद डेयरी और समयपुर बादली पुलिस थानों के दलों को मुनक नहर और उसके आस-पास के इलाकों में गश्त का काम सौंपा गया है। अधिकारी ने कहा, पुलिस कर्मियों को किसी को भी नहर से टैंकर में पानी लेने से रोकने के लिए कहा गया है। उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने बुधवार को दिल्ली पुलिस प्रमुख को पानी की चोरी रोकने के लिए मुनक नहर पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की, गृहमंत्री और NSA से भी की बात

मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की और सुरक्षा बलों की तैनाती और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर चर्चा की। उन्होंने स्थिति का जायजा लेने के लिए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की। अधिकारियों के मुताबिक, पीएम को स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई।

एजेंसी

नई दिल्ली:पिछले कुछ दिनों में चार आतंकी घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। एक बड़े कदम में, उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ अभियानों में भारत की आतंकवाद-रोधी क्षमताओं के पूर्ण स्पेक्ट्रम को तैनात करने के लिए कहा। समीक्षा बैठक के दौरान, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे, प्रधान मंत्री को केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा स्थिति की पूरी जानकारी मिली। उन्हें आतंकवाद विरोधी प्रयासों के बारे में भी बताया गया।

मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की और सुरक्षा बलों की तैनाती और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर चर्चा की। उन्होंने स्थिति का जायजा लेने के लिए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की। अधिकारियों के मुताबिक, पीएम को स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे

प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। यह समीक्षा शाह की एक और सुरक्षा बैठक से पहले हुई है। जम्मू-कश्मीर को इस महीने के अंत में 19 अगस्त तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा के साथ एक महत्वपूर्ण सुरक्षा स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा के अनुसार सितंबर में विधानसभा चुनाव होंगे। केंद्र सरकार अमरनाथ यात्रा के साथ-साथ चुनाव भी शांतिपूर्ण कराना चाहती है और केंद्रशासित प्रदेश में बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात करने की योजना बना रही है। हाल के आतंकी हमले नई सरकार के लिए एक चुनौती बनकर आए हैं, रियासी में यह घटना उस दिन हुई जब 9 जून को मोदी और उनकी नई मंत्रिपरिषद शपथ ले रही थी। आतंकवादियों ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर हमला किया, जिससे बस पलट गई। सड़क और खाई में गिरने से नौ की मौत हो गई और 41 घायल हो गए।

मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की और सुरक्षा बलों की तैनाती और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर चर्चा की। उन्होंने स्थिति का जायजा लेने के लिए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की। अधिकारियों के मुताबिक, पीएम को स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई।

पीएम मोदी इटली के लिए रवाना हो गए हैं। जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली रवाना होने से पहले, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि लगातार तीसरे कार्यकाल में उनकी पहली यात्रा जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली की है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर मैं 14 जून 2024 को जी7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली के अपुलीया क्षेत्र की यात्रा कर रहा हूं। मुझे खुशी है कि लगातार तीसरे कार्यकाल में मेरी पहली यात्रा इटली की है।

पीड़ितों की सहायता के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत पहुंचे कुवैत सिटी

एजेंसी

कुवैत में विदेशी कामगारों के आवास वाले अपार्टमेंट में लगी भीषण आग में घायल हुए लोगों की सहायता संबंधी प्रयासों में समन्वय करने और इस घटना में मारे गए लगभग 40 भारतीयों के शवों की शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह बृहस्पतिवार को कुवैत पहुंचे। दक्षिणी शहर मंगाफ में सात मंजिला एक इमारत में बुधवार को भीषण आग लग गई थी जिसमें 195 प्रवासी श्रमिक रहते थे। इस घटना में कम से कम 49 विदेशी कामगारों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए।

कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह आग हादसे में घायल हुए लोगों की सहायता के प्रयासों और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए लोगों के पार्थिव शरीरों की शीघ्र वतन वापसी के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए कुवैत पहुंचे हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में कहा कि कुवैत के अधिकारी दक्षिणी कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में हुई आग लगने की विनाशकारी घटना में मारे गए लोगों के शवों का डीएनए परीक्षण करा रहे हैं। उनके अनुसार, घटना में मारे गए भारतीयों के पार्थिव शरीर वापस लाने के लिए भारतीय वायुसेना का एक विमान तैयार रखा गया है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार देर रात एक बयान में कहा, कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में श्रमिक आवास सुविधा में आज सुबह हुई दुर्भाग्यपूर्ण और आग लगने की दुखद घटना में लगभग 40 भारतीयों की मौत हो गई और 50 से अधिक घायल हो गए।29 वर्षीय स्टीफि न अब्राहम साबू ने केरल में एक घर बनाने का सपना देखा था, जहाँ उनके माता-पिता को एक किराए के घर से दूसरे में स्थानांतरित होने के लिए जीवन भर संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कुवैत में एक अच्छी आय के साथ एक आरामदायक जीवन जीना शुरू ही किया था और कोट्टायम के पम्पाडी में किराए के घर के करीब एक घर बनाना शुरू कर दिया था, जहां उनका परिवार रहता था।

NEET Result Row: कांग्रेस ने मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल, गौरव गोगोई ने पूछा- कहां हैं पीएम मोदी?

एजेंसी

नई दिल्ली:NEET परीक्षा परिणाम विवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी सरकार पर तंज कसा है। लोकसभा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर एनईईटी परीक्षा मुद्दे पर जवाब नहीं देने के लिए प्रधानमंत्री की आलोचना की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि ऐसे देश में जहां अधिकांश छात्रों का भविष्य सरकारी परीक्षाओं पर निर्भर करता है, युवा छात्र इस ठएएळ परीक्षा को लड़ने के लिए वर्षों तक दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन उन्हें पता चलता है कि केंद्र सरकार उनके प्रयासों को महत्व नहीं देती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि परीक्षा केंद्रों और कोचिंग सेंटरों के बीच इस अनौपचारिक बंधन के परिणामस्वरूप कई परिवार सदमे में हैं क्योंकि उन्होंने प्रश्न पत्र लीक करने के लिए 10, 20 लाख की मोटी रकम की मांग की थी। उन्होंने सवाल किया कि क्या एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) इसकी जांच कर पाएगी? यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि पेपर लीक हो रहे हैं तो इसमें एनटीए अधिकारी की संलिप्तता है।

पेमा खांडू ने लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

एजेंसी

नई दिल्लीः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता पेमा खांडू ने बृहस्पतिवार को लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। मुक्तो विधानसभा क्षेत्र से विधायक खांडू को राज्यपाल के टी परनाइक ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई अन्य नेताओं की मौजूदगी में शपथ दिलाई ।दोरजी खांडू स्टेट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में 11 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली, जिनमें उपमुख्यमंत्री चौना मीन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पीडी सोना,

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बियुराम वाहगे और पूर्व मुख्यमंत्री कलिखो पुल की पत्नी दासंगलू पुल शामिल हैं ।दासंगलू पुल अकेली महिला मंत्री हैं, जबकि नये मंत्रिमंडल में आठ नये चेहरे शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि विभागों का आवंटन शाम को किया जाएगा,

राजनाथ सिंह ने संभाला रक्षा मंत्रालय का पदभार, आत्मनिर्भर भारत पर दिया जोर, बोले- हम डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में...

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, जिन्होंने गुरुवार को रक्षा मंत्री का कार्यभार संभाला, ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकता मजबूत और आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण के साथ एक मजबूत, 'आत्मनिर्भर' सरकार विकसित करना होगी। राष्ट्रीय राजधानी में साउथ ब्लॉक स्थित अपने कार्यालय में रक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने वाले सिंह ने कहा कि सरकार रक्षा क्षेत्र में निर्यात को बढ़ावा देने का प्रयास करेगी और अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़

रुपये का लक्ष्य रखा गया है।

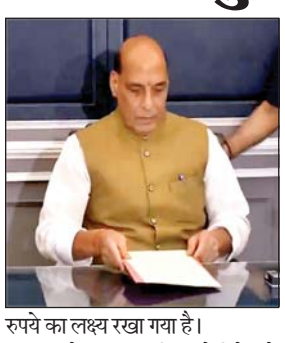

राजनाथ ने कहा कि पीएम मोदी ने मुझे फिर से रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। हमारी प्राथमिकताएं एक ही होंगी, देश की सुरक्षा। हम एक मजबूत और 'आत्मनिर्भर' भारत विकसित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। हमने 21,000 करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा उपकरण निर्यात किए हैं। हमारा लक्ष्य अगले पांच में इस आंकड़े को 50,000 करोड़ रुपये तक ले जाना है। सिंह ने कहा कि हमें अपनी तीन सशस्त्र सेनाओं, भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना पर गर्व है।

चुनाव खत्म, हारने का बाद सिंगापुर रवाना हुई रोहिणी आचार्य, जाते-जाते चाचा नीतीश के लिए भी दिया संदेश

संवाददता

लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य बुधवार को पटना से सिंगापुर के लिए रवाना हो गईं। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश चाचा हमारे बड़े हैं और हम उनसे आशीर्वाद लेते रहते हैं। अब तो चाचा ही बताएंगे कि वो हमारे पास कब आएंगे। चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में नीतीश कुमार के शामिल नहीं होने पर उन्होंने कहा कि उनकी तबीयत खराब होगी। उसे आराम करने दो. दरअसल,

पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों ने रोहिणी आचार्य से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दोबारा इंडिया ब्लॉक आने की संभावनाओं पर सवाल पूछा था। सवाल के जवाब में राजद नेता रोहिणी आचार्य ने कहा कि हम उन्हें क्यों लाएंगे? वह हमारे बड़े हैं और हम उनका आशीर्वाद लेना चाहते हैं। हमें इंतजार करना चाहिए कि चाचा कब आएंगे और हमें आशीर्वाद देंगे। बिहार के नेताओं को बड़े विभाग नहीं मिलने के सवाल और मीडिया रिपोर्ट पर राजद नेता रोहिणी आचार्य का कहना कि असलियत सामने आ गई है। उन्होंने जनता से बहुत झूठे वादे किए। उन्होंने बिहार को कुछ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता भी बोल रही है कि हमें झुंझूना पकड़ा दिया गया।

NEET-UG मले पर बोले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, कोई भ्रष्टाचार नहीं है, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र प्रधान, जिन्होंने गुरुवार को शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला, ने ठएएळ-वञ्(राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक) मामले पर सुप्रीम कोर्ट में नवीनतम विकास पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। प्रधान ने कहा कि यदि कोई अनियमितता पाई गई तो आरोपी को दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा, भारत सरकार और एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी) निष्पक्ष परीक्षा आयोजित

करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि कोई भ्रष्टाचार नहीं है। नीट परीक्षा को लेकर 24 लाख छात्र परीक्षा में शामिल होते हैं। आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है और ये मामला करीब 1500 छात्रों से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार कोर्ट को जवाब देने को तैयार है। इस विशिष्ट मुद्दे पर विचार किया जा रहा है और शिक्षाविदों की एक समिति बनाई गई है। सरकार इसे कोर्ट के सामने पेश करेगी। ठळअ देश में 3 प्रमुख परीक्षाएं यानी ठएएळ, खएए और उवएळ सफलतापूर्वक आयोजित करता है। उन्होंन साफ तौर पर कहा कि हम जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए के बयान को रिकॉर्ड में लिया कि 1563 छात्रों की दोबारा परीक्षा, जिन्हें एनईईटी-यूजी के लिए उपस्थित।

लोकसभा चुनाव में दिल्ली में मुंह की खाने के बाद आदमी पार्टी चली बिहार की ओर

एजेंसी

नई दिल्ली:लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सातों सीटें हारने वाली आम आदमी पार्टी अपने दल के विस्तार की तैयारी में लगी है। पंजा ब में सरकार बनाने के बाद आप की नजर अब बिहार पर है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी बिहार में चुनाव लड़ने का मन बना लिया है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि बिहार में हमारी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता चुनावी तैयारी शुरू कर दे। जिससे कि केजरीवाल के गुड गवर्नेंस का लाभ बिहार की जनता को भी मिले। संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी बिहार में चुनाव लड़ेगी यह तय है। लेकिन, कितने सीटों पर लड़ेगी? यह हमलोग बाद में तय करके बताएंगे।भारत की सेना में अग्निवीर के जरिए ठेके पर जवान भर्ती किए गए। अब उत्तर प्रदेश में पुलिस की भर्ती ठेके पर होने जा रही है। यह देश और उत्तर प्रदेश की सुरक्षा के साथ मजाक है। यूपी में इससे पहले पुलिस भर्ती पेपर लीक से 60 लाख बच्चों का भविष्य बर्बाद हुआ। अभी इसकी जांच चल ही रही थी कि अब ठेके पर पुलिस की भर्ती होने वाली है। हम यूपी के लाखो बच्चो के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे।मोदी सरकार 3.0 के गठन पर प्रतिक्रिया देते हुए आप सांसद संजय सिंह ने रविवार को दावा किया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई सरकार एक साल में गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार एनडीए के घटक दलों की उम्मीदों को पूरा करने में विफल रहने की संभावना है। मोदी ने 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिपरिषद का नेतृत्व करते हुए रिकॉर्ड तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली। सिंह ने प्रयागराज के सर्किट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि सिंह ने कहा कि वह (पीएम मोदी) एनडीए के घटक दलों की अपेक्षाओं के अनुरूप काम नहीं करने जा रहे हैं।

गुजरात में दलित सड़कों पर उतरे, एनएसयूआई नेता पर बीजेपी विधायक द्वारा हमले का लगाया आरोप

एजेंसी

गुजरात: विपक्षी कांग्रेस की छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के एक पदाधिकारी पर कथित जाति आधारित हमले के खिलाफ अहमदाबाद से लगभग 250 किलोमीटर दूर गुजरात के गोंडल में सैकड़ों लोग, ज्यादातर दलित, सड़कों पर उतर आए। एनएसयूआई के पदाधिकारी संजय सोलंकी ने आरोप लगाया कि उनका अपहरण कर लिया गया और उन्हें गोंडल के एक सुनसान खेत में ले जाया गया, जहां उन्हें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक गीताबा जाडेजा के 25 वर्षीय बेटे, ज्योतिरादित्यसिंह की उपस्थिति में आग्नेयास्त्र से धमकाया गया। 6 जून को गिरफ्तार किया गया।मामले में दायर प्रथम सूचना रिपोर्ट में सोलंकी के हवाले से

कहा गया है कि खेत में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें अपने कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया जबकि अन्य ने कथित हमले के वीडियो रिकॉर्ड किए। इससे पहले 30 मई को लापरवाही से गाड़ी चलाने को लेकर ज्योतिरादित्यसिंह का सोलंकी से विवाद हुआ था। युवा भीम सेना गुजरात के संस्थापक डीडी सोलंकी, जो बुधवार को सड़कों पर उतरने वालों में से थे। ज्योतिरादित्यसिंह के पिता जयराजसिंह जाडेजा और उनके लोगों द्वारा बाहुबल द्वारा गोंडल के लोगों को चुप कराने के प्रयास के खिलाफ एक संदेश भेजने के लिए एक रैली का आयोजन किया। हम डरेंगे नहीं। पहली बार, जड़ेजा परिवार को इस तरह के सार्वजनिक विरोध का सामना करना पड़ा है।प्रदर्शनकारियों ने संजय सोलंकी के हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई, मामले के शीघ्र निपटारे के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट और गोंडल में अराजकता को खत्म करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन में लगभग 200 गांवों के लगभग 10,000 लोगों ने भाग लिया। जवाब में, जयराजसिंह जाडेजा के समर्थकों ने गोंडल में बंद का आह्वान किया, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय बाजार दिन भर के लिए बंद रहा। जयराजसिंह जाडेजा ने कहा कि उन्होंने कोई बंद का आह्वान नहीं किया है, लेकिन वे उन लोगों के आभारी हैं जिन्होंने अपनी मर्जी से दुकानें बंद कर दीं।

भाजपा वंशवादी, परिवारवादी राजनीति और अपराधीकरण का हमेशा से विरोधी रही है- सम्राट

अपराधी कोई भी हो, सरकार उसे बख्शने वाली नहीं

वरिष्ठसंवाददाता

- अपराधियों को संरक्षण देना व भ्रष्टाचार करना राजद की राजनीति की बुनियाद
- जिसके शासनकाल में नरसंहारों व फिरौती के लिए अपहरण का अंतहीन सिलसिला रहा उसे अपराध पर बोलने का नैतिक हक नहीं

पटना, 13-06-2024भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि भाजपा वंशवादी, परिवारवादी राजनीति और राजनीति के अपराधीकरण का हमेशा से विरोधी रही है। भाजपा केवल चुनाव और वोट की नहीं बल्कि देश बनाने, देश को आगे बढ़ाने और विकास की राजनीति करती है। इसीलिये भाजपा का मूल मंत्र 'सबका साथ और सबका विकास'है।

श्री चौधरी ने कहा कि अपराधियों को संरक्षण देना व भ्रष्टाचार करना राजद की राजनीति की बुनियाद रही है। जिस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ही सजायाफ्ता भ्रष्टाचारी है, जिसके आधे दर्जन से ज्यादा विधायकों व मंत्रियों को चारा और अलकतरा घोटाले में जेल जाना पड़ा था, उस दल से आज भी सदाचार की उम्मीद नहीं की जा सकती है।उन्होंने राजद द्वारा अपराध को लेकर उठाए गए सवाल पर कहा कि जिसके शासनकाल में नरसंहारों व फिरौती के लिए अपहरण का अंतहीन सिलसिला रहा हो, अपराधियों को संरक्षण देकर जिसने पूरे बिहार में डेढ़ दशक तक भय व दहशत का माहौल बना कर रखा,उसे आज अपराध पर बोलने का कोई नैतिक हक नहीं है।श्री चौधरी ने कहा कि अपराधी कोई भी हो, सरकार उसे बख्शने वाली नहीं है। सरकार तत्पर है, अपराध की हर घटना के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई हो रही है। बालू, दारू व जमीन माफियाओं की कुंडली तैयार हो रही है, किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा।

तुम जियो सालों साल, वह साल हो दस हजार साल का एक साल,

संवाददाता

मेरी पुत्री सम्मान डॉक्टर नंदिता राज का आज जन्मदिवस है इस जन्मदिवस के अवसर पर रोजनामा इंडो गल्फ,राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, तथा इंडो गल्फ सोशल वेलफेयर ट्रस्ट (ए पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट) एवं न्यूज इंडो गल्फ पोर्टल चैनल एवं यूट्यूब चैनल के सभी परिवार के तरफ से प्रिय सुश्री डाक्टर नंदिता राज को जन्म दिवस की ढेर शुभकामनाएं एवं बधाई,

लू और हीटवेब से बचाव हेतु डाक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा चलाया गया जागरुकता अभियान

संवाददाता

हुसैनगंज प्रखंड के स्थानीय समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लू एवं गर्म हवा से बचने के लिए गुरुवार को प्रखंड के सभी पंचायतों में जागरूकता अभियान चलाया गया.इस अभियान के तहत प्रचार के लिए स्वास्थ्य केन्द्र से वाहनों को रवाना किया गया. इस कार्य को सफल बनाने के लिए चिकित्सा पदाधिकारी डाक्टर मनोज कुमार द्वारा आरबीएस के दोनों वाहनों को स्वास्थ्य कर्मियों के साथ रवाना किया गया. जहां राज्य सरकार के दिशा निर्देश के आलोक में लूं एवं हिट वेब से सभी लोगों को बचाव हेतु निर्देश दिया गया. वहीं इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों को चिकित्सक पदाधिकारी डॉक्टर मनोज कुमार ने बताया कि लू एवं गर्म हवा से बचाव हेतु भरपेट भोजन खाने के साथ-साथ भरपूर पानी पिए,बिना किसी खास कार्य के बाहर न निकले, वहीं लूं लगने वाले मरीजों के लिए स्थानीय अस्पताल में लू वार्ड बनाया गया है.इसके साथ-साथ भरपूर मात्रा में दवाइयां भी उपलब्ध है.प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक ने बताया कि लू से बचाव हेतु सभी आवश्यक तैयारी कर ली गई है.

लू लगने का लक्षणः-

गर्म, लाल और सूखी त्वचा, शरीर का तापमान 40 डीग्री सेल्सियस या 104 डीग्री एफ से अधिक होना, जी मिचलाना, उल्टी होना, तेज सिर दर्द होना, मांसपेशियों में कमजोरी या ऐंठन, पतला पैखाना होना आदि लक्षण हैं.

लू से बचावः-

धूप में निकलने से पूर्व हल्के रंग की सूती कपड़े पहनें, भरपेट भोजन करके घर से निकलें, प्रयाप्त मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन करें, धूप चश्मा लगायें, खाली पैर नहीं रहें, सिर पर टोपी, तौलिया व छाता का प्रयोग करें.

लू लगने पर क्या करें:-

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्द्रपूर्ण एवम भाईचारे के वातावरण में मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक

संवाददाता
अबू बकर

- पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखेगा जिला नियंत्रण कक्ष
- जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या-06276-224425 पर किसी भी आपात स्थिति की दे सकते है सूचना
- किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पॉस की टीम जिला नियंत्रण कक्ष में रहेगी मुस्तैद
- सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं तथ्यहीन पोस्ट पर रखी जायेगी विशेष नजर

**मधुबनी : जिला पदाधिकारी, अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिले में बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्द्रपूर्ण एवम भाईचारे के वातावरण में मनाने एवम इस अवसर पर विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में गुरुवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी जिलेवासियों के सहयोग से जिले में शांतिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में बकरीद सहित आगामी पर्व त्योहारों को मनाने हेतु सभी प्रशासनिक तैयारी को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से गंभीर है। उन्होंने कहा कि बकरीद पर्व को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि शांति समिति की बैठक के आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले के सभी क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों से उनके परिवेश की गतिविधि की जानकारी प्राप्त करना तथा सुझाव प्राप्त करना है बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आगामी पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी उपस्थित लोगों से उनके सुझाव आमंत्रित किए। जिसके आलोक में पूरे जिले से आए शांति समिति के सदस्यों ने बारी बारी से अपने सुझाव दिए। इसमें पर्व त्योहारों के दौरान डीजे बजाने पर रोक लगाने, शराब पीने और बेचने वालों की धड़पकड़ करने, त्योहार के दौरान गस्ती बढ़ाने और कार्यक्रम स्थल पर सुलभ आवागमन की व्यवस्था करने के सुझाव प्राप्त हुए।जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित लोगों को आश्वासन दिया गया कि प्राप्त सुझावों पर जिला प्रशासन द्वारा समुचित कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया में अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए उपस्थित लोगों से कहा कि जिले साइबर सेल एवम आईटी मीडिया सेल तत्परता से सभी पोस्ट पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट की सूचना सीधे जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पदाधिकारी व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को व्यक्तिगत नंबर पर प्रेषित करें। उन्होंने जिले के सभी लोगों से अपील की कि किसी भी भड़काऊ अथवा आपत्तिजनक पोस्ट को फॉरवर्ड करने से बचें और प्रशासन को इसकी जानकारी दें।भड़काऊ और आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, जहां से पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखी जायेगी। किसी भी आपात स्थिति की सूचना जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या-06276-224425 पर दे सकते है। जिला नियंत्रण कक्ष में मुस्तैद क्विक रेस्पॉन्स की टीम किसी भी आपात स्थिति की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई करेगा।

मधुबनी में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शिक्षा व्यवस्था धंधा नहीं वह राष्ट्र सेवा है

लेकिन निजी एजेंसी के द्वारा शिक्षा विभाग को नियंत्रित एवं संचालित करना संविधान द्रोह का मामला बनता है:ई. रंजीत कुमार

संवाददाता
अबु बकर

भारत मुक्ति मोर्चा ,भारतीय मूलनिवासी बहुजन कर्मचारी संघ(ट्रेड यूनियन)प्रोफेसर टीचर्स एंड नॉनटीचिंग एम्पलाई एसोसिएशन(ढफ्ढळअठ) के द्वारा आज विशाल धरना प्रदर्शन के अध्यक्षता भारत मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष ई. रंजीत कुमार ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था धंधा नहीं वह राष्ट्र सेवा है लेकिन निजी एजेंसी के द्वारा शिक्षा विभाग को नियंत्रित एवं संचालित करना संविधान द्रोह का मामला बनता है श्री के के पाठक (केशव कुमार पाठक) संविधान के विरोध में काम कर रहे हैं।

रामसुदिष्ट यादव जिला संरक्षक एवं विजय कुमार ठाकुर प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि अपर मुख्य सचिव श्री के के पाठक एवं निजी एजेंसी के द्वारा निर्माण एवं साधन संसाधन के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग कर रहा है वह निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन कराया जा रहा है जिसकी जांच होनी चाहिए। कमलेश पासवान भारतीय विद्यार्थी मोर्चा जिला अध्यक्ष और मान्यवर संजय दास अधिवक्ता संघ प्रदेश प्रभारी ने कहा कि शिक्षक देहारी मजदूर नहीं है शिक्षकों से निर्धारित समय से ज्यादा काम करवाया जा रहा है शिक्षक पेशा राष्ट्रीय सेवा का पेशा है लेकिन इसके साथ कोल्हू के बैल या बंन्धुआ मजदूर की तरह किया जाता है जो बिल्कुल अन्याय है।इस कार्यक्रम में महिला संघ के जिला सदस्य पूजा कुमारी, ललिता देवी, राम प्रकाश राम, सुमन ठाकुर, शत्रुघन राम, अमर बिहारी, चंद्रशेखर दास, लक्ष्मी राम, मोहम्मद मुमताज आलम, श्याम बिहारी प्रमोद राम विकास कुमार नीलांबर, गणेश ठाकुर, भिखारी ठाकुर राजेश कुमार, गंगाराम, सुरेश पासवान सुबोध कामत, संजय राम आदि कार्यकताओं ने भाग लिया।

एमडीआर टीबी मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा है जिला यक्षमा केंद्र

संवाददाता
कफील एकबाल

मोतिहारी 13 जून पूर्वी चंपारण जिले के यक्षमा मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा है यक्षमा केंद्र- वर्ष 2024 में मिले 83 एमडीआर टीबी के मरीज- दवाओं को नियमित रूप से नहीं लेने पर होता एमडीआर का खतरा चिकित्सको ने बताया कि ड्रग रेजिस्टेंट को एमडीआर टीबी के नाम से जाना जाता है। इन्हें बिगड़ी हुई या गंभीर प्रकार की टीबी भी कहते हैं। जब सामान्य टीबी में काम आने वाली दो मुख्य दवाएं आइसोनियाजिड व रिफाम्पीसीन रोगी पर बेअसर हो जाती हैं।?यानी टीबी के कीटाणु इन दवाओं के लिए रेजिस्टेंट हो जाते हैं, ?तो उस रोगी की टीबी को एमडीआर टीबी कहते हैं।वहीं एमडीआर टीबी के रोगी की दवा शुरू करने के छह माह बाद भी यदि उसका बलगम कल्चर पॉजिटिव आता है तो उसे एक्सडीआर टीबी मानते है जो काफी जानलेवा होता है।?जबकि सरकारी अस्पताल में राज्य सरकार व स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुफ्त में रोगी का इलाज करवाया जाता है।एमडीआर होने पर 18 महीने तक नियमित दवाओं के प्रयोग से रोगी स्वस्थ हो जाता है। वहीं एक्सडीआर टीबी का उपचार 24 से 30 माह तक चलता है।

2024 के मई माह तक 83 एमडीआर टीबी के मरीजःमिले।

खराब हुई इवीएम को लौटाया जाएगा इसीआईएल हैदराबाद को

चुनाव आयोग ने 20 जून को हस्तगत कराने का दिया निदेश

वरिष्ठ संवाददता
शकील हैदर

छपरा , 13 जून, 2024लोक सभा आम निर्वाचन के दौरान उपयोग के दौरान खराब हुए इवीएम, वीवीपैट को विनिमार्ता कंपनी इसीआईएल, हैदराबाद को मरम्मत के लिए लौटाया जाएगा। उक्त जानकारी उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल ने दी। उन्होंने बताया कि इस कोटि में जिले में तीन प्रकार की मशीनें हैं। प्रशिक्षण व जागरूकता, कमिशनिंग और मॉक पोल के दौरान खराब हुए इवीएम। एटीपी और एफएलसी के दौरान त्रुटिपूर्ण मशीनों को जिले से पूर्व में ही मरम्मत के लिए भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार खराब पायी गयी मशीनों को विनिमार्ता कंपनी को वापस भेजे जाने का नियम है। इस सम्बंध में बिहार निर्वाचन विभाग के संयुक्त सचिव का पत्र जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी को प्राप्त हुआ है। आयोग ने प्रदेश के सभी जिलों की क्लबिंग करते हुए पूर्वी चंपारण, पटना और भागलपुर को केंद्र बनाया है।जहां जिलों से मशीनें जमा की जाएंगी। तत्पश्चात वहां से कंपनी को भेजा जाएगा। सारण की मशीनें पूर्वी चंपारण को आगामी 20 जून को हस्तगत कराने का निदेश है। श्री एकबाल ने बताया कि कमिशनिंग के दौरान जिलांतर्गत सभी 10 विधानसभा में केवल 16 बैलेट यूनिट, 25 कंट्रोल यूनिट और 20 वीवीपैट ही खराब पाए गए थे। जिन्हें रिप्लेस किया गया था। जबकि चुनाव के दिन मॉक पोल के दौरान 22 बीयू, 20 सीयू और 31 वीवीपैट त्रुटि होने के कारण बदले गए थे।इस प्रकार जिले से कुल खराब 38 बीयू, 45 सीयू और 51 वीवीपैट ही पूर्वी चंपारण भेजे जाएंगे। श्री एकबाल ने बताया कि वास्तविक मतदान के दौरान खराब हुई इवीएम को पोल्ड इवीएम के साथ जिला वेयरहाउस में आयोग के निदेशानुसार 45 दिन के इपी अवधि तक के लिए सीलबंद सुरक्षित रखा गया है। उस अवधि के बाद ही आयोग का निदेश प्राप्त होने पर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि कमिशनिंग और मॉक पोल के दौरान खराब पायी गयी मशीनों को संबंधित एआरओ और सेक्टर मजिस्ट्रेट से प्राप्त कर वेयरहाउस के एफएलसी हॉल में अलग भंडारित किया गया है।

महाविद्यालयों में कार्यरत है नामांकन हेल्प सेंटर, माननीय कुलपति ने एडमिशन कमेटी की बैठक में सबका जताया आभार

वरिष्ठसंवाददाता
शकील हैदर

छपरा। माननीय कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि विश्वविद्यालय मुख्यालय और सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में नामांकन हेल्प सेंटर सुचारू रूप से संचालित किए जाएं। उन्होंने कहा कि हेल्प सेंटर पर कंप्यूटर सेट के साथ दक्ष कर्मी को तैनात किया जाय ताकि अभ्यर्थी वहीं से ऑनलाइन आवेदन कर सकें।इससे अभ्यर्थियों को परेशानी नहीं होगी और आवेदन हेतु साइबर कैफे में लगने वाले पैसे भी बच सकेंगे। उन्होंने आदेश दिया कि साथ-साथ आवेदन की गति को भी कायम रखा जाय। उन्होंने नामांकन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विश्वविद्यालय पदाधिकारियों, प्राचार्यो एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सबके सम्मिलित प्रयास से ही यह पूरी प्रक्रिया संभव हो पा रही है। माननीय कुलपति ने आज गुरुवार, 13 जून 2024 को विश्वविद्यालय नामांकन समिति के बैठक की अध्यक्षता करने के क्रम में उक्त निर्देश दिए। माननीय कुलपति ने साफ और स्पष्ट तौर पर कहा कि छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता दुहराते हुए कहा कि छात्र हित उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान माननीय कुलपति महोदय ने प्राचार्यों को निर्देश दिया कि जिन महाविद्यालयों में आवश्यकता से अधिक या कम प्राध्यापक हैं, वे प्राचार्य इसकी जानकारी 15 दिनों के अंदर विश्वविद्यालय को अवश्य उपलब्ध करा दें ताकि तदनुसार आगे कार्रवाई की जा सके। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।उल्लेखनीय है कि जयप्रकाश विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए आवेदन की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में अभ्यर्थी नामांकन के लिए आवेदन कर रहे हैं। माननीय कुलपति महोदय द्वारा छात्रहित में आवेदन की तिथि भी विस्तारित कर 19 जून तक कर दी गई है। इस बीच आवेदन करनेवाले अभ्यर्थियों की संख्या में प्रतिदिन औसतन वृद्धि हो रही है। 12 जून को सिर्फ एक दिन में कुल 5427 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए। बैठक में डीएसडब्ल्यू डॉ सरफराज, कुलसचिव प्रो. रणजीत कुमार सहित कई प्राचार्य व नामांकन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

गड्ढे से 2 बच्चों के शव बरामद, हत्या की आशंका

SUPAUL : बिहार के सुपौल के सदर थाना क्षेत्र के सुखपुर वार्ड 13 स्थित आम के बगीचे में बने गड्ढे से बुधवार को 2 बच्चों का शव मिला है. शव देखकर हत्या की आशंका प्रकट की जा रही है. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. मामले की जांच की जा रही है. बताया जा रहा है कि सदर थाना क्षेत्र के सुखपुर वार्ड 13 से मंगलवार दोपहर से ही दोनों बच्चे लापता थे. आम के बगीचे में बुधवार सुबह दोनों बच्चों का शव बरामद किया गया है. शव मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. दोनों मृतक बच्चे एक ही वार्ड के दो अलग-अलग परिवार से है. मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के सुखपुर वार्ड 14 निवासी लक्ष्मण महतो के 10 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार एवं सुखपुर वार्ड 14 निवासी मकसूदन राम की 12 वर्षीय पुत्री सोनी कुमारी के रूप में हुई है.

बिहार में सभी जिलों के बनाए गए प्रभारी मंत्री सम्राट को मिला पटना

PATNA : बिहार में नीतीश कुमार की कैबिनेट के मंत्रियों को जिलों का प्रभार दिया गया है। सभी जिलों के प्रभारी मंत्री बनाए गए हैं। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पटना का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। वहीं कई मंत्रियों को एक से अधिक जिलों का भी प्रभारी बनाया गया है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को भी दो जिलों का प्रभारी बनाया गया है। बिहार में कुल 9 चेहरे ऐसे हैं जिन्हें एक से अधिक जिलों का प्रभारी बनाया गया है। इनमें उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, विजय कुमार चौधरी, श्रवण कुमार, मंगल पांडे, नीतीश मिश्रा, अशोक चौधरी, नीतीन नवीन,शीला कुमार और जमा खान शामिल हैं। विजय कुमार सिन्हा को मुजफ्फरपुर और भोजपुर का प्रभारी मंत्री बनाया गया है जबकि मंत्री विजय कुमार चौधरी को पूर्णिया और नालंदा जिला आवंटित हुआ है। श्रवण कुमार को समस्तीपुर और मधेपुरा जिला का प्रभारी बनाया गया है। वहीं मंगल पांडे दरभंगा और बेगूसराय के प्रभारी मंत्री बनाए गए हैं। अशोक चौधरी सीतामढ़ी और जहानाबाद के प्रभारी मंत्री बनाए गए। नीतीश नवीन को बक्सर और कैमूर का जिम्मा मिला। शीला कुमार को दो जिले शेखपुरा और लखीसराय की जिम्मेवारी मिली है। वहीं जमा खान किशनगंज और शिवहर के प्रभारी मंत्री बनाए गए हैं। इन नेताओं को दो-दो जिलों का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। बिहार में 20 मंत्रियों को एक-एक जिले का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। सम्राट चौधरी को पटना जिले की जिम्मेवारी मिली है। बिजेंद्र प्रसाद यादव वैशाली, प्रेम कुमार नवादा, संतोष कुमार सुमन औरंगाबाद, सुमित कुमार सिंह सारण, रेणु देवी सिवान, नीरज कुमार सिंह कटिहार, लेशी सिंह मधुबनी, मदन सहनी सुपौल, दिलीप कुमार जायसवाल को सहरसा का प्रभारी मंत्री बनाया गया है।

पंचायत सरकार भवन निर्माण जल्दः संदीप कुमार

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ीःसमाहरणालय स्थित विमर्श कक्ष में अपर समाहर्ता राजस्व, संदीप कुमार की अध्यक्षता में पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु अभिलेख तैयार करने के लिए बैठक की गई। अपर समाहर्ता ने बताया कि शेष बचे पंचायत सरकार भवनों के भवन निर्माण हेतु भूमि हस्तांतरण पंचायती राज विभाग को कराना है जिसको लेकर जिला के सभी अंचल अधिकारी, के साथ विमर्श कक्ष में शेष पंचायत सरकार भवन निर्माण के लिए जमीन उपलब्धता के मद्देनजर बैठक किया गया है। निर्देश दिया गया कि शेष बचे पंचायत सरकार भवन हेतु जमीन की पहचान करते हुए भूमि हस्तांतरण की कार्रवाई की जाए इसमें राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के द्वारा चिन्हित की जा रही सभी सरकारी भूमि रजिस्टर से मिलान कर लिया जाए ताकि 50 डिसमिल जमीन उपलब्ध हो सके। जिले में पूर्ण पंचायत सरकार भवनों की संख्या 27 है।कार्यरत पंचायत सरकार भवन 27 हैं। निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवनों की संख्या 33 है।इसके अतिरिक्त 185 पंचायत सरकार भवनों के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है। शेष पंचायत में भूमि चिन्हित की जा चुकी है 13 के लिए भूमि चिन्हित किया जाना है। चिह्नित भूमि से संबंधित अभिलेख तैयार करने की दिशा में तीव्र गति से कार्य करने का निर्देश दिया गया है।

उक्त बैठक में अपर समाहर्ता आपदा सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी ब्रजेश कुमार पांडे के साथ सभी अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

छात्र के हत्या के विरुद्ध मे महाराजगंज शहर बंद लॉकडाउन जैसी स्थिती

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज अनुमंडल 13 जून बृहस्पतिवार। महाराजगंज शहर के केनरा बैंक के नजदीक दुर्रौंधा थाना क्षेत्र के ग्राम रुकुंदीपुर भरोस कुंवर के टोला निवासी सुधीर सिंह के पुत्र भानू कुमार सिंह की अपराधियों ने दीन दहाड़े गोली मार कर हत्या कर दी। मृत युवक 12वी क्लास का छात्र बताया जाता है जो महाराजगंज कोचिंग की पढ़ाई करने आया था। जो पढ़ाई कर घर लौट रहा था। अपराधी युवक को क्यों गोली मार कर हत्या किए है इसके खुलासा नहीं हो पाया है। युवक का पहले से किसी से आपसी रंजिश या पैसे का लेन देन या प्रेम प्रसंग मे तो घटना का अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है। वही घटना के विरोध मे राजेंद्र चौक पर गुसाए लोगो ने हत्यारों को गिरफ्तार करने मांग की और शहर के सभी दुकानो को बंद करा दिया गया। और एसपी, डीएम को बुलाने की मांग कर रहे थे। वही पुरा महाराजगंज शहर पुलिस छावनी मे तबदील हो गया है।मृत युवक 12वी क्लास का छात्र बताया जाता है जो महाराजगंज कोचिंग की पढ़ाई करने आया था। जो पढ़ाई कर घर लौट रहा था। अपराधी युवक को क्यों गोली मार कर हत्या किए है इसके खुलासा नहीं हो पाया है। युवक का पहले से किसी से आपसी रंजिश या पैसे का लेन देन या प्रेम प्रसंग मे तो घटना का अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है। वही घटना के विरोध मे राजेंद्र चौक पर गुसाए लोगो ने हत्यारों को गिरफ्तार करने मांग की और शहर के सभी दुकानो को बंद करा दिया गया। और एसपी, डीएम को बुलाने की मांग कर रहे थे।

पति ने पत्नी की गोली मारकर की हत्या एक साल पहले ही किया था प्रेम-विवाह

AGENCY KHAGARIYA :

जिले से एक दंग करने वाली घटना सामने आयी है। परबत्ता थाना क्षेत्र में एक पति ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। मामला खिराडीह पंचायत के श्रीरामपुर ठुट्ठी गांव का है बताया जा रहा है। जहां पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हुई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। विवाद इस कदर बढ़ा कि युवक ने अपनी पत्नी की हत्या गोली मारकर कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार, 22 वर्षीय गुलशन कुमार ने अपनी 19 वर्षीया पत्नी चंदा कुमारी के सीने में गोली मार दी।हालांकि बाद में पति ने ही अपनी पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन वह पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराकर मौके से फरार हो गया।इधर अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉक्टर राजीव रंजन ने बताया कि महिला के सीने में गोली लगी है जिसके कारण अधिक खून बहा है और इस वजह से महिला की मौत हो गई।

इधर, घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और छानबीन में जुट गयी। बता दें की गुलशन कुमार चंदा कुमारी के लिए जान देने के लिए कभी तैयार रहता था। दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग था और करीब एक वर्ष पूर्व चंदा कुमारी से गुलशन ने प्रेम विवाह किया था।ग्रामीण बताते हैं कि विवाह के बाद से गुलशन के तेवर चंदा के लिए बदल गए थे। अक्सर दोनों के बीच विवाद होता रहता था। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों के बीच नोंकझोंक से लड़की के परिवार वाले भी परेशान हो चुके थे। लड़की के पिता ने कई बार पंचायत की भी मदद ली। दोनों के विवाद को पंचायत में भी सुलझाया गया था। ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि लड़का गुलशन को नशे की लत लग चुकी थी। वहीं बुधवार को दोनों के बीच अचानक विवाद इस कदर बढ़ा कि दोनों के रिश्ते प्रेम-प्रसंग से शुरू होकर अब हत्या पर जाकर रूके। इधर इस घटना को लेकर श्रीरामपुर ठुठ्ठी के ग्रामीण अचंभित हैं। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और हत्यारोपित की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है।

हजारों ग्राहकों को करोड़ों का चूना लगाने वाला सीएसपी संचालक गिरफ्तार

LAKHISARAI : लखीसराय पुलिस ने हजारों ग्राहकों से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले सीएसपी संचालक को गिरफ्तार किया है। भारतीय स्टेट बैंक, लखीसराय के उपशाखा प्रबंधक के लिखित आवेदन के आधार पर अमहरा थाना में इसे लेकर केस दर्ज कराया गया था। जिसमें सूरज कुमार और नीरज कुमार को आरोपित बनाया गया था। दोनों आरोपित ग्राहकों के पैसे को गबन करके फरार हो गए थे। पुलिस ने हरियाणा के फरीदाबाद से दोनों को गिरफ्तार किया है। लखीसराय पुलिस ने कई खाता धारकों से करोड़ों रुपए गबन करने वाले सीएसपी संचालकों को गिरफ्तार किया है। पिछले साल दिसंबर महीने में अमहरा थाना में इसे लेकर केस दर्ज किया गया था। जिसमें पुरानी बाजार के वार्ड नंबर 10 में निवासी राधेश्याम साव के बेटे सूरज और नीरज कुमार को गिरफ्तार किया गया।

गोपालगंज में जानवरों का तस्कर धराया, बांग्लादेश ले जा रहे थे ऊंट

AGENCY GOPALGUNJ :

बिहार पुलिस ने चार तस्करों को लुप्तप्राय ऊंटों की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया है। ये तस्कर राजस्थान से लुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके ऊंटो को बांग्लादेश ले जा रहे थे। गोपालगंज जिले में इस तरह की तस्करी की यह हालिया घटना है। यहां इससे पहले भी इस तरह के गिरोह का भंड़ाफोड़ किया जा चुका है।इस हालिया घटना पर गोपालगंज के एसपी संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस ने इस बार 19 लुप्तप्राय ऊंटो की स्मगलिंग करते हुए चार आरोपियों के साथ एक कंटेनर से जब्त किया है। पुलिस की जांच-पड़ताल में मामला खुलकर सामने आया है कि इन लुप्तप्राय ऊंटों को जयपुर से बांग्लादेश ले जाया जा रहा था। पुलिस कमिश्नर ने दावा किया है कि इन चार तस्करों को गिरफ्तारी से हमने अंतर्राज्यीय जानवरों की तस्करी करने वाली गैंग का भंड़ाफोड़ किया है। उन्होंने बताया कि इन जब्त किए गए ऊंटों की कीमत तकरीबन 30 लाख रुपये है। पुलिस ने पकड़े गए चारो तस्करों की पहचान कर ली है। दो उत्तर प्रदेश के हैं और बाकी के दो हरियाणा के। जुनैद खान और मोहम्मद शाहनवाज उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं जबकि दूसरा जुनैद खान और मोहम्मद साहिल हरियाणा के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार यह कोई पहला मामला नहीं है जब इस तरह के जानवरों की तस्करी करने वालों को पकड़ा गया हो। गोपालगंज में पहले भी इस तरह की वारदातें सामने आती रही हैं और पुलिस इन तसकरों के मंशूबों पर पानी फेरती आई है। बीते एक महीने में अब तक पुलिस 11 तस्करों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनके पास से 5 कंटेनर में 141 भैंसे और बछड़े बरामद किए जा चुके हैं।

लू से मौत का सिलसिला जारी 46 डिग्री पर पहुंच गया पारा

AGENCY PATNA :

बिहार का मौसम फिर से जानलेवा बन चुका है। प्रचंड लू से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बक्सर प्रदेश का सबसे अधिक गर्म जिला बना हुआ है जहां का तापमान 46 डिग्री के पार पहुंच गया है।वहीं अन्य जिलों में भी प्रचंड गर्मी पड़ रही है। लोग सड़कों पर निकलने से परहेज कर रहे हैं। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे तक लू से राहत नहीं मिलने की बात कही है।पटना समेत अन्य जिलों में अलर्ट जारी किया गया है।इधर, लू से कई जिलों में लोगों की मौत हुई है। शिक्षक-विद्यार्थी समेत कई लोगों की मौत गर्मी की वजह से हो गयी। जबकि सैंकड़ों लोग बीमार होकर अस्पताल पहुंचे हैं।बिहार में प्रचंड गर्मी के बीच लू से कई लोगों की मौत हुई है। मंगलवार को पटना के बिहटा में नेउरा थाना क्षेत्र के नेउरा बगीचा के पास अज्ञात अधेड़ का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी। घटना की सूचना मिलने के बाद नेउरा थानाध्यक्ष राजेश कुमार पांडे दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर शव की पहचान करायी।खबर लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं पायी। थानाध्यक्ष राजेश कुमार पांडे ने बताया कि स्थानीय चौकीदार द्वारा सूचना मिली कि नेउरा बगीचा के पास एक अंधेर का शव पड़ा है। संभावना है कि अधेड़ की मौत लू लगने से हुई है।

स्कूल कैंपस में युवक का शव मिलने से सनसनी

SASARAM : नौहट्टा थाना इलाके में हत्या की सनसनीखेज वारदात से हड़कंप मच गया है। जब स्कूल कैंपस में एक युवक का शव झूले से लटका हुआ मिला। जिसके बाद सुबह होने पर स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खौफनाक तरीके से की गई हत्या की इस घटना से इलाके में दहशत है। मृतक की पहचान उपेंद्र पासवान के तौर पर हुई है। और जो दारानगर पीढापाठ इलाके का रहने वाला है। और जिसके पिता गंभीर बीमरी से पीड़ित हैं। और बेड रेस्ट पर हैं। हाल ही में दारानगर के सरपंच रामप्रवेश पासवान उपेंद्र को एक लूना खरीदकर दी थी। जिससे वो बालू खनन करके गांव में बेचता था। और बोरबेल मिस्त्री के साथ काम भी करता था।

प्रेमिका के घर युवक को पहुंचना पड़ा भारी, सिर मुंडवाकर घुमाया

AGENCY FARBISGUNJ :

अनुमंडल के नरपतगंज के बड़हरा पंचायत के एक गांव में कथित नाबालिग प्रेमिका से मिलने पहुंचे मधेपुरा निवासी युवक को परिजनों ने जमकर पीटा, इसके बाद उस शख्स का सर मुंडवाकर व चप्पल पहना कर उसे पुरे गांव में घुमाया। आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा युवक का सर मुंडवाकर गले में चप्पल का माला डालकर घूमने का वीडियो काफी वायरल हो रहा है. इस वायरल वीडियो की पुष्टि हिन्दुस्थान समाचार नहीं करता है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में खलबली मच गयी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची व आरोपी बंधक बनाये गये युवक को छुड़वा कर थाना लाया. कागजी कार्रवाई पूरा करने के बाद इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया. आरोपी युवक के परिजनों द्वारा नरपतगंज थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। जानकारी अनुसार, मधेपुरा जिला के भतनी प्रखंड के भतनी गांव का नितीश कुमार पिता जवाहर सिंह तीन युवकों के साथ बरदाहा गांव पहुंच गया. वही, इसी दौरान कथित छात्रा के परिजनों ने संदिग्ध हालत में युवकों को देखा तो पकड़ कर बंधक बना लिया।इस दौरान आक्रोशित होकर युवक का सर मुंडवाकर चप्पल का माला पहन कर मारपीट भी की गयी। घटना के बाद गांव में पंचायत भी की गयी. घटना की खबर फैलते हीं बंधक बनाये गये युवक के परिजन भी पहुंचे व पुलिस को सूचना देकर बंधक बनाये गये युवक को पुलिस थाना लेकर पहुंचे. बंधक बनाये युवक के परिजनों का आरोप है कि उसकी बाइक व मोबाइल को भी छीन लिया गया व पंचायत में पांच लाख रुपये की मांग की जा रही थी। नहीं देने पर युवक के साथ बर्बरतापूर्वक सर मुंडवाकर चप्पल का माला पहनाकर घुमाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराया गया है।

चोरी की गाड़ी व हथियार समेत पांच अपराधी धराए

EAST CHAMPARAN : जिला पुलिस टीम ने अपराध की योजना बना रहे पांच अपराधी को चोरी के स्कार्पियो और हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। उक्त सफलता एसपी कांतेश कुमार मिश्र को मिली जानकारी के आलोक में हुई है। एसपी से प्राप्त निर्देश के आलोक में अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष हरसिद्धि द्वारा नाकाबंदी कर त्वरित कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियों सवार पांच व्यक्तियों को आग्नेयास्त्र एवं कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराधियों में सहरेयार अंसारी, चांद आलम, आकाश कुमार व राजा कुमार सभी थाना तुरकौलिया जबकि अमित कुमार, थाना बैरगनिया जिला सीतामढी शामिल है। इनके पास से 1 देशी पिस्टल, चार कारतूस, एक चोरी का स्कॉर्पियो बरामद किया गया है।

भागलपुर के तीन बच्चों का खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र में हुआ चयन

छात्रों ने अपनी प्रतिभा से साकार किया सपना

AGENCY BHAGALPUR :

खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र के लिए चयनित बच्चे।

किलकारी बिहार बाल भवन भागलपुर के कुश्ती विधा के एक बालक और 2 बालिका का चयन खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र पटना में हुआ है। इसकी पहली चयन प्रक्रिया की शुरूआत पाटलिपुत्रा खेल परिसर में बीते 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक आयोजित की गई थी, जिसमें किलकारी भागलपुर के 14 बच्चों ने भागीदारी ली थी, जिसमें देश के चर्चित कोच के निर्देशन में यह चयन प्रक्रिया आयोजित की गई थी, जिसमें किलकारी के बच्चों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। जिसमें 4 बालिका और 1 बालक का अगले चरण में 15 दिवसीय शिविर के लिए चयन किया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए कुश्ती प्रशिक्षक वीर अभिमन्यु ने कहा कि यह 15 दिवसीय शिविर का आयोजन पाटलिपुत्रा खेल परिसर में आयोजित हुई थी। जिसमें चयनित बच्चों को 15 दिनों तक अलग-अलग गतिविधियों द्वारा उन्हें जाँचा गया और जिन्होंने इस शिविर में अच्छा प्रदर्शन किया, उनका चयन खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र के पटना में हुआ है। जहाँ उन्हें 4 वर्ष तक निशुल्क कुश्ती का प्रशिक्षण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिया जाएगा। इस शिविर में किलकारी भागलपुर के कुश्ती विधा के बच्चों ने अपना शानदार प्रदर्शन किया और एक बालक और दो बालिका का चयन में हुआ। चयनित होने वाले बच्चों में 40 किलो वर्ग भार में अंकित कुमार पिता मनोज तांती साहेबगंज का रहने वाला है। वहीं 42 किलो वर्ग भार में रूपा कुमारी पिता विजय मंडल एकचारी की रहने वाली है। जबकि 50 किलो वर्ग भार में मीनाक्षी कुमारी पिता मनोज मंडल कंपनीबाग की रहने वाली है। वहीं प्रमंडल कार्यक्रम समन्वय रूपा रानी ने कहा सभी चयनित बच्चों को बधाई, उनकी कड़ी मेहनत सफल हुई। किलकारी के बच्चों में बहुत प्रतिभा है और बच्चे इसे अपने मेहनत से साकार कर रहे हैं। मौके पर किलकारी बिहार बाल भवन भागलपुर के सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी साहिल राज ने कहा कि चयनित होने वाले सभी बच्चों को हार्दिक शुभकामनाएं। इसके लिए बच्चों ने खूब परिश्रम किया था। अब यह तीनों बच्चे आगे का प्रशिक्षण खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र के पटना में प्राप्त करेंगे।

किशनगंज के व्यवसायी से 50 हजार की ठगी

KISHANGUNJ : विदेशी नंबरों से वॉट्सऐप कॉल कर ठगी करने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। किशनगंज में ऐसे कई मामले पिछले कुछ महीनों में सामने आए हैं। लेकिन फ्रॉड के मामले निरंकुश होते जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के एक प्रतिष्ठित कपड़ा व्यवसायी कमल कोठारी के बेटे अपने मित्र और परिवार के साथ कश्मीर घूमने गए थे। एक पुलिस मैन की तस्वीर लगी व्हाट्सएप्प डीपी से व्यवसायी को फोन आया कि उसके बेटे ने एक कश्मीरी युवती के साथ बलात्कार किया है। बलात्कार में उसके मित्र भी शामिल हैं। इतना सुनते ही व्यवसायी के होश उड़ गए। इसी बात का फायदा उठाते हुए फ्रॉड ने उसके बेटे को तथाकथित रेप केस से छुटकारा दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए।

बेगूसराय के पूर्व जिला पार्षद रतन का हार्ट अटैक से मौत

AGENCY BEGUSARAI :

बेगूसराय जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष और बिहार टैंकर एसोशिएशन के अध्यक्ष रतन सिंह का बुधवार सुबह निधन हो गया।बेगूसराय जिले के बरौनी प्रखंड क्षेत्र स्थित तिलरथ निवासी रतन सिंह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे।बुधवार सुबह करीब 6:00 बजे उठने के बाद अचानक बेचैनी महसूस हुई, जिसके बाद आनन-फानन में परिजन अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।बिहार विधान परिषद के सदस्य और भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री रजनीश कुमार के ससुर रतन सिंह के निधन पर बेगूसराय में शोक की लहर है।बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है।गिरिराज सिंह ने कहा है कि सामाजिक सरोकारों में अग्रणी, बेगूसराय जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष रतन सिंह का असामयिक निधन अत्यंत दुःखद है।ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें तथा उनके परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

ट्रैक्टर-ट्राली में पीछे से घुसी बाइक, पिता-पुत्र की मौत; मां-बेटी की हालत नाजुक

एटा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के एटा में बुधवार की सुबह भीषण हादसा हो गया। हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। जबकि, मां-बेटी की हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। घरवालों को जानकारी दी गई है।

हादसा मिरहची थाना क्षेत्र के एटा-कासगंज रोड पर रामई गांव के पास हुआ। जालौन जिले के सियारी थाना थाना क्षेत्र के माधवगढ़ निवासी पर्वत सिंह (33) अपनी पत्नी और बेटे आशिक (10) और बेटी के साथ जा रहे थे। उनकी बाइक आगे जा रही ट्रैक्टर-ट्राली में जा घुसी।

इससे चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। यहां जांच के बाद चिकित्सक ने पर्वत और आशिक को मृत घोषित कर दिया। साथ ही बाइक सवार मां-बेटी का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

महिला को बेहोश कर ऑटो गैंग ने लूटे गहने, थाने के पास सड़क पर छोड़कर बदमाश फरार

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में सक्रिय ऑटो गैंग ने मंगलवार को एक और वारदात को अंजाम दिया। बिजलीघर से महिला को बैठाने के बाद चेहरे पर रुमाल घुमाकर बेहोश कर दिया। गहने और नकदी लूटने के बाद भगवान टाकीज चौराहे के पास छोड़कर भाग गए। महिला को एक घंटे बाद होश आया। दो दिन में यह दूसरी वारदात है।

शमसाबाद राजपुर चुंगी की इंद्रापुरम कॉलोनी निवासी कल्पना शर्मा ने बताया कि मंगलवार को उन्हें हरीपर्वत थाना क्षेत्र में रिश्तेदार के पास जाना था। पहले वह ऑटो से बिजलीघर पहुंची। वहां भगवान टॉकीज के लिए एक चालक ने जबरदस्ती बैठा लिया। उसमें पहले से दो युवक बैठे थे। भगवान टॉकीज चौराहे के पास चालक से उतारने के लिए बोला। तभी पीछे बैठे एक युवक ने उनके चेहरे पर रुमाल घुमा दिया। वह बेसुध हो गईं। इसके बाद चौराहे के पास ही ऑटो खड़ा कर सोने की अंगूठी, चेन, कुंडल और 10 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। होश आने पर परिजन को सूचना दी। दो दिन पहले भी युवक से दो बदमाश मोबाइल फोन लूटकर भाग गए थे। न्यू आगरा थाना एसओ अजय कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिल गई है। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

नाबालिग की पिटाई करने पर रिपोर्ट दर्ज, दो लोग हिरासत में, जांच जारी

अलीगढ़ , एजेंसी। इगलास के सहारा कलां स्थित मुर्गी फार्म हाउस से दो मोबाइल चोरी करने के आरोप में एक किशोर की पिटाई की गई। मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के साथ ही पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। सीओ राजीव द्विवेदी ने बताया कि सहारा कलां में मुर्गी फार्म से एक किशोर द्वारा मोबाइल चोरी करने संबंधी सीसी फुटेज देखने के बाद किशोर को पकड़कर प्लास्टिक के पाइप से पीटा गया। घटना के वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर पीड़ित किशोर की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में वीरेंद्र कुमार, शाहिद व रमजान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

यूट्यूबर साक्षी-अजितेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, भाजपा नेता ने लगाया रंगदारी मांगने का आरोप

बरेली, एजेंसी। बरेली में यूट्यूबर साक्षी और उनके पति अजितेश पर भाजपा नेता ने धमकाने और रंगदारी मांगने का आरोप लगाकर सुभाषनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। दोनों पक्षों में कई दिन से सोशल मीडिया पर विवाद चल रहा था। उधर, अजितेश की तरफ से भी तहरीर दी गई है। करगैना निवासी भाजपा कार्यसमिति सदस्य आर्येंद्र मिश्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि साक्षी मिश्रा फेसबुक पर जातिगत उन्माद फैला रही थीं। उनकी पत्नी ने साक्षी की पोस्ट पर उन्हें समझाने को कमेंट कर दिए थे। इससे नाराज साक्षी ने उनकी पत्नी के फोटो फेसबुक पर डाल दिए। वह साक्षी और अजितेश को समझाने उनके घर गए तो यह लोग सौ फुटा मोड़ पर ही मिल गए। वहां उन्होंने इन लोगों से शिकायत की तो अजितेश ने कहा कि उनका घर तो वीडियो और कंटेंट से ही चलता है। आरोप है कि अजितेश ने उनसे पांच लाख रुपये की मांग की। मना करने पर उनके पूरे परिवार के फोटो व वीडियो अनर्गल टिप्पणी के साथ सोशल मीडिया पर डाल दिए। इस मामले में सुभाषनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इस प्रकरण में अजितेश ने बताया कि आर्येंद्र की पत्नी ने साक्षी की पोस्ट पर आपत्तिजनक कमेंट किए थे। आर्येंद्र ने उन्हें फोन पर धमकी दिलवाई। संदेश कन्नौजिया ने फोन कर उन्हें मिलने के लिए अपने कार्यालय बुलाया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का दावा, हम जीत रहे थे सरकार ने हरवा दी देवरिया, महाराजगंज ओर अमरोहा की सीटें

लखनऊ , एजेंसी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पूरे देश में यूपी के चुनाव परिणाम की चर्चा हो रही है। इंडिया गठबंधन ने जबरदस्त परिणाम दिया है। यूपी ने मोदी जी के अबकी बार 400 पार के नारे की हवा निकाल दी है। 80 में 80 सीटें जीतने के दावे की हवा निकाल दी है। काशी में 10 लाख वोटों से जीतने के दावों की हवा निकाल दी है। दावा किया कि देवरिया, महाराजगंज और अमरोहा की सीट सरकार की मदद से हरवाई गई है। इन सीटों पर कांग्रेस जीत रही थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश भर में आभार यात्राएं निकालेगी और प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों तक जाएंगे। इसकी शुरुआत मंगलवार को रायबरेली से राहुल गांधी ने शुरू कर दी है। ये यात्रा 15 दिनों तक चलेगी।

उन्होंने नीट की परीक्षा में हुई धांधली पर कहा कि देश भर में छात्र परेशान हैं। पहले यूपी में ही पेपर लीक होते थे। प्रदेश में अब तक 19 बार पेपर लीक हो चुका है।

प्रदेश अध्यक्ष ने महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दाल के दाम बढ़ गए हैं। आटा है नहीं, बाहर से मंगाएंगे। कांग्रेस महंगाई के मुद्दे को उठाएगी। सरकार उद्योगपतियों को नहीं आम जनता को लाभ दे।

उन्होंने कहा कि जम्मू में आतंकी हमला हुआ है और उप राज्यपाल वाराणसी और गाजीपुर में प्रचार कर रहे थे। हम इसकी निंदा करते हैं। मृतकों में यूपी के कई लोग थे। सरकार ऐसी व्यवस्था करे कि इस तरह के हमलों की पुनरावृत्ति न हो। भाजपा ने दावा किया था कि आतंकवाद खत्म हो गया है पर ऐसा कुछ नहीं हो पाया है।

भाजपा ने प्राण प्रतिष्ठा में आदिवासी राष्ट्रपति को नहीं बुलाया

कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि भाजपा ने 370 के नाम पर वोट मांगे। जम्मू में एक भी प्रत्याशी अपने सिंबल पर नहीं लड़ाया। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आदिवासी समाज से आने वाली राष्ट्रपति को अयोध्या में नहीं बुलाया गया था। भाजपा ड्रामा न करे। यूपी ने उनकी राजनीति को नकार दिया है।

सूदखोर हत्याकांड: शव दफनाकर फसल उगाने की थी तैयारी, आरोप- नॉनवेज और शराब के लिए बनाता था दबाव

इटावा, एजेंसी। इटावा जिले में सूदखोर को दफनाकर जमीन के ऊपर आरोपी ने फसल उगाने की तैयारी कर ली थी। हालांकि सीसीटीवी कैमरे में आरोपी बाइक से सूदखोर को ले जाता हुआ दिखाई दे गया था। कैमरों की बदौलत पुलिस ने सूदखोर के लापता होने की गुत्थी सुलझा ली। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

प्रतापपुरा निवासी सूदखोर अरविंद गुर्जर लंबे समय से ब्याज पर पैसे उठाने का कारोबार करते थे। क्षेत्र के आसपास कई गांव में लोगों के पास लाखों की रकम पड़ी है। करीब दो साल पहले आरोपी दिलीप सिंह उर्फ प्रेमसिंह ने अरविंद से पांच के सैकड़ा पर एक लाख रुपये लिए थे। इससे अरविंद और प्रेमसिंह का उठना बैठना हो गया। अरविंद अविवाहित होने की वजह से ज्यादातर बाहर का ही खाना खाते थे। दिलीप के घर रुपये के बहाने आने-जाने लगे। आरोप है कि मांसाहारी खाना और शराब के लिए आरोपी पर दबाव बनाते थे। इसके अलावा सूदखोर ने चक्रवृद्धि ब्याज लगाकर बड़ी रकम बना दी। इसका आरोपी पर और दबाव बढ़ गया था। आरोपी इस रकम को देने में अक्षम था। छह जून को आरोपी हनुमंतपुर चौराहा पर आया, तो अरविंद ने रुपये मांगे। तो आरोपी शराब व मांसाहारी खाना लेकर अरविंद को अपनी बाइक से अपने ट्यूबवेल पर ले गया। वहां शराब पिलाकर अरविंद के बेहोश होने पर कुल्हाड़ी से कई वार करके हत्या कर दी। फावड़े की मदद से अपनी जमीन में उसे दफना दिया। आरोपी ने बदबू न फैले इसके लिए उसने ट्यूबवेल पर रखी पॉलिथीन से शव को अच्छी तरह से लपेट दिया था। उसके बाद आरोपी ने निशान मिटाने के लिए पूरे खेत को गेहूं काटने वाली मशीन से जोत दिया था। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि रविंद्र ने अपने बड़े भाई अरविंद के लापता होने की सूचना दी थी।

सीएम योगी का राज्य कर्मचारियों को तोहफा, रिटायर होने के बाद भी मिलेगा वेतनवृद्धि का लाभ

लखनऊ , एजेंसी। चुनाव के बाद राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। अब रिटायर होने के अगले दिन होने वाली वेतनवृद्धि नियत होने पर ऐसे कर्मियों के पेंशन की गणना एक नोशनल वेतन वृद्धि को जोड़कर की जाएगी। मंगलवार को कैबिनेट बैठक में वित्त मंत्रालय के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। मंगलवार को कैबिनेट बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि छठवें वेतन आयोग की संस्तुतियों द्वारा कर्मचारियों की सालाना वेतनवृद्धि हर साल एक जुलाई को की गई। सातवें वेतन आयोग की संस्तुतियों द्वारा सालाना वेतन वृद्धि एक जनवरी 2016 से लागू की गई। इसके बाद कर्मचारियों को वेतनवृद्धि की तारीख एक जुलाई और एक जनवरी को चुनने का विकल्प दिया गया है।

मद्रास उच्च न्यायालय, कर्नाटक उच्च न्यायालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय में इस संबंध में दायर विभिन्न याचिकाओं में 30 जून को रिटायर कर्मचारियों को आगामी वेतनवृद्धि दिए जाने के आदेश दिए जा चुके हैं। ऐसे ही मामलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कई बार एसएलपी खारिज की जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में आदेश भी दिया था, जिसके तहत न्यायिक अधिकारियों को रिटायरमेंट के बाद पहली जनवरी या पहली जुलाई को होने वाले वेतनवृद्धि का लाभ देने का आदेश दिया गया था।

30 जून और 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले राज्य सरकार के कर्मचारियों की वेतनवृद्धि अगर एक जुलाई और 31 दिसंबर को होती थी, तो उसका लाभ पेंशन और ग्रेच्युटी के रूप में उन्हें नहीं मिल पाता था। इसके बाद इसे राज्य कर्मचारियों पर भी लागू करने का फैसला लिया गया। अब सेवानिवृत्ति के ठीक अगले दिन एक जुलाई और एक जनवरी को वेतनवृद्धि नियत होने पर ऐसे कार्मिकों की पेंशन गणना एक वेतनवृद्धि जोड़कर की जाएगी।

नोशनल वेतनवृद्धि: यदि किसी जूनियर का वेतन निर्धारण सीनियर से ज्यादा हो गया हो तो उसे समायोजित करने की प्रक्रिया नोशनल वेतनवृद्धि है। लेकिन, कई बार जूनियर प्रमोशन पाकर अपने सीनियर से आगे निकल जाता है। ऐसी स्थिति में सीनियर की पदोन्नति की जाती है, जिसे नोशनल प्रमोशन कहते हैं।

अभेद्य होगी अयोध्या की सुरक्षा... तैनात किए जाएंगे ब्लैक कैट कमांडो, एनएसजी यूनिट की होगी स्थापना

अयोध्या , एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के बाद जिले की सुरक्षा व्यवस्था को अब और चुस्त किया जा रहा है। केंद्र सरकार अब यहां एनएसजी कमांडो यूनिट बनाने की तैयारी में है जिसके लिए भूमि खोजी जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से निर्णय पर मुहर लगने के बाद एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडो यहां तैनात होंगे।

जिले में अब तक केंद्रीय सुरक्षा की दो व राज्य सरकार की चार सुरक्षा एजेंसियां तैनात हैं। किसी भी वीवीआईपी दौरे पर एनएसजी कमांडो दिल्ली से बुलाए जाते हैं। राम मंदिर निर्माण के बाद जिले में अक्सर वीवीआईपी दौरा होता रहता है साथ ही हर समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। समय-समय पर अयोध्या आतंकियों के निशाने पर भी रही है, जिसे देखते हुए अब यहां की सुरक्षा को और चुस्त किया जा रहा है। इसके लिए भविष्य में एनएसजी कमांडो की यूनिट यहां स्थापित करने की तैयारी है।सूत्रों के अनुसार एनएसजी की टीम ने जिला प्रशासन से संपर्क करके भूमि चिन्हित करके उपलब्ध कराने के लिए कहा है। जिस पर तेजी से काम हो रहा है। वहीं, पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि अयोध्या में एनएसजी यूनिट खुलने की सूचना तो है, लेकिन पूरी जानकारी उन्हें नहीं है।

झोपड़ी पर पलटा बालू भरा ट्रक, एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत, चालक और हेल्पर हिरासत में

हरदोई , एजेंसी। हरदोई जिले में मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में उन्नाव मार्ग पर बालू भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झोपड़ी पर पलट गया। घटना में झोपड़ी में सो रहे चार मासूम बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दंपती, उनके चार बच्चे और एक दामाद शामिल हैं। एक बच्ची घायल भी है। मल्लावां कस्बे में उन्नाव मार्ग पर चुंगी नंबर दो के पास सड़क किनारे नट बिरादरी के लोग झोपड़ी बनाकर रहते हैं। मंगलवार आधी रात के बाद कानपुर से हरदोई जा रहा बालू भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे अवधेश उर्फ बल्ला की झोपड़ी पर पलट गया।

इसकी जानकारी पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों और जेसीबी की मदद से ट्रक सीधा करने के बाद बालू हटवाई, लेकिन तब तक अवधेश उर्फ बल्ला (45), उसकी पत्नी सुधा उर्फ मुंडी (42), पुत्री सुनैना (11), लल्ला(5), बुद्धू (4), हीरो (22) उसका पति बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के कासुपेट निवासी करन (25) उसकी पुत्री कोमल उर्फ बिहारी (5) की मौत हो चुकी थी।

चालक और हेल्पर हिरासत में: अवधेश की एक पुत्री बिट्टू घटना में घायल हुई है। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्लावां में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के छिबरामऊ निवासी अवधेश और हेल्पर शहर कोतवाली क्षेत्र के अनंग बेहटा निवासी रोहित को हिरासत में ले लिया है।

तीन घंटे तक लगा लंबा जाम: हादसे में हुई मौत की खबर जैसे ही लोगों को हुई, तो हर कोई घटनास्थल की ओर दौड़े जा रहा था। जैसे-जैसे बालू में दबे लोग बाहर निकल रहे थे। मौके पर मौजूद एम्बुलेंस उन लोगों को सीएचसी पहुंचा रही थी। घटनास्थल पर भारी भीड़ होने और मशीनों से रेस्क्यू किए जाने के दौरान करीब तीन घंटे तक हाइवे पर जाम लगा रहा। उन्नाव की ओर से आने वाले वाहनों को बड़े चौराहे पर बैरिकेड कर संडीला मेंहदीघाट की ओर डायवर्ट किया गया था। हरदोई की ओर से आने वाले वाहनों को घटनास्थल से एक किलोमीटर पहले रोक दिया गया था। ट्रक हटने के करीब तीन घंटे बाद यातायात सामान्य हो सका।

अकेले रह रही वृद्धा की मौत, बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को दी सूचना, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में नवाबगंज के विष्णुपुरी में अकेले रहने वाली वृद्धा की घर में कुर्सी पर बैठकर पूजा करते समय मौत हो गई। मंगलवार को घर से बदबू आने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को खबर दी। दरवाजा तोड़कर घर में दाखिल हुई पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव चार दिन पुराना बताया जा रहा है।

विष्णुपुरी में रहने वाली अविवाहित कामिनी गुप्ता उर्फ रानी दीदी (65) घर में अकेली रहती थी। मंगलवार को उनके घर से बदबू आने पर सामने रहने वाले शेखर जायसवाल की पत्नी तनुजा ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी दीनानाथ मिश्रा को तनुजा ने बताया कि कामिनी के घर का दरवाजा तीन-चार दिनों से खुला नहीं है।

दरवाजा खटखटाने पर कोई हलचल नहीं हुई तो पुलिस ने कामिनी के काकादेव निवासी उनके भतीजे मनीष गुप्ता को मौके पर बुलाया। इसके बाद वीडियोग्राफी कराते हुए लोहे और लकड़ी के दरवाजे को तोड़ा और अंदर दाखिल हुए तो कामिनी गुप्ता मंदिर के सामने कुर्सी पर मृत अवस्था में बैठी हुई थी। देखने से लग रहा था कि उनका शव करीब 3-4 दिन पुराना है।

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा: फोरेंसिक टीम के जांच करने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक होने की मौत की आशंका जताई जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि कामिनी के बेंगलुरु में रहने वाले भाई को जानकारी दे दी गई है। बुधवार तक उनके कानपुर आने की उम्मीद है। उसके आने के बाद और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या में भाजपा की हार पर रार... सोशल मीडिया पर अब अयोध्या के खिलाफ तरकश के नए तीर

फोटो और वीडियो वायरल

अयोध्या, एजेंसी। रामनगरी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अब तरकश के नए तीर से निशाना साधा जा रहा है। कुछ वीडियो और तस्वीरों को वायरल कर यह दिखाने का प्रयास किया जा रहा है कि यहां के विकास के लिए तमाम लोगों को प्रशासन ने जबरन बेघर कर दिया।

ऐसे लोगों को न तो मुआवजा दिया गया और न ही उनके पुनर्वास का प्रबंध हुआ। इसी के चलते भाजपा को यहां लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। जिला प्रशासन ने इसे खारिज करते हुए तथ्यों के साथ पुनर्वास और मुआवजा दिए जाने का ब्योरा प्रस्तुत किया है। डीएम नितीश कुमार ने बताया कि विभिन्न प्रमुख मार्गों का उनके किनारे के दुकानदारों, भवन व भू-स्वामियों से समन्वय बनाकर पुर्नस्थापित कर अनुग्रह धनराशि व मुआवजा देकर चौड़ीकरण किया गया है। रामपथ, भक्तिपथ, रामजन्मभूमि पथ और पंचकोसी व चौदहकोसी परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण से 4616 दुकानदार प्रभावित हुए।

इसमें से 4215 व्यापारी जिनकी दुकानें आंशिक रूप से प्रभावित हुईं, उन सभी को अनुग्रह धनराशि का भुगतान किया गया। इन दुकानों का सुंदरीकरण भी कराया गया। ये सभी दुकानदार अब उसी स्थान पर व्यापार कर रहे हैं। इसी कड़ी में 401 दुकानदार पूर्ण रूप से स्थानांतरित हुए। इनमें से 339 दुकानदारों को अयोध्या विकास प्राधिकरण ने दुकानें आवंटित की हैं। इनका व्यापार अन्य स्थल पर स्थानांतरित होने पर कुछ समय के लिए व्यापार प्रभावित होने के एवज में प्रति दुकानदार एक से 10 लाख रुपये तक हटायी गई दुकान के आकार के आधार पर अनुग्रह धनराशि का भुगतान उनके खाते में अलग से किया गया है। पूर्ण रूप से स्थानांतरित 79 परिवारों को बसा दिया गया है। कुल 1845 भू और भवन स्वामी प्रभावित हुए। इन्हें 300.67 करोड़ की धनराशि मुआवजे व अनुग्रह धनराशि के रूप में उनके खाते में भेजी जा चुकी है। इसी तरह महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण से प्रभावित सभी परिवारों को पुर्नवासित कराया गया है। प्रभावित खातेदारों से समन्वय बनाकर उनकी सहमति के आधार पर भूमि अर्जन का कार्य किया गया। इसमें 952.39 करोड़ रुपये का भुगतान भूमि और भवन स्वामियों के खाते में किया गया।

शांति देवी का मकान टूटने से पहले का वीडियो वायरल

रामनगरी की शांति देवी इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इनके मकान टूटने से पहले दिए गए बयान के वीडियो को अब का बताकर वायरल किया जा रहा है। इस बारे में उन्होंने खुद सामने आकर सफाई दी है। सुग्रीव किला के पीछे रहने वाली शांति के अनुसार उन्हें उचित मुआवजा देने के साथ पुनर्वास कराया गया है। जनकपुरी में प्रशासन ने जमीन भी उपलब्ध कराई है। वीडियो में जो बयान दिखाया जा रहा है, वह तब का है जब उन्हें अपना मकान टूटने की सूचना मिली थी। तब उन्होंने आवेश में आकर अपनी बात कही थी। अब वे अपने पुनर्वास से संतुष्ट हैं।

समस्याएं बरकरार: पांच बार आगरा से केंद्र में बने मंत्री, फिर भी एयरपोर्ट बना... न हाईकोर्ट

आगरा , एजेंसी। मोदी सरकार में लगातार तीसरी बार आगरा को राज्यमंत्री का पद देकर भागीदारी दी गई है। एसपी सिंह बघेल को दूसरी बार मोदी सरकार में मंत्री बनाया गया है। अब तक आगरा के सांसदों को पांच बार केंद्रीय मंत्री पद से नवाजा जा चुका है, लेकिन शहर की मांगें अब तक अधूरी हैं। 18 बार लोकसभा चुनाव में वोट दे चुके आगरा के लोगों की समस्याएं बरकरार हैं। एयरपोर्ट हो या हाईकोर्ट, स्टेडियम हो या फूड प्रोसेसिंग सेंटर, सब फाइलों से बाहर नहीं निकल सका।

वर्ष 1989 में पहली बार आगरा के सांसद अजय सिंह को रेल उपमंत्री का पद दिया गया, लेकिन जनता दल की सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं रह सकी। वर्ष 1991 में प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की सरकार में श्रम कल्याण राज्यमंत्री बनाए गए सांसद रामजीलाल सुमन का कार्यकाल भी ज्यादा नहीं रहा।

वर्ष 2014 से आगरा का केंद्रीय सरकार में प्रतिनिधित्व बना हुआ है, लेकिन मुद्दे जस के तस हैं। साल 2014 में मोदी सरकार में आगरा के सांसद रामशंकर कठेरिया को केंद्रीय मानव संसाधन राज्यमंत्री का बड़ा पद दिया गया। आगरा को उसका कोई फायदा नहीं मिल पाया।

कोई भी सरकार क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिए अपने अपने नजरिये से मंत्री पद देती है। मेरा कार्यकाल बेहद कम दिनों का रहा। आगरा के लिए मंत्री रहते और सांसद रहते कई काम किए। - रामजीलाल सुमन, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री

नई सरकार में नई उम्मीदें: सिविल सोसायटी सदस्य राजीव सक्सेना के मुताबिक आगरा को मंत्री पद तो मिले, लेकिन उसका फायदा नहीं मिल पाया। अन्य जगहों के मंत्रियों ने अपने अपने क्षेत्रों में एयरपोर्ट, स्टेडियम आदि के जरिए सूरत बदलने का प्रयास किया। आगरा इस मामले में पीछे है। अब भी समय है। पशुपालन, डेयरी के क्षेत्र में भी आगरा में कई अच्छे काम हो सकते हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल में मौजूदगी है तो इसका फायदा शहर की स्थिति को सुधारने में किया जाए।

आईटीआई का अनुदेशक निलंबित, प्रैक्टिकल में ज्यादा अंक देने के एवज में छात्रों से मांग रहा था पैसे

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में राजकीय प्रशिक्षण संस्थान (आईटीई) बल्केश्वर में छात्रों से प्रैक्टिकल में ज्यादा अंक देने के एवज में रुपये मांगने वाले अनुदेशक को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें संयुक्त निदेशक आईटीआई कानपुर से संबद्ध कर दिया गया है। साथ ही दंड निर्धारित करने के लिए संयुक्त निदेशक अलीगढ़ को जांच अधिकारी नामित किया गया है। आईटीआई बल्केश्वर में अनुदेशक वर्कशाप कैलकुलेशन एंड साइंस विवेक लवानिया के दो ऑडियो वायरल हुए थे। इनमें वे मनमाफिक अंक दिलाने के लिए 6000 रुपये प्रति छात्र की रिश्वत मांग रहे थे। इसका एक छात्र ने ऑडियो बना लिया। यह ऑडियो संस्थान के शिक्षकों के ग्रुप में वायरल हुआ। पीड़ित छात्रों ने इसकी लिखित शिकायत प्रधानाचार्य मान सिंह भारती से की। मंडलीय संयुक्त निदेशक आईटीआई योगेंद्र सिंह ने भी प्रकरण की जांच के लिए कमेटी का गठन किया। कमेटी के सामने भी छात्रों ने अपनी समस्या दोहराई और बताया कि अनुदेशक विवेक लवानिया पहले भी छात्रों से रुपये की मांग कर चुके हैं। उनके पूर्व में छात्रों से लिए गए पेटीएम के स्क्रीन शॉट भी उपलब्ध करवाए गए। दोनों ही जांच कमेटियों की रिपोर्ट में आरोप सही पाए गए। निदेशक आईटीआई कुणाल सिल्कू ने लवानिया को निलंबित कर दिया। निलंबन की अवधि में इस दौरान व संयुक्त निदेशक कानपुर मंडल से संबद्ध रहेंगे।

बिना किसी डिग्री के भी इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

आज का समय स्किल का है और इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास किसी चीज की डिग्री हो ही। अगर आप ज्यादा पढ़ाई नहीं की हैं, तो भी आप आगे बताए गए क्षेत्रों में अपना करियर चुन सकती हैं।

आजकल स्किल का दौर है। इसमें बिना डिग्री के भी करियर बनाने के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं। जरूरी नहीं कि डिग्री हमेशा सफल करियर की ही गारंटी हो। ये पहले का समय था जब बिना नॉलेज वालों को भी डिग्री के बल बूते पर नौकरी मिल जाती है। हालांकि आज के समय में ऐसा नहीं है। जिस भी व्यक्ति के पास किसी तरह का कोई भी स्किल हो तो आज वह अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं। जी हां, अब कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां आप बिना डिग्री के भी सफल हो सकते हैं। इसके लिए हमने यहां पर कुछ क्षेत्रों की सूची तैयार की है, जिसके जरिए बिना डिग्री के भी करियर बनाया जा सकता है।

फोटोग्राफी में करियर?

यदि आप फोटोग्राफी के शौकीन हैं, तो आप इसे पेशेवर रूप से भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो इ स्किल को और बेहतर बनाने के लिए आप ऑनलाइन कोर्स या वर्कशॉप के माध्यम से फोटोग्राफी सीख सकते हैं। इसके बाद बतौर फोटोग्राफर आप कहीं भी काम कर सकते हैं। आज के समय में तो लोग हर छोटी से छोटी फंक्शन की भी शूटिंग कराते हैं। ऐसे मौके पर आपकी स्किल काम आ सकती है। इसके लिए आपको अच्छी पेमेंट भी मिल सकती है। आप चाहें तो धीरे-धीरे करके अपनी स्टूडियो भी ओपन कर सकते हैं।

एक्टिंग में बनाएं करियर?

अगर आपको एक्टिंग करने का शौक है, तो आप अपने टैलेंट को सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचा सकती हैं। इससे आप इंफ्लूएंसर की तरफ अपना रुख कर सकती हैं। आपको व्यूअर्स पसंद करेंगे, तो आपके फॉलोअर्स बढ़ेंगे। साथ ही, आपको सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म से फिर पेमेंट आने भी शुरू हो सकते हैं। इसके अलावा, आप घर बैठे एक्टिंग सिखाने की क्लासेस भी शुरू कर सकती हैं।

पेंटिंग में बनाएं करियर

अगर आपके अंदर पेंटिंग की स्किल है, तो आप इसमें बेहतर करियर बना सकती हैं। खास बात यह है कि इसके लिए आपको किसी डिग्री की भी आवश्यकता नहीं होगी। आप अपनी पेंटिंग बनाकर बेच सकती हैं। आपकी अच्छी पेंटिंग्स लाखों-करोड़ो रुपए में भी बिक सकती हैं। इससे आपको अपना आर्ट निखारने का मौका भी मिलेगा। इसके अलावा, आप चाहें तो ऑनलाइन या ऑफलाइन पेंटिंग लर्निंग क्लासेस भी ले सकती हैं। ऑफलाइन क्लास में आपको महीने के हिसाब से पैसे मिलेंगे। वहीं, ऑनलाइन में भी आप पेड क्लासेस ले सकती हैं। इससे आपको डबस फायदा हो सकता है।

पाना चाहते हैं सरकारी नौकरी ...तो भारत में होने वाली इन परीक्षाओं की करें तैयारी

सरकारी नौकरी की चाहत भारत में हर कोई रखता है। लोग सालों साल इनकी तैयारियों में लगे रहते हैं। सरकारी नौकरी पाने के बाद मानो लोगों के दिन बदल जाते हैं, जिस कारण देश की आबादी के लगभग 80 से 85 प्रतिशत लोग सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे रहते हैं। अगर आप यूपी और बिहार से हैं तब तो सरकारी नौकरी का महत्व आपसे बेहतर कोई नहीं समझता होगा।

जैसा की आपको पता है कि सरकारी नौकरी पाने के लिए आपको कई एग्जाम देने होते हैं, अगर आपने एग्जाम क्वालीफाई किया तभी आप उस नौकरी को पा सकते हैं। आज के आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप किन एग्जाम को देकर सरकारी नौकरी पा सकते हैं।

बैंक पीओ

अगर आप किसी सरकारी बैंक में काम करना चाहते हैं, तब आप बैंक पीओ के एग्जाम के जरिए सरकारी बैंक में काम कर सकते हैं। कुछ साल बैंक में पीओ के पद पर काम करने के बाद आपको असिस्टेंट मैनेजर का पद मिल जाता है, जिसके कुछ समय बाद आपको मैनेजर का पद भी मिल सकता है। इस पेपर को निकालने के लिए आपको इंग्लिश लैंग्वेज, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड और रीजनिंग आनी चाहिए। इस पेपर में बैठने से पहले आपको जमकर मैथ्स और रीजनिंग की तैयारी कर लेनी चाहिए।

एसएससी सीजीएल

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लगभग हर छात्र को एसएससी सीजीएल के विषय में जानकारी होती है। यह एग्जाम स्टाफ सेलेक्शन कमीशन द्वारा लिया जाता है, जिसमें मेरिट के हिसाब से अलग-अलग मिनिस्ट्री में सरकारी नौकरी मिलती है। इस परीक्षा में 1 से लेकर 4 टियर होते हैं, एग्जाम क्वालीफाई करने के लिए आपको चारों टियर पास करने होते हैं। एसएससी के पेपर में आपको जनरल अवेयरनेस, रीजनिंग, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड और इंग्लिश कंप्रीहेंशन और मैथ्स के सवाल भर-भरकर मिलते हैं।

आरबीआई ग्रेड बी

आरबीआई को भारत की एपेक्स बैंक कहा जाता है, जो अन्य सरकारी बैंकों को सुचारू रूप से चलाने का काम करती है। आप आरबीआई ग्रेड बी का एक्जाम देकर भी सरकारी नौकरी पा सकते हैं। इस एग्जाम को निकालने के लिए आपको रीजनिंग, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड, इंग्लिश लैंग्वेज और जनरल अवेयरनेस को अच्छे से तैयार करना होता है। अगर आप यह एग्जाम क्लियर करते हैं तो आपको आरबीआई ऑफिसर के पद पर काम करने का मौका मिलता है, जिसके बाद आप प्रमोशन पाकर डिप्टी गवर्नर भी बन सकते हैं। इस नौकरी में सबसे ऊंची पोस्ट गवर्नर की होती है, जहां तक बहुत कम लोग पहुंच पाते हैं।

सीडीएस

यह एक्जाम यूपीएससी द्वारा ही लिया जाता है। अगर आप आर्मी में ऊंचे पदों पर जाना चाहते हैं तो इस एग्जाम को क्वालीफाई करके जा सकते हैं। इस एग्जाम को पास करने के बाद आप इंडियन मिलिट्री अकादमी, इंडियन नेवल अकादमी, ऑफीसर्स ट्रेनिंग अकादमी और इंडियन एयर फोर्स अकादमी में जा सकते हैं। इस एग्जाम के लिए आपको इंग्लिश, जनरल नॉलेज और एलिमेंट्री मैथ की अच्छी नॉलेज होनी चाहिए।

स्टेट पीसीएस

स्टेट पीसीएस का सिलेबस यूपीएससी से थोड़ा सा कम मुश्किल होता है, तो अगर आप यूपीएससी की तैयारी करते हैं तो इस परीक्षा में भी बैठ सकते हैं। इस परीक्षा को स्टेट सर्विस कमीशन के द्वारा कराया जाता है, जिसमें हर राज्य का एग्जाम पैटर्न अलग-अलग होते हैं। बाकी जानकारी के लिए आप किसी भी राज्य की स्टेट सर्विस कमीशन की ऑफिशियल साइट पर भी जा सकते हैं।

सीएपीएफ

आपको बता दें की यह एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है, जिसे क्वालीफाई करने के बाद आप अलग-अलग आर्मी फोर्स में जा सकते हैं। इस एग्जाम से आप सीधे असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर जाते हैं।

एलआईसी

एलआईसी का नाम तो हम सभी ने सुना है, आप इसका एग्जाम क्वालीफाई करके भी सरकारी नौकरी पा सकते हैं। यह एक नेशनल लेवल एग्जाम होता है, जिसे पास करने के बाद आप एलआईसी में ऊंचे पदों पर काम कर सकते हैं। इस परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं के जैसा ही होता है, इसलिए अगर आप किसी और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहें हैं तो इसके इस्जाम में भी बैठ सकते हैं।

यूजीसी नेट

अगर आप शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी नौकरी करना चाहते हैं, तो आपको यूजीसी नेट की परीक्षा देनी होगी। यूजीसी नेट एग्जाम क्वालीफाई करने के बाद आपकी आगे की रीसर्च की फंडिंग भी की जाती है। ज्यादा जानकारी के लिए आप यूजीसी की साइट पर जाकर भी चेक कर सकते हैं।

एक साथ दो इंटरव्यू क्लीयर कर लिए हैं, तो एक जॉब को इस तरह करें सेलेक्ट

अगर आपने जॉब के लिए कई जगह इंटरव्यू दिया था और आपने दो इंटरव्यू क्लीयर कर लिए हैं। तो ऐसे में आप उनमें से किसी एक जॉब को इन टिप्स को अपनाकर सलेक्ट करें।

जीवन में तरक्की पाने के लिए एक अच्छी नौकरी पाने की इच्छा तो हम सभी की होती है। इसलिए, हम अलग-अलग कंपनियों में जॉब के लिए इंटरव्यू देते हैं। अक्सर हम सभी सिर्फ एक कंपनी में रिज्यूमे नहीं देते हैं, बल्कि हर अच्छी कंपनी में काम करने के लिए अवसर तलाश करते हैं। इंटरव्यू देने के बाद उसके रिप्लाई को आने में कुछ वक्त लग जाता है। अगर आप इंटरव्यू क्लीयर कर लेते हैं तो यकीनन बेहद खुशी होती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर, अगर एक साथ दो कंपनियों से जॉब ऑफर होती है तो यह स्थिति थोड़ी दुविधाजनक हो जाती है। इस स्थिति में यकीनन आपके लिए यह तय कर पाना मुश्किल होता है कि आप किस जॉब ऑफर को एक्सेप्ट करें और किसे रिजेक्ट। हो सकता है कि आप भी ऐसी ही किसी स्थिति में उलझी हुई हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने लिए एक परफेक्ट जॉब को सलेक्ट कर सकती हैं-

लॉन्ग टर्म के बारे में सोचें

जब आप किसी जॉब ऑफर को हां कहने जा रही हैं तो ऐसे में आपको अपने लॉन्ग टर्म करियर के बारे में सोचना चाहिए। यूं तो जॉब को जल्दी भी स्विच किया जा सकता है, लेकिन जब आप एक कंपनी में जुड़ते हैं तो लंबे समय तक काम करना काफी अच्छा रहता है। इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज भी बेहतर होती है। इसलिए, किसी भी जॉब को सलेक्ट करने से पहले आपको यह देखना चाहिए कि लॉन्ग टर्म में आपको इस जॉब में आगे बढ़ने के कितने अवसर मिलेंगे।

काम और पर्सनल लाइफ पर करें गौर

हर जॉब की अपनी अलग जरूरतें होती हैं और इसलिए जब आप किसी जॉब को सलेक्ट करें तो यह देखें कि आपका काम आपकी पर्सनल लाइफ को किस तरह इफेक्ट कर रहा है। यकीनन आप अपने करियर में बेहतर ग्रोथ चाहती हैं लेकिन इसके लिए आपकी पर्सनल लाइफ डिस्टर्ब नहीं होनी चाहिए। इसलिए, जब भी आप किसी जॉब ऑफर को सलेक्ट करें तो यह अवश्य देखें कि आपकी ऑफिस टाइमिंग, काम व वर्क प्रोफाइल आपके पर्सनल लाइफ पर किस तरह असर डालेगा।

सिर्फ सैलरी पर ही ध्यान ना दें

जब हमे दो जॉब के ऑफर मिलते हैं तो यकीनन हमारा सबसे पहला फोकस सैलरी पर ही होता है। यकीनन सैलरी किसी भी जॉब सलेक्शन में एक अहम् भूमिका निभाती है। लेकिन सिर्फ सैलरी पर ही फोकस करके आप एक गलत डिसिजन ले सकती हैं। किसी भी जॉब को सलेक्ट करते समय आपको अपने काम, ऑफिस टाइमिंग, ऑफिस से घर की दूरी, पिकअप और ड्रॉप की फैसिलिटी जैसी अन्य कई छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें। इससे आपके लिए काम की जगह पर अधिक कंफर्टेबल फील होगा।

ऑफिस के माहौल को जानने का प्रयास करें

यूं तो किसी भी ऑफिस के माहौल के बारे में आप तभी जान पाती हैं, जब आप उस ऑफिस में काम करती हैं। लेकिन अगर आपको एक साथ दो जगह से जॉब ऑफर हुई है तो कोशिश करें कि आप उन दोनों कंपनी व ऑफिस के माहौल को जानने का प्रयास करें। मसलन, अगर आपका कोई जानकार उस ऑफिस में काम कर चुका है तो आप उनसे ऑफिस की खूबियों व खामियों के बारे में जानने की कोशिश करें। इसके अलावा, आप यह देखें कि उस ऑफिस में ज्वॉइन करने के बाद लोग कितने लंबे समय तक वहां पर काम करते हैं या फिर उस कंपनी में लोग जल्दी-जल्दी जॉब छोड़ते हैं। इस तरह आपको यह समझने में आसानी होगी कि उस ऑफिस में काम करना आपके लिए कितना सही है। इससे आप एक अधिक सटीक निर्णय ले पाएंगी।

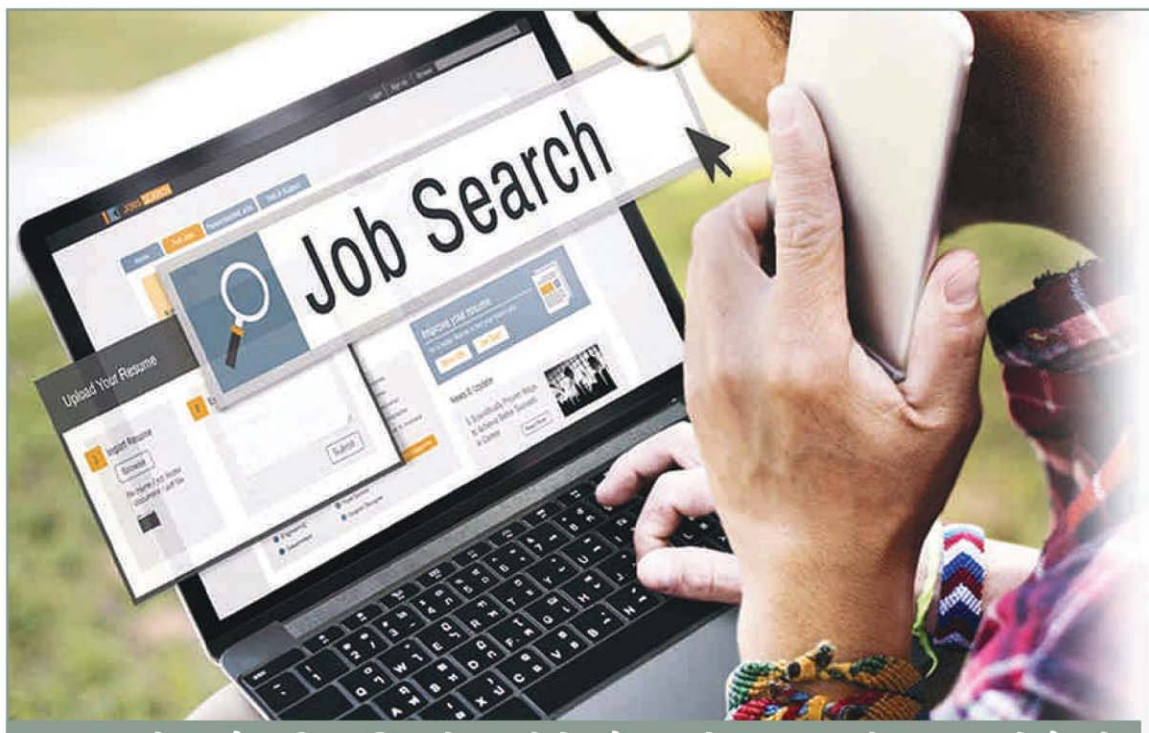

अक्सर लोग नौकरी न मिलने पर ऐसे स्कैमर के चक्कर में फंस जाते हैं जो आपके सपनों की नौकरी को दिलाने का वादा करते हैं। हाल ही में ऐसे कई स्कैम हुए हैं जिसमें नौकरी के लालच में लोग बुरी तरह फंस चुके हैं।

ऑनलाइन जॉब ढूंढ रहे हैं तो हो जाएं सावधान...

आजकल लोग नौकरी के लिए ऑनलाइन कई कंपनियों में अप्लाई करते हैं। ऐसे में लोगों के साथ स्कैम बहुत अधिक होने की संभावना होती है। जॉब देने की आड़ में स्कैमर्स लोगों से लाखों पैसे ले लेते हैं और लोग उनके जाल में बुरी तरह फंस जाते हैं। सोशल मीडिया की मदद से किसी कंपनी भी में अप्लाई करने पर स्कैम भी बहुत अधिक हो रहे हैं। तो चलिए जानते हैं कि आप कैसे इन ऑनलाइन स्कैम से बच सकती हैं।

सोशल मीडिया पर करते हैं पोस्ट

इंस्टाग्राम पर या फेसबुक ऐसे कई पेज हैं जो जॉब वेकेंसी के बारे में पोस्ट करते रहते हैं। फेक अकाउंट जब नौकरी की वेकेंसी पोस्ट करते हैं तो वह एक फॉर्म की लिंक को भी अटैच कर देते हैं। इसमें वह निर्देशों का पालन करते हुए डिटेल्स को फिल करने के लिए जानकारी भी देते हैं। उसके बाद ऑनलाइन भुगतान के लिए भी कहा जाता है। ऐसे में आपको सतर्क रहना बहुत जरूरी है। जब भी आप ऑनलाइन सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर फॉर्म भरें तो आपको कंपनी के वेबसाइट पर जाकर यह जरूर चेक करना चाहिए कि कंपनी में कोई वेकेंसी निकली भी है या नहीं। इसके अलावा आपको फॉर्म भरने पर अपने बैंक की डिटेल्स और पैसे का भुगतान नहीं करना चाहिए।

विदेश में नौकरी का लालच

देश में नौकरी के अलावा कई बार लोग विदेशों में भी नौकरी लेने के लालच में बुरी तरह फंस जाते हैं। जालसाज लोगों को पैसे लेकर विदेशों में नौकरी करने के लिए भेज देते हैं जहां उन्हें बंधक तक बना लिया जाता है। ऐसे में नौकरी पाने के लिए किसी भी अनजान लोगों के झांसे में ना आएं और साथ ही अच्छे से जॉब के बारे में चेक करने के बाद ही कोई कदम उठाएं।

कैसे रहें सुरक्षित?

जब सोशल मीडिया पर कोई फेक जॉब पर पोस्ट शेयर की जाती है तो स्कैमर्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर क्लिकबेट हेडलाइन्स से लोगों को लुभाते हैं और पैसा लेकर गायब हो जाते हैं। आपको कंपनी का नाम ऑनलाइन सर्च भी देखना चाहिए और उस कंपनी से जुड़े हुए कॉन्टैक्ट मिले तो कॉल करके वेकेंसी के बारे में जरूर पूछना चाहिए। जब भी आप जॉब पोस्ट को देखें तो उसमें कोई ग्रामेटिकल मिस्टेक अगर आपको नजर आती है तो हो सकता है कि वह पोस्ट फेक हो क्योंकि अक्सर स्कैमर्स ज्यादा पढ़े नहीं होते और अंग्रेजी लिखने में गलती भी कर देते हैं इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखते हुए ही सोशल मीडिया पर जॉब के लिए अप्लाई करना चाहिए।

अहमदाबाद स्थित यूनाइटेड कोटेफैब लिमिटेड का आईपीओ 13 जून को खुलेगा

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद स्थित यूनाइटेड कोटेफैब लिमिटेड कंपनी है जो कताई उद्योग से पाए गए कॉटनवेस्ट से एक उच्च -गुणवत्ता वाले पुनर्नवीनीकरण वाले ओपन एन्ड कोटन यार्न बनाने के व्यवसाय में व्यस्त है। मूल रूप से 2015 में यूनाइटेड कोटेफैब एलएलपी लॉन्च हुइ थी अब कंपनी इम्टी बाजार में प्रवेश कर रही है। कंपनी 13 जून, 2024 को आईपीओ ला रही है । कंपनी रु। 36.29 करोड़ इकट्ठा करने का लक्ष्य रखें हुए यह आइपीओ ला रही है. प्रत्येक शेयर का फेस वेल्यू रु। 10 रहेगा । कंपनी के शेयरों को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाना है। आईपीओ बंद होने की तारीख 19 जून 2024 है। आईपीओ लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्रा। लिमिटेड और आईपीओ रजिस्ट्रार पूर्व शेरजीस्ट्री (भारत) प्रा। लिमिटेड है श्री गगन निर्मल कुमार कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं। हम अपने आईपीओ की घोषणा करते हुए खुश हैं, कपड़ा उद्योग ने कहा कि 18 से अधिक वर्षों का अनुभव है। यार्न उद्योग में हमारी मजबूत उपस्थिति है। हमारे पास पुनर्नवीनीकरण ओपन एन्ड कपास यार्न और कपास वेस्ट की बिक्री और वितरण का एक मजबूत चैनल है। यार्न कताई का अंतिम उत्पाद है, जो कपास बुना या बुनना कपड़े के लिए महत्वपूर्ण है।

नेटफ्लिक्स ने अपनी फेवरिट सीरीज़ 'कोटा फैक्ट्री' के सीज़न-3 का ट्रेलर जारी किया!

मुंबई, एजेंसी। यह फाइनल एग्ज़ाम का सीज़न है और कोटा फैक्ट्री सीजन-3 के ट्रेलर मेंभारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक की तैयारी के दौरान, छात्रों के सामने पेश आने वालीचुनौतियों और उनकीआकांक्षाओं को दर्शाया गया है। 20 जून को आने वाले इस नए सीज़न में प्रशंसकों के फेवरिट किरदार शामिल हैं, जिनमें वैभव (मयूर मोरे), मीना (रंजन राज), उदय (आलम खान), वर्तिका (रेवती पिल्लई), शिवांगी (अहसास चन्ना) और चहितेजीतू भैया (जितेंद्र कुमार) शामिल हैं। टीवीएफ प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत इस सीरीज़ का निर्देशन प्रतीश मेहता और निर्माण शो रनर राघव सुब्बू ने किया है।

टर्टलमिंट ने 10 मिलियन पॉलिसियाँ बेचने की उपलब्धि हासिल की

मुंबई, एजेंसी।- देश के एक प्रमुख बीमा वितरण प्लेटफ़ॉर्म टर्टलमिंट ने आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की - कंपनी ने अब तक 1 करोड़ (10 मिलियन) पॉलिसियाँ बेची हैं। यह उपलब्धि पॉइंट ऑफ़ सेल पर्सन (पीओएसपी) मॉडल की मजबूती को दर्शाती है। इसके साथ ही यह कामयाबी देशभर में, विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में बीमा पैठ बढ़ाने के लिए टर्टलमिंट की अटूट प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है।अपनी स्थापना के बाद से, टर्टलमिंट ने सलाहकारों को तकनीक के साथ सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। इस दृष्टिकोण ने कंपनी को देशभर में 17,000 पिन कोड में फैले एक मजबूत वितरण नेटवर्क बनाने में सहायती की। इसके साथ ही कंपनी को देश की बड़ी अल्प बीमाकृत आबादी तक पहुँचने में भी सक्षम बनाया।

अनिल अंबानी के शेयर ने 4 साल में 1 लाख रुपये के बना दिए 27 लाख, कंपनी ने चुकाया पूरा कर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में तूफानी तेजी है। रिलायंस पावर के शेयर बुधवार को 8 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 31.15 रुपये पर पहुंच गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर मंगलवार को भी 10 पर्सेंट के उछाल के साथ 28.67 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयरों में 5 ट्रेडिंग सेशन में 26 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। खबर है कि कंपनी ने अपना पूरा कर्ज चुका दिया है। रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले 4 साल में 2650 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है।

1 लाख रुपये के बना दिए 27 लाख रुपये से ज्यादा

अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले 4 साल से कुछ ज्यादा समय में जबरदस्त उछाल आया है। रिलायंस पावर के शेयर 27 मार्च 2020 को 1.13 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 12 जून 2024 को 31.15 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में इस अवधि में 2650 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। अगर किसी व्यक्ति ने 27 मार्च 2020 को रिलायंस पावर के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 27.51 लाख रुपये के करीब होती।

कंपनी ने चुकाया अपना पूरा कर्ज

रिलायंस पावर ने अपना पूरा कर्ज चुका दिया है। स्टैंडअलोन बेसिस पर कंपनी कर्ज मुक्त हो गई है। पीटीआई की एक रिपोर्ट में यह बात सूत्रों के हवाले से कही गई है। कंपनी पर करीब 800 करोड़ रुपये का कर्ज था, बैंकों के इस कर्ज को चुका दिया गया है। दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के बीच रिलायंस पावर ने अलग-अलग बैंकों के साथ कई डेट सेटलमेंट एग्रीमेंट्स किए हैं। रिलायंस पावर ने IDBI बैंक, ICICI बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस बैंक के साथ एग्रीमेंट किए। सूत्रों का कहना है कि कंपनी ने अब इन बैंकों के पूरा बकाए का भुगतान कर दिया है। इसी के साथ, रिलायंस पावर स्टैंडअलोन बेसिस पर डेट फ्री कंपनी बन गई है।

पहले ही दिन 150 रुपये के पार पहुंच गया सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। आईटी इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी लिमिटेड की शेयर बाजार में जबरदस्त शुरुआत हुई है। सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन के शेयर पहले ही दिन 150 रुपये के पार पहुंच गए हैं। सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन के शेयर 24 पर्सेंट के फायदे के साथ 150 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन के शेयर का दाम 121 रुपये था। सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी लिमिटेड का आईपीओ 5 जून 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और यह 7 जून तक ओपन रहा।

शानदार लिस्टिंग के बाद भी धुआंधार तेजी

सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन के शेयरों की बाजार में तगड़े फायदे के साथ लिस्टिंग हुई है। शानदार लिस्टिंग के बाद सैट्रिक्स के शेयर 3 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 155 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने दिन के कारोबार के दौरान 142.50 रुपये के लो लेवल को भी छुआ है। सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 21.78 करोड़ रुपये का था। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के स्ब्ध प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी लिमिटेड की शुरुआत साल 2013 में हुई थी। कंपनी कस्टमर ओरिएंटेड साइबर सिक्योरिटी सॉल्यूशंस डिवेलप करती है। कंपनी का आईपीओ 121 रुपये के फिक्स्ड प्राइस पर आया था। सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी लिमिटेड का आईपीओ टोटल 70.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 37.76 गुना दांव लगा। वहीं, अदर्स कैटेगरी का कोटा 87.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। सैट्रिक्स इंफॉर्मेशन के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को कंपनी के आईपीओ में 121000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है। वहीं, हाई नेटवर्थ इंडीविजुअल्स आईपीओ में 2 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे।

टाटा स्टील अपने ब्रिटिश संयंत्र में निवेश की योजना को लेकर आशंकित

नईदिल्ली, एजेंसी। इस्पात कंपनी टाटा स्टील ने ब्रिटेन के पोर्ट टैलबोट में स्थित अपने संयंत्र में 1.25 अरब पाउंड का प्रस्तावित निवेश ब्रिटिश सरकार और विपक्ष के बीच नीतिगत मतभेदों की वजह से खटाई में पड़ने के बारे में आई खबरों पर चिंता जताई है। पिछले साल सितंबर में टाटा स्टील और ब्रिटिश सरकार के बीच पोर्ट टैलबोट इस्पात संयंत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए 1.25 अरब पाउंड की संयुक्त निवेश योजना पर सहमति जताई गई थी। इस निवेश में से 50 करोड़ पाउंड की राशि ब्रिटिश सरकार को देनी है। कंपनी ने बयान में कहा, ''हम ब्रिटिश मीडिया में आई उन खबरों को देखकर आशंकित हैं, जिनमें कहा गया है कि ब्रिटेन के इस्पात उद्योग में कई दशकों का सबसे बड़ा 1.25 अरब पाउंड का निवेश मौजूदा चुनावी प्रक्रिया के दौरान कंजर्वेटिव पार्टी और लेबर पार्टी के बीच उभरे नीतिगत मतभेदों के कारण खतरे में पड़ सकता है। टाटा स्टील ने कहा कि वह आने वाले महीनों में पोर्ट टैलबोट संयंत्र में भारी-भरकम परिसंपत्तियों को बंद करने और पुनर्गठन कार्यक्रम की घोषणा पर कायम रहेगी। टाटा समूह की कंपनी टाटा स्टील ब्रिटेन के पोर्ट टैलबोट में 30 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाली सबसे बड़ी ब्रिटिश इस्पात इकाई का संचालन करती है और करीब 8,000 लोगों को रोजगार देती है।

सोने के खास आभूषणों के आयात पर सरकार ने लगाया प्रतिबंध

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने जेम्स और कीमती पत्थरों से सुसज्जित कुछ खास तरह के सोने के आभूषणों के आयात पर मंगलवार को रोक लगा दिया। यह कदम इंडोनेशिया और तंजानिया से इन उत्पादों के आयात को हतोत्साहित कर सकता है। हालांकि, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मुक्त शुल्क समझौते के तहत वैध शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) में आयात प्राधिकार के बगैर भी इन जड़ित स्वर्ण आभूषणों के आयात की मंजूरी होगी।

डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में कहा कि मोती, कुछ खास किस्म के हीरे और अन्य कीमती एवं कम मूल्यवान पत्थरों से जड़े सोने के आभूषणों की आयात नीति को तत्काल प्रभाव से संशोधित कर 'मुक्त से अंकुश' कर दिया गया है। अंकुश की श्रेणी में रखी गई वस्तुओं का आयात करने के लिए

सरकार से लाइसेंस/ अनुमति लेने की जरूरत होती है। एक उद्योग विशेषज्ञ ने कहा कि इंडोनेशिया और तंजानिया से इन वस्तुओं के आयात में वृद्धि हुई है। भारत का इंडोनेशिया के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मजबूत घरेलू मांग रहने से देश में सोने का आयात वित्त वर्ष 2023-24 में 30 प्रतिशत बढ़कर 45.54 अरब डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2022-23 में सोने का आयात 35 अरब डॉलर का रहा था। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल मार्च में कीमती धातु का आयात 53.56 प्रतिशत घटकर 1.53 अरब डॉलर रह गया। स्विट्जरलैंड सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत है, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत की है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की आयात में हिस्सेदारी 16 प्रतिशत और दक्षिण अफ्रीका की लगभग 10 प्रतिशत है। देश के कुल आयात में सोने की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत से अधिक रही है। फिलहाल सोने पर 15 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है। बता दें कि चीन के बाद भारत दुनिया में सोने का दूसरा बड़ा उपभोक्ता है। यह आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करता है।

हायर इंडिया ने होम एस्थेटिक्स को फिर से परिभाषित किया

मॉडर्न किचन अपग्रेड के लिए मैट फिनिश स्टील डोर वाले ग्रेफाइट रेफ्रिजरेटर किए पेश

मुंबई, एजेंसी। लगातार 15 सालों से नंबर 1 वैश्विक प्रमुख उपकरण ब्रांड, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने अपनी ग्रेफाइट सीरीज का अनावरण किया है। यह स्टील डोर रेफ्रिजरेटर की एक प्रीमियम रेंज है, जिसमें मैट फिनिश और आधुनिक डिजाइन है, जो भारतीय घरों के एस्थेटिक्स को बढ़ाती है। यह सीरीज 205 से 602 लीटर तक की क्षमता में उपलब्ध होगी, जो विभिन्न भंडारण आवश्यकताओं को पूरा करेगी, जिससे यह हर भारतीय घर के लिए उपयुक्त है।

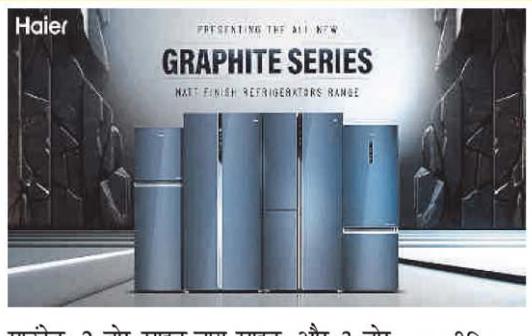

प्रीमियमाइजेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, नए रेफ्रिजरेटर की रेंज में एक स्मूथ मैट फिनिश डिजाइन है, जो आधुनिक भारतीय घरों में सहजता से मिश्रण करता है और समकालीन सुंदरता के साथ किचन के स्पेस को ऊंचा करता है। यह सीरीज डायरेक्ट कूल, टॉप-माउंटेड, बॉटम-

माउंटेड, 2-डोर साइड-बाय-साइड, और 3-डोर साइड-बाय-साइड सहित कई कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध है। हायर ने अपने क्रांतिकारी 3-डोर वाईफाई कन्वर्टिबल साइड बाय साइड रेफ्रिजरेटर की रेंज में भी मैट फिनिश सीरीज को पेश की है, जिससे उपयोगकर्ता हाइस्मार्ट ऐप का उपयोग करके कहीं से भी फ्रीजर सेक्शन को फ्रिज में बदल सकते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, हायर अप्लायंसेज इंडिया के प्रेजिडेंट, श्री एनएस सतीश ने कहा, हायर में, हमारी स्थायी प्रतिबद्धता ग्राहक-प्रेरित अभिनव समाधान प्रदान करने के इर्द-गिर्द घूमती है जो देश भर में रोजमर्रा की जिंदगी को समृद्ध बनाती है। हमारा रणनीतिक फोकस व्यापक अनुसंधान, अत्याधुनिक तकनीकों और अत्यधिक कुशल निर्माण प्रक्रियाओं के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में सर्वोत्तम श्रेणी के उत्पादों को पेश करने पर केंद्रित है। दो दशकों से अधिक समय से भारतीय बाजार में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करने के

टाटा प्ले ने हिंदी, तमिल, और मलयालम में मूल्यवर्धित सेवा एनीमे लोकल पेश की

मुंबई, एजेंसी। टाटा प्ले की सेवाओं में एक नई पेशकश एनीमे लोकल शामिल हुई है। टाटा प्ले पर एनीमे लोकल द्वारा भारत में दर्शकों को सर्वश्रेष्ठ जापानी एनीमेशन देखने को मिलेगा। यह विज्ञापन रहित सेवा टाटा प्ले के सभी दर्शकों को तीन अलग-अलग भाषाओं - हिंदी, तमिल और मलयालम में उपलब्ध होगी। गतिशील रहते हुए भी आसानी से देखने के लिए यह सेवा टाटा प्ले मोबाइल ऐप पर भी उपलब्ध होगी।

टाटा प्ले पर एनीमे लोकल द्वारा दर्शक केवल 2 रुपये प्रति दिन के शुल्क में रोमांचक और हृदयस्पर्शी एनिमेटेड कहानियाँ देख सकेंगे। इस सेवा द्वारा नारुतो, सर्जेंट केरोरो, निन्जाबॉय रेंटारो, नारुतो शिपूडेन, ब्लैक क्लोवर, रोबोटन जैसे कई लोकप्रिय एनिमेटेड शो हिंदी, तमिल और मलयालम भाषाओं में दिखाए जाएंगे। अपने संग्रह में एक और बेहतरीन सेवा शामिल हो जाने के बारे में, टाटा प्ले की चीफ कमर्शियल एवं कंटेंट ऑफिसर, पल्लवी पुरी ने कहा, हमारे प्लेटफॉर्म पर सेवाओं की अभिनव श्रृंखला की प्रेरणा हमारे टीवी दर्शकों की विकसित होती हुई पसंद से मिली है। टाटा प्ले पर एनीमे लोकल हमारी विस्तृत पेशकश में एक और नगीना है।

दर्शकों के बीच एनिमेटेड कार्यक्रमों की रुचि बढ़ रही है, और उनकी इस रुचि के अनुरूप हम इस नई सेवा के साथ सर्वश्रेष्ठ सामग्री लेकर आए हैं। हम इस संग्रह का निर्माण करने के लिए अपने साझेदार कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट को धन्यवाद देते हैं।

एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड का वित्त वर्ष 24 का शुद्ध लाभ 71 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। अपने ऑनलाइन पोर्टल के मार्फत एक समन्वित बिजनेस मॉडल का उपयोग करते हुए टेक्नोलॉजी क्षेत्र को वित्त प्रदान करने वाली और बी2बी तथा बी2बी में डिजिटल प्रोडक्ट्स और सेवाओं की एक प्रमुख प्रदाता, एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड (एनएसई - एमओएस) ने वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की रिपोर्ट दी है. वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही में कुल आय 90.64प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 105.44 करोड़ हुई .एबिटडा 55.41प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 10.42 करोड़ हुआ . कर बाद लाभ 71.32प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 6.38 करोड़ हुआ . ईपीएस 7.98 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 2.57 हुई वित्त वर्ष 24 में कुल आय 73.07प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 193.09 करोड़ हुई . एबिटडा 68.01प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 17.85 करोड़ हुआ .कर बाद लाभ 113.61प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 12.13 करोड़ हुआ

एक गलती और जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी को भरना पड़ेगा 5,849 करोड़ रुपये का जुर्माना

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया की बड़ी हेल्थ केयर प्रॉडक्ट बनाने वाली कंपनी में शामिल जॉनसन एंड जॉनसन सेटलमेंट के लिए तैयार हो गई है। कंपनी ने 42 अमेरिकी राज्यों और वाशिंगटन, डीसी द्वारा एक जांच के बाद मामले को रफा-दफा करने के लिए 700 मिलियन (5849.45 रुपये) के समझौते पर सहमति व्यक्त की है। यह जांच बेबी पाउडर और अन्य टेल्कम-आधारित उत्पादों में कैंसर पैदा करने वाले तत्वों की उपस्थिति के बारे में थी।

रायटर की एक खबर के अनुसार यह समझौता उन आरोपों को भी साबित करता है कि जॉनसन एंड जॉनसन ने अपने टेल्कम प्रोडक्ट्स की सुरक्षा के संबंध में उपभोक्ताओं को गुमराह किया। हालांकि कंपनी ने फिलहाल इस प्रोडक्ट की बिक्री को बंद कर दिया है। लेकिन बिक्री रोकने से पहले ये उत्पाद एक सदी से भी अधिक समय से बेचे जा रहे थे।

हालांकि जेएंडजे ने राज्यों के साथ इस समझौते के तहत किसी भी गलत काम को स्वीकार नहीं किया है। इस समझौता प्रक्रिया में

फ्लोरिडा, उत्तरी कैरोलिना और टेक्सास जैसे प्रांत के नेता शामिल थे। कंपनी का कहना है कि उसके टैल्क उत्पाद सुरक्षित हैं और इनसे कैंसर नहीं होता है। उन्होंने जनवरी में सैद्धांतिक रूप से समझौते की घोषणा की।

फ्लोरिडा अटॉर्नी जनरल एशले मूडी ने एक बयान में कहा, उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा के लिए यह एक बड़ी प्रगति है। उल्लेखनीय है कि जॉनसन एंड जॉनसन अपने टैल्क उत्पादों से संबंधित बड़ी संख्या में मुकदमों से निपट रहा है। 31 मार्च तक, लगभग 61,490 व्यक्तियों ने कंपनी पर मुकदमा दायर किया है। इनमें से अधिकांश मामलों में डिम्बग्रंथि के कैंसर से पीड़ित महिलाएं शामिल हैं, जबकि कुछ वादी मेसोथेलियोमा से पीड़ित हैं, जो कि एस्बेस्टस के संपर्क में आने वाला कैंसर है।

पिछले साल ही जेएंडजे ने इस पाउडर की प्राथमिक सामग्री के रूप में कॉर्न स्टार्च को चुनते हुए दुनिया भर में अपने टैल्क-आधारित बेबी पाउडर की बिक्री बंद कर दी थी। कंपनी का कहना है कि उसके उत्पाद एस्बेस्टस-मुक्त हैं। इस मुकदमेबाजी को मैनेज करने के प्रयास में, जेएंडजे ने अपनी टाल्क देनदारियों को संभालने के लिए एक सहायक कंपनी बनाई और इसे दो बार दिवालिया घोषित करने का प्रयास किया। अदालत में दोनों प्रयास असफल रहे। बीते 1 मई को, जेएंडजे ने तीसरी बैंकरप्शी फाइलिंग के माध्यम से अधिकांश मुकदमेबाजी को हल करने के लिए 6.48 बिलियन के समझौते का प्रस्ताव रखा। इसने सभी टैल्क देनदारियों को कवर करने के लिए 11 बिलियन डॉलर का रिजर्व अलग रखा है।

आईआईटी मद्रास में विद्यार्थियों को अपनी सुविधा से पढ़ाई पूरी करने और उद्यमी बनने के अधिक अवसर

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास ने बीटेक करिकुलम को एक नया अवतार दिया है ।इसकी मदद से भारत के विद्यार्थी आधुनिक और प्रौद्योगिकी प्रगति की मांगों को पूरा कर पाएंगे । यह करिकुलर की मांग के साथ-साथ लचीलापन जैसे मानकों पर भारत का अब तक का सबसे अनुकूल इंजीनियरिंग करिकुलम है । नए प्रोग्राम में विद्यार्थियों को 'अर्ली एक्जिट' की सुविधा दी गई है, ताकि वे अपनी सुविधा से पढ़ाई पूरी करें। संस्थान के करिकुलम टास्क फोर्स के सुझावों के अनुसार ये परिवर्तन किए गए हैं ।करिकुलम को रोजगार उन्मुख बनाते हुए अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता पर विशेष जोर दिया गया है।संस्थान ने शिक्षा प्रणाली को

अपडेट कर अभूतपूर्व लचीलापन रखते हुए विभिन्न विषयों को मिला कर पढ़ने, हैंड्स-ऑन प्रोजेक्ट करने और उद्यमी बनने के अवसर बढ़ा दिए हैं । सबसे बड़ी बात यह है किये अवसर बीटेक प्रोग्राम के दूसरे वर्ष से ही मिलेंगे।

संस्थान के पूर्व और वर्तमान छात्रों से व्यापक विमर्श के बाद बीटेक में कुल क्रेडिट की संख्या को अधिक उपयुक्त बनाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों को प्रति डिग्री 436 घंटे से घटकर 400 घंटे देने होंगे । उन्हें प्रोफेशनल और उद्यमी बनने की संभावनाएं तलाशने के अधिक अवसर मिलेंगे।

आईआईटी मद्रास में 5 साल में बीटेक के साथ-साथ एमटेक करने का भी प्रावधान है ।इसके अलावा नैनोटेक्नोलॉजी, डेटा साइंस और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे अत्याधुनिक डोमेन में यह इंटरडिसिप्लिनरी डिग्री भी प्रदान करता है । इनके अतिरिक्त भी कई क्षेत्रों में डिग्री देता है जिनकी इंडस्ट्री में काफी मांग है । संस्थान के छात्र बीटेक करते हुए आसानी से ये डिग्रियां प्राप्त कर सकते हैं। आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो वी कामकोटि ने छात्रों को ऐसे अभूतपूर्व अवसरों का लाभ लेने के लिए उत्साहित करते हुए कहा,आईआईटी मद्रास के लिए नवाचार और उद्यमिता एक प्राथमिकता रही है । पिछले वित्त वर्ष में 380 से अधिक पेटेंट दर्ज करने के साथ आईआईटी मद्रास ने स्टार्ट-अप 100 प्रोग्राम शुरू किया । हमारा लक्ष्य काफी ऊंचा है हर तीसरे दिन आईआईटी मद्रास में एक स्टार्ट-अप बनाना।''

सेबी ने चैनल एंकर सहित सात अन्य लोगों पर ठोका जुर्माना

पांच साल के लिए प्रतिबंधित किया

मुंबई ।

बाजार रेगुलेटरी सेबी ने एक टेलीविजन चैनल पर शेयर बाजार पर केंद्रित कार्यक्रम पेश करने वाले प्रदीप पंड्या और सात अन्य लोगों एवं फर्मों को प्रतिभूति बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित किया। इसके अलावा धोखाधड़ी वाली कारोबारी गतिविधियों में लिप्त होने के लिए इन पर सामूहिक रूप से 2.6 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पूर्व टीवी एंकर पंड्या के अलावा अल्पेश फुरिया, मनीष फुरिया, अल्पा फुरिया, अल्पेश वासंजी फुरिया एचयूएफ, मनीष वी फुरिया एचयूएफ, महान इन्वेस्टमेंट और तोशी ट्रेड के खिलाफ प्रतिबंध लगाए हैं। सेबी ने अपने आदेश में कहा, 'प्रदीप पंड्या ने न्यूज चैनल के लिए एंकर के रूप में काम करते हुए अल्पेश फुरिया के साथ आगामी स्टॉक अनुशंसाओं के बारे में गोपनीय जानकारी साझा की और अल्पेश ने विशिष्ट सूचना का फायदा उठाकर अपने खातों और संबंधित संस्थाओं के जरिये शेयरों का कारोबार किया। नियामक ने कहा कि फुरिया ने वेतन वृद्धि के बदले में ये सुझाव ओपू फुनिकांत नाग के साथ भी साझा किए। सेबी के मुताबिक, यह आचरण न केवल भेदिया सूचना का लाभ उठाने के स्पष्ट इरादे को दर्शाता है, बल्कि निजी लाभ के लिए सूचना विषमता का फायदा उठाने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण को भी दर्शाता है।

क्या है पूरा मामला

दिसंबर, 2020 में, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने रिपोर्ट में अल्पेश फुरिया और संबंधित संस्थाओं की व्यापारिक गतिविधियों का विश्लेषण किया था। इसके बाद, सेबी ने नवंबर, 2020 और जनवरी, 2021 के बीच इस मामले में आगे का विश्लेषण किया था। नियामक ने पंड्या और अल्पेश फुरिया के कॉल डेटा रिकॉर्ड के विश्लेषण में यह पाया कि पंड्या को सिफारिशों से संबंधित जानकारी तक अग्रिम पहुंच हासिल करने की विशिष्ट स्थिति थी। पंड्या ने अल्पेश फुरिया और संबंधित संस्थाओं को जानकारी दी। सेबी ने पंड्या, अल्पेश फुरिया और अन्य छह संस्थाओं को प्रतिभूति बाजार में प्रवेश करने से रोक दिया है। इसके साथ उन पर प्रतिभूतियों की खरीद, बिक्री या अन्यथा लेनदेन, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से या किसी भी तरह से प्रतिभूति बाजार से जुड़े होने पर पांच साल के लिए रोक लगा दी है।

नियामक ने पंड्या और अल्पेश पर एक-एक करोड़ रुपए और शेष छह इकाइयों पर 10-10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

अब इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों में लगेगा ज्यादा से ज्यादा देसी सामान

सरकार का 35 से 40 फीसदी मूल्यवर्द्धन स्थानीय तौर पर करने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जों के लिए प्रस्तावित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में । देश में इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ऐसा किया जा रहा है। अप्रैल 2020 में शुरू किए गए इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (स्पेक्स) पीएलआई के लिए 18 से 20 फीसदी मूल्यवर्द्धन को अब दोगुना किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार योजना शुरू होने के बाद उत्पादों का मूल्यवर्द्धन बढ़ेगा, जिससे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में दूसरे देशों को टक्कर देगा। 40 फीसदी स्थानीय मूल्यवर्द्धन का लक्ष्य चीन के बराबर होगा, लेकिन अनुमान है कि चीन में विनिर्माण और असेंबली का काम चालू होने के कई दशक बाद स्थानीय मूल्यवर्द्धन 40 से 50 फीसदी तक पहुंच पाया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय के पहले 100 दिन के कामकाज में कलपुर्जा विनिर्माण के लिए पीएलआई योजना पर काम होने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई योजना को अंतिम रूप देने से पहले नीति आयोग और वित्त मंत्रालय से सलाह ले रहा है। आईटी मंत्रालय ने पहले 100 दिन के अपने एजेंडा में 30 से अधिक बिंदुओं की सूची सौंपी है और उनमें इस योजना को शीर्ष प्राथमिकता दी है। नई योजना में मंत्रालय जिन कलपुर्जों को शामिल करेगा, उनकी पहचान की जा चुकी है। उद्योग सहित पक्षों के साथ परामर्श के बाद जल्द ही सूची को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में स्थानीय मूल्यवर्द्धन बढ़ने पर आयात के बजाय देसी उद्यमियों से ज्यादा मात्रा में कलपुर्जे लिए जाएंगे। इससे देश का राजस्व बढ़ेगा। नई योजना इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण और सेमीकंडक्टर कलपुर्जा संवर्द्धन योजना (स्पेक्स) की जगह लेगी, जो इस साल 31 मार्च को खत्म हो गई। स्पेक्स योजना 2020 में तीन साल के लिए लाई गई थी और इसे 31 मार्च, 2024 तक बढ़ा दिया गया था। इसके तहत कई इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिए होने वाले पूंजीगत खर्च का 25 फीसदी हिस्सा वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में लौटा दिया जाता था। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति में केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन से 2025-26 तक 300 अरब डॉलर राजस्व हासिल करने का लक्ष्य रखा था।

सोने और चांदी की कीमतों में आया उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई। आज दोनो ही धातुओं की वायदा कीमतों में तेजी रही। कारोबार के दौरान सोने के वायदा भाव 71,600 रुपये वहीं चांदी के वायदा भाव 89,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों में उछाल रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 33 रुपये बढ़कर 71,523 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 80 रुपये की तेजी के साथ 71,570 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ये 71,594 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,523 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर पहुंचा था।

वहीं चांदी की वायदा कीमतों की शुरूआत में आज बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 587 रुपये की तेजी के साथ 89,250 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 654 रुपये की तेजी के साथ 89,317 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 89,321 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 89,250 के भाव पर दिन निचला स्तर पर पहुंचा। पिछले माह चांदी की वायदा कीमतें 96,493 रुपये के भाव पर दिन के शीर्ष स्तर पर पहुंचीं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों में आज तेजी रही रही। कॉमेक्स पर सोना 2,334 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,326.60 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.38 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 29.23 डॉलर था।

नए कलेवर में रफ़्तार भरने को तैयार है नई स्विफ्ट

अब 3 सिलिंडर इंजन के साथ आती है नई कार

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में फिर से नई स्विफ्ट नए रंग रूप के साथ रफ़्तार भरने को तैयार है। पहले स्विफ्ट में 1.2 लीटर का 4 सिलिंडर इंजन आता था, लेकिन अब यह 3 सिलिंडर इंजन के साथ आती है। मारुति द्वारा स्विफ्ट में इंट्रोड्यूस किया गया झेड सीरीज एक नया इंजन है। ख़ास बात यह है कि ये एक बेहतरीन थ्री सिलिंडर इंजन है, जो रिफाइन तो है ही और इसका रिस्पांस भी काफ़ी अच्छा है। यह इंजन कंपीटिशन में आने वाले थ्री सिलिंडर इंजन से काफ़ी बेहतर है। ना तो ज़्यादा शोर करता है, ना ही ज़्यादा वाइब्रेशन। हमे इस गाड़ी चलाने का मज़ा मैन्युअल गियरबॉक्स के साथ आया हालाँकि एएमटी भी अच्छा है। अगर आप इस गाड़ी को ख़रीदना चाहते है तो दोनों की टेस्ट ड्राइव ज़रूर लें। स्विफ्ट 2024 में आपको 6 एयरबैग, 3 पॉइंट सीटबेल्ट वह भी सारे पैसेंजर्स के लिए, हिल होल्ड एसिस्ट, एबीएस प्लस ईबीडी और इसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंट्स भी मिलते हैं। यानी की ये अब पहले से ज़्यादा सेफ है। इसके इलावा इसमें कनेक्टेड फ़ीचर्स भी दिए हुए है। अगर आपको एक ऐसी हैचबैक चाहिए जो अपने सेगमेंट में सबसे ज़्यादा माइलेज दे तो आप स्विफ्ट ख़रीद सकते हैं। स्विफ्ट लवर है तो आप पुरानी स्विफ्ट को नयी स्विफ्ट से रिप्लेस कर सकते हैं। इसका नया डिज़ाइन क़ाबिले तारीफ़ है और इंटीरियर भी स्मार्ट लुकिंग है, चलने तो बढ़िया है ही, हो सकता है रफ़्तार पसंद लोगों को इंजन थोड़ा कमजोर लगे और मौजूदा 4 सिलिंडर इंजन के मुक़ाबले पावरफुल महसूस ना हो फिर भी यह एक बेस्ट थ्री सिलिंडर इंजन है। आप यह भी सोच सकते हैं कि स्विफ्ट का प्राइस मारुति सुज़ुकी बलेनो के आस पास है और उसे ख़रीदना चाहें, लेकिन यक़ीन माने स्विफ्ट का अपना एक चार्म है। नई स्विफ्ट का डिज़ाइन पहले जैसा ही है लेकिन ये पहले से और भी ज्यादा शॉर्प हो गई है।

सैमसंग ने लांच की 2024 क्यूएलईडी प्रीमियम टीवी सीरीज

-भारत में है 65,990 रुपये की शुरुआती कीमत

नई दिल्ली ।

साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग ने भारत में 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज लॉन्च की। इस टीवी की शुरुआती कीमत 65,990 रुपये की है। 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी लाइन-अप ढेर सारे प्रीमियम फीचर्स के साथ आता है। सैमसंग इंडिया के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मोहनदीप सिंह ने कहा, पिछले कुछ सालों में कॉन्टेंट की खपत में तेजी से बदलाव आया है। यूजर्स ज़्यादा शानदार और प्रीमियम व्यूइंग एक्सपीरियंस की मांग कर रहे हैं। इस मांग को पूरा करने के लिए हमने 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज़ लॉन्च की है, जो प्रीमियम और बेहतरीन व्यूइंग एक्सपीरियंस की दुनिया में एक नया कदम है। 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज़ क्वॉन्टम प्रोसेसर लाइट 4के दिया गया है। यह एक शक्तिशाली प्रोसेसर है जो विजुअल और ऑडियो पोजीशन को जरूरत के मुताबिक सेट करता है। यूजर्स चाहे जो भी कंटेंट देख रहे हों, उसका रिज़ॉल्यूशन कुछ भी हो, अल्टीमेट 4के अपस्केलिंग फीचर बेहतरीन विजुअल प्रदान करता है। यूज़र इस पर रियल पिक्चर क्वालिटी का आनंद ले सकते हैं कि टीवी अपने आप लगभग-4के लेवल में अपग्रेड हो जाता है। किसी कॉन्टेंट के देखने और सुनने के अनुभव को शानदार बनाने के लिए 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज़, क्यू-सिंफनी, ओटीएस लाइट और अडेप्टिव साउंड फीचर्स से लैस है, जिससे यूजर्स ऑन-स्क्रीन मूवमेंट को

ऐसे महसूस कर सकते हैं जैसे कि वह वास्तविक हो। इसके अलावा सैमसंग की टीवी प्लस सेवा भी शामिल है जिसमें 100 से ज्यादा मुफ़्त चैनल शामिल हैं। सैमसंग दुनिया को प्रेरित करते हुए बदलाव लाने वाले विचारों और तकनीकों के साथ भविष्य को आकार देता है। टीवी तीन साइज - 55 इंच, 65 इंच और 75 इंच में आएगा। यह सैमसंग डॉट कॉम और अमेजन डॉन इन पर उपलब्ध है।

अडानी ग्रुप की कंपनियों में रिकवरी से मालामाल हो रहे गौतम अडानी

मुंबई । अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में रिकवरी से समूह के मालिक गौतम अडानी की नेटवर्थ में इजाफा हो रहा है। साथ ही दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में फिर आगे बढ़ रहे अडानी है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, गौतम अडानी की नेटवर्थ में 198 मिलियन डॉलर यानी 1653 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इससे उनकी नेटवर्थ 107 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। गौतम अडानी की नेटवर्थ में इस साल अब तक 22.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। नेटवर्थ में आए उछाल से गौतम अडानी दुनिया के 13वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। गौतम से आगे 12वें स्थान पर स्थित मिशेल डेल की नेटवर्थ भी 107 अरब डॉलर ही है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में गिरावट दर्ज की गई। मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 161 मिलियन डॉलर यानी 1344 करोड़ रुपए की गिरावट आई है। इससे मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 112 अरब डॉलर रह गई है। मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में इस साल अब तक 15.7 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका है। वे इस समय दुनिया के 11वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

पेट्रोल, डीजल जीएसटी के दायरे में आया तो कम होंगी कीमतें

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल की कीमतें कम हो सकती है। ऐसा इसके जीएसटी के दायरे में आने के कारण होने की संभावना है। अभी ये दोनो ही इस दायरे से बाहर हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के पेट्रोलियम मंत्री बनने के बाद से ही ईंधन की कीमतें घटने की संभावनाएं जतायी जा रही हैं। इसका कारण है कि सरकार पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक वस्तुओं को जीएसटी (जीएसटी) के दायरे में ला सकती है। अगर ऐसा हुआ तो ईंधन की कीमतें घटना तय है। पिछले कार्यकाल में भी पुरी ने कहा था कि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के प्रयास हो रहे हैं। जोर दिया है. यहां तक कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी पिछले साल नवंबर में कहा था कि इसे लागू करने से लोगों को फायदा होगा. साथ ही कहा कि इसे जीएसटी के तहत लाने के लिए राज्यों से भी बात करन होगी क्योंकि उसे इसी से सबसे अधिक राजस्व मिलता है। वहीं अगर पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा टैक्स सिस्टम को खत्म कर जीएसटी लागू किया गया तो इनकी कीमतें काफी कम हो सकती हैं। अभी पेट्रोल की खुदरा कीमत में लगभग 55 फीसदी हिस्सा केंद्र और राज्य के करों का हिस्सा है। मौजूदा समय में जीएसटी में करों को चार स्लैब - 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बांटा गया है। ऐसे में अगर 28 फीसद वाले सबसे महंगे स्लैब में ईंधन को रखा गया तब भी पेट्रोल की कीमतें मौजूदा रेट से काफी कीम हो जाएगी।

इंडोनेशिया और तंजानिया से आयात कम करने मोदी सरकार ने उठाए कदम

नई दिल्ली । मोदी सरकार ने रत्नों से जड़े हुए कुछ खास तरह के सोने के आभूषणों के आयात पर प्रतिबंध लगाया है। इस फैसले का उद्देश्य इंडोनेशिया और तंजानिया से आयात को कम करना है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के अनुसार, भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मुक्त शुल्क समझौते के तहत इन सोने के आभूषणों के आयात की अनुमति अभी भी रहेगी। वैध शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के तहत बिना प्राधिकरण के इन वस्तुओं के आयात की अनुमति होगी। डीजीएफटी की अधिसूचना में कहा गया है कि मोती, कुछ हीरे और अन्य कीमती और मध्यम कीमती रत्नों से जड़े सोने के आभूषणों के लिए आयात नीति में संशोधन किया गया है। नीति की स्थिति तत्काल प्रभाव से मुक्त से प्रतिबंधित में बदल गई है। इस श्रेणी के तहत ज्वैलरी के आयात के लिए सरकारी अनुमति या लाइसेंस की आवश्यकता होती है। एक उद्योग विशेषज्ञ ने इंडोनेशिया और तंजानिया से इन वस्तुओं के आयात में वृद्धि का उल्लेख किया। भारत का इंडोनेशिया के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मजबूत घरेलू मांग के कारण वित्त वर्ष 2023-24 में सोने का आयात 30 प्रतिशत बढ़कर 45.54 अरब डॉलर रहा। पिछले वित्त वर्ष में सोने का आयात 35 अरब डॉलर था। हालांकि, इस साल मार्च में कीमती धातु का आयात 53.56 प्रतिशत घटकर 1.53 अरब डॉलर रह गया। भारत के लिए सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत स्विटजरलैंड है, जिसकी हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। इसके बाद यूएई की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 149 , निफ्टी भी 58 अंक उछला

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 149.98 अंक करीब 0.20 फीसदी ऊपर आकर 76,606.57 अंक पर बंद हुआ। इसमें आज 76,533.78 और 77,050.53 के बीच कारोबार हुआ।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,295.95 और 23,441.95 के बीच रहा। अंत में ये 58.10 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी बढ़कर 23,322.95 अंक पर बंद हुआ जबकि गत कारोबारी सत्र में बाजार सपाट बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी ऊपर आया। बीएसई सेंसेक्स 206 अंक उछलकर 76,663 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 0.34 फीसदी की बढ़त लेकी 23,344 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक, टीसीएस और पावरग्रिड के शेयर ऊपर आये जबकि भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी में बीपीसीएल, विप्रो और एलटीआई माइंडट्री के शेयर सबसे अधिक उछले जबकि एनटीपीसी, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और टाइटन के शेयर गिरे। वहीं मिडकैप सूचकांक 0.49 और स्मॉलकैप सूचकांक 0.62 फीसदी बढ़ा। गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स में धीमी शुरुआत रही। गिफ्ट निफ्टी 50

फ्यूचर्स से 2 अंक अधिक 23,311 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं एशिया-प्रशांत के बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। अब निवेशकों की नजरें अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर आने वाले फैसले पर लगीं हैं। वहीं घरेलू बाजार में निवेशकों की नजरें मई माह के सीपीआई-आधारित महंगाई के आंकड़ों पर टिकी हैं। देश की मुद्रास्फीति दर में हल्की वृद्धि होकर 4.89 फीसदी रहने की उम्मीद है। यह अनुमान अप्रैल के 4.83 फीसदी की बढ़ोतरी से थोड़ा अधिक है। एशियाई बाजार में, जापान का निक्केई 225 0.79 फीसदी अधिक गिरा, जबकि व्यापक टॉपिक्स सूचकांक 0.63 फीसदी नीचे आया। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.35 फीसदी ऊपर रहा जबकि स्मॉल-कैप कोस्डेक इंडेक्स 0.37 फीसदी ऊपर आया।

घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री मई में 4 प्रतिशत बढ़ी : सियाम

नई दिल्ली । देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 3,47,492 इकाई तक पहुंच गई। उद्योग संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मई 2023 में थोक बिक्री कुल 3,34,537 इकाई रही थी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, ''यात्री वाहनों में केवल मध्यम वृद्धि देखी गई है, जिसका मुख्य कारण पिछले वर्ष का उच्च आधार प्रभाव है। मई में दोपहिया वाहनों की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 16,20,084 इकाई हो गई, जबकि मई 2023 में यह 14,71,550 इकाई थी। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 55,763 इकाई हो गई, जबकि मई 2023 में यह 48,610 इकाई थी।

वोडाफोन आइडिया के शेयरों में तेजी.....जानकार जता रहे भरोसा

मुंबई । वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) के शेयर बुधवार को इंट्रा डे ट्रेड के दौरान 3 प्रतिशत बढ़कर 16.70 रुपये पर पहुंच गए, जो पिछले तीन महीनों का शीर्ष है। ऐसी उम्मीदें हैं कि इससे कंपनी की आय में सुधार होगा। स्टॉक का यह स्तर 27 फरवरी, 2024 के बाद सबसे ऊंचा रहा। कंपनी ने 1 जनवरी, 2024 को 52-सप्ताह का हाई लेवल-18.42 रुपये दर्ज किया था। पिछले छह कारोबारी दिनों में वोडाफोन आइडिया के शेयरों 26 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पिछले दो कारोबारी दिनों में, कंपनी के शेयरों में 6 फीसदी का इजाफा हुआ। इसकी वजह यह है कि टेलीकॉम के बोर्ड ने 13 जून, 2024 को होने वाली बैठक में इक्विटी शेयरों और/या वेंडर्स को प्रेफेरेंसियल बेसिस पर नॉन कनवर्टिबल सिक्योरिटीज के इश्यू जारी करने को लेकर विचार करने की योजना बनाई है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय टेलीकॉम सेक्टर को वित्तीय साल 25 और वित्तीय साल 26 में काफी ज्यादा टैरिफ में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है, जो बेहतर सब्सक्राइबर मिक्स के साथ वोडाफोन आइडिया सहित सभी कंपनियों के प्रति यूजर इवरेज रेवेन्यू (एआरपीयू) में सुधार करने में मदद करेगा। पिछले सप्ताह, रेटिंग एजेंसी ने वोडाफोन आइडिया की लॉन्ग टर्म बैंक फैसिलिटीज और शॉर्ट टर्म बैंक फैसिलिटीड को 'स्थिर' आउटलुक के साथ रेट किया था। इसका मतलब है कि वोडा आइडिया को 4जी नेटवर्क को मजबूत करने और अपने कस्टमर बेस को बढ़ाने के लिए 5जी रोलआउट में सहायता प्रदान करने के लिए लॉन्ग टर्म डेट फंड, और मार्केट व प्रमोटरों से जुटाई गई इक्विटी के समय पर मिलने की उम्मीद है। इसकी वजह से रेवेन्यू में सुधार होगा और ऑपरेशन प्रॉफिटेबिलिटी में इजाफा होगा।

चालू वित्तीय वर्ष के दो माह में 2 बिलियन से अधिक आईफोन का निर्यात

मुंबई ।

एप्पल ने भारत से आईफोन के निर्यात पर जोर दिया है। चालू वित्तीय वर्ष के पहले दो महीनों में निर्यात मूल्य 2 बिलियन से अधिक हो गया है। यह देश के कुल आईफोन उत्पादन (2.6 बिलियन) का 81 प्रतिशत है। मई में, एप्पल ने अप्रैल के समान प्रदर्शन दोहराते हुए फिर से 1 बिलियन से अधिक के आईफोन का निर्यात किया। आईफोन प्रवक्ता ने इस विषय पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। वित्तीय वर्ष 2025 में तीन एप्पल विक्रेताओं के उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत उत्पादन मूल्य 10.2 बिलियन (निर्यात सहित) तक पहुंचने का लक्ष्य है। उन्होंने केवल दो महीनों में उस लक्ष्य का 25 प्रतिशत हासिल कर लिया है। अब तक वितीय साल 25 में, एप्पल के प्रमुख विक्रेता फोक्सकौन ने कुल निर्यात का 65 प्रतिशत योगदान दिया है, विस्ट्रोन ने 24 प्रतिशत, और शेष 11 प्रतिशत पेगस्ट्रोन से आया है। सभी तीन एप्पल विक्रेता स्मार्टफोन पीएलआई योजना में भागीदार हैं, और अभी पांच साल की योजना के चौथे वर्ष में प्रवेश कर लिया है। यह उछाल भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन और निर्यात क्षमताओं में सुधार का संकेत देता है, जो वैश्विक बाजार में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात, जिसमें मुख्य रूप से मोबाइल फोन शामिल हैं, वित्तीय साल 23 में छठे स्थान (निर्यात मूल्य 23.6 बिलियन) से वित्तीय साल 24 में पांचवें स्थान (निर्यात मूल्य 29.1 बिलियन) पर पहुँच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 23 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्तीय साल24 में, आइफोन निर्यात ने भारत के कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का 35 प्रतिशत और कुल मोबाइल फोन निर्यात का 65 प्रतिशत हिस्सा बनाया। एप्पल ने पिछले तीन वर्षों में भारत से अपने उत्पादन और निर्यात में लगातार वृद्धि की है, अप्रैल और मई के गैर-पीक समय में हर महीने 1 बिलियन से अधिक के निर्यात को पार किया है। आमतौर पर, एप्पल का भारत बिक्री के लिए उत्पादन जुलाई और अक्टूबर के बीच त्यौहारों के मौसम से पहले चरम पर होता है, और नया आईफोन मॉडल आमतौर पर सितंबर में देश में लॉन्च किया जाता है।

इसका निर्यात अक्टूबर से दिसंबर के बीच चरम पर होता है, क्योंकि भारतीय फैक्ट्रियां ब्लैक फ्राइडे, थैंक्सगिविंग, और क्रिसमस और नववर्ष की छुट्टियों के दौरान पश्चिमी बाजारों के लिए आईफोन की सप्लाई के लिए तैयार हो जाती हैं।

वागले की दुनिया ने 1000 एपिसोड पूरे किए

मुंबई : सोनी सब के वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से ने अपनी सार्थक और प्रासंगिक कहानी के साथ दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है। मुंबई की उत्साहपूर्ण पृष्ठभूमि पर आधारित, यह शो आम आदमी के दैनिक संघर्षों, खुशियों और जीत का सार प्रस्तुत करता है।

शो गर्व से 1000 एपिसोड पूरे करने की उपलब्धि का जश्न मना रहा है। राजेश वागले की भूमिका में सुमीत राघवन, वंदना वागले के रूप में परिवा प्रणति, सखी के किरदार में चिन्मयी साल्वी, और अथर्व के रूप में शीहान कपाही सहित, कास्ट इस शो को घर-घर में पसंदीदा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।' यह शो ब्रेस्ट कैंसर की जागरूकता और मानसिक सेहत संबंधी चिंताओं से लेकर एक आदर्श भारतीय मध्यमवर्गीय परिवार की दैनिक चुनौतियों तक के विषयों को संबोधित करता है, जो दर्शकों को सार्थक चर्चाएँ करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

सुमीत राघवन और परिवा प्रणति ने कहा वागले की दुनिया के साथ 1000 एपिसोड की उपलब्धि तक पहुंचना वाकई उल्लेखनीय है। यह सफर अविश्वसनीय रूप से सार्थक रहा है, और मैं अपने दर्शकों से मिले अटूट समर्थन और मजबूत संबंधों के लिए सच्चे दिल से आभारी हूं।

सफल भी एवं सक्षम भी होगी मोदी की तीसरी पारी

ललित गर्ग

निश्चित रूप से भाजपा अपने सहयोगी दलों के प्रति उदार एवं समन्वयमूलक रवैये अपनाएगी। राजग की कोशिश है कि गठबंधन को मजबूत करके इस बार सशक्त होकर उभरे विपक्ष का मुकाबला किया जा सके। इतना तय है कि कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन अग्निपथ, समान नागरिक संहिता, बेरोजगारी व महंगाई जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजग सरकार के लिये कड़ी चुनौती पेश करेगा, लेकिन सहयोगी दलों के साथ भाजपा उनका मुकाबला करने के लिये तैयार है। एक सवाल यह भी है कि क्या नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली राजग सरकार सहयोगी दलों की आकांक्षाओं के बीच पिछले दो कार्यकाल की गति से काम कर पाएगी?

एक और इतिहास रचते हुए नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए। यह देश ही नहीं दुनिया के लिए एक अद्भुत एवं विलक्षण राजनीतिक घटना है, क्योंकि दुनिया में बहुत कम शासनाध्यक्षों को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। मोदी के इस तीसरे कार्यकाल पर देश-दुनिया की नजरें इसलिये भी टिकी हैं कि मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा पिछली गठबंधन सरकारों से अलग होकर भी सशक्त है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को लेकर काम करने वाली इस सरकार में 71 मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के साथ शपथ ली। मोदी के करिश्माई नेतृत्व में पिछले दस साल में देश को विकास के कहीं ज्यादा ऊंचे मुकाम पर खड़े करते हुए दुनिया को चौंकाया है। 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। जीडीपी के आकार के हिसाब से हमने पिछले साल ब्रिटेन को पीछे छोड़ा और 2026 तक जापान तो 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। इन लक्ष्यों की ओर तेजी से कदम बढ़ाना नई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसक साथ ही सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास इस सरकार का ध्येय है।

प्रधानमंत्री मोदी इस बार गठबंधन सरकार का नेतृत्व करते हुए एक नया इतिहास बनायेंगे, उम्मीद की जा रही है कि बिना बाधा एवं गठबंधन की शर्तों के वे देश-विकास के अपने एजेंडे को सफलतापूर्वक एक नई ऊंचाई देंगे। उनकी लोकसभा चुनाव-2024 की उपलब्धि की महत्ता इसलिये भी कम नहीं हो जाती, क्योंकि भाजपा बहुमत से कुछ ही दूर है। चूंकि सहयोगी दल मोदी सरकार को सहयोग और समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और मंत्रियों का चयन सुगम तरीके से हो गया इसलिए यह आशा की जाती है कि मोदी की तीसरी पारी भी सुगमता एवं त्वरित गति से चलेगी। इसका एक कारण यह भी है कि उनके पास व्यापक राजनीतिक अनुभव है और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता तथा समन्वय की राजनीति करने का कौशल भी। गठबंधन दलों को भी समन्वय एवं सौहार्द का वातावरण बनाना होगा, इसी में उनका राजनीतिक हित है। वे विपक्षी दलों के बहकावे में न आये, वरना यहां मोदी एवं शाह के पास अन्य विकल्प हैं जो मोदी सरकार को संकट में नहीं जाने देंगे। मोदी की राजनीतिक यात्रा को देखा जाए तो उन्होंने अनेक ऐसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है जिनकी कल्पना नहीं की जाती थी-पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में।

मोदी के सामने चुनौतियां पूर्ण बहुमत के दौर में भी रही है और अब भी कायम है। इस राह पर दो बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनकी अनदेखी करते हुए आगे बढ़ना मुमकिन नहीं है। ये हैं बेरोजगारी और असमानता। इंटरनैशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट के मुताबिक देश में 80 प्रतिशत बेरोजगार युवा हैं। गरीब मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य भी सामने हैं। पूर्व के दौ कार्यकाल में मोदी ने इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। जहां तक असमानता की बात है तो उसे अक्सर तेज विकास के आगे ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती, लेकिन याद रखने की बात है कि तेज विकास को अगर टिकाऊ बनाना हो तो असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसी मौलिक सोच एवं दृष्टि से मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि मोदी की तीसरी पारी में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। वन नेशन, वन इलेक्शन और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर राजनीतिक मजबूरी की विशेष छाप देखने को मिल सकती है। लेकिन मोदी की कोशिश रहेगी कि वे अपने इन मुद्दों को भी आकार दे सके। इनमें कुछ विलम्ब हो सकता है, लेकिन ये और ऐसे अनेक मुद्दें मोदी की प्राथमिकता बने रहेंगे।

पिछले दस वर्षों का मोदी का कार्यकाल यह बताता है कि जहां उन्होंने देश विकास की एक अमिट गाथा लिखी, वहीं वे देश में सबसे सशक्त और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे और विश्व पटल पर अपनी एक गहरी छाप छोड़ते हुए भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। इससे विश्व में भारत का मान बढ़ा और इसे उनके विरोधी भी स्वीकार करते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने न केवल साहसिक फैसले लिए, बल्कि विकास और जनकल्याण के ऐसे कार्य किए जिसने देश की तस्वीर बदली, भारत का विकास हुआ। अब वह विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। चूंकि गठबंधन सरकार के बावजूद कमान प्रधानमंत्री के हाथ में है और उन्होंने यह कहा है कि वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस एजेंडे के प्रति सहयोगी दलों और विशेष रूप से टीडीपी और जेडीयू ने भी अपनी संकल्पबद्धता जताई है इसलिए मोदी की प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी पारी निरंतरता, साहसिकता, दृढ़ता का परिचायक ही होगी। राजनीति की लंबी पारी ने मोदी को दृढ़ता के साथ ही लचीलेपन का भी पाठ पढ़ाया है। कोई कारण नहीं कि राजनीतिक विरोधियों को साथ लेने में दिखाया गया लचीलापन सहयोगियों को बनाए रखने में काम नहीं आएगा। दूसरी बात यह कि चाहे चंद्रबाबू नायडू हों या नीतीश कुमार, दोनों विकास की राजनीति का चेहरा रहे हैं।

मंत्रिमण्डल का गठन करते हुए ऐसा नजर नहीं आया कि भाजपा गठबंधन सहयोगियों के किसी तरह के दबाव में हो। पिछली सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय संभालने वाले भाजपा के सांसद वरिष्ठता क्रम में शपथ लेते नजर आए। मंत्रिमंडल के गठन में गठबंधन के हितों के साथ ही जातीय संतुलन और महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया। हरियाणा में भले भी पांच सांसद इस बार चुने गए हों, लेकिन इस साल राज्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को कैबिनेट व राव इंद्रजीत सिंह तथा कृष्णपाल सिंह को राज्यमंत्री बनाया गया। वहीं पंजाब से कोई भाजपा सांसद नहीं चुना गया लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। झारखंड में इस साल चुनाव होने हैं तो राज्य को तीन मंत्री दिये गए हैं। मोदी का मंत्रिमण्डल देश विकास के साथ राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुरूप प्रभावी एवं सशक्त एक तीर से अनेक निशाने साधते हुए दिखा।

निश्चित रूप से भाजपा अपने सहयोगी दलों के प्रति उदार एवं समन्वयमूलक रवैये अपनाएगी। राजग की कोशिश है कि गठबंधन को मजबूत करके इस बार सशक्त होकर उभरे विपक्ष का मुकाबला किया जा सके। इतना तय है कि कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन अग्निपथ, समान नागरिक संहिता, बेरोजगारी व महंगाई जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजग सरकार के लिये कड़ी चुनौती पेश करेगा, लेकिन सहयोगी दलों के साथ भाजपा उनका मुकाबला करने के लिये तैयार है। एक सवाल यह भी है कि क्या नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली राजग सरकार सहयोगी दलों की आकांक्षाओं के बीच पिछले दो कार्यकाल की गति से काम कर पाएगी? निश्चित ही मोदी उसी अंदाज एवं दबंगता से अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ायेंगे। मोदी के विजन में जहां 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होगा, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर होगा। मोदी के नये संकल्पों एवं योजनाओं से देश विकास की दशा एवं दिशा स्पष्ट होगी। आदिवासी समुदाय एवं अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से मोदी सरकार मील का पत्थर साबित होगी। साथ-ही-साथ समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। सशक्त होती अर्थव्यवस्था इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाली साबित होगी, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक सरकार के विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी।

संपादकीय

परिवर्तन एवं निरंतरता

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सहयोगियों के काम-काज का बंटवारा जिस तरह से किया उससे परिवर्तन, निरंतरता और स्थायित्व के सवाल सामने आए हैं। 2024 के लोक सभा चुनाव में जनादेश का समाजशास्त्रीय अध्ययन किया जाए तो उसके दो निष्कर्ष सामने आते हैं कि इस जनादेश के बाद कुछ चीजें बदलतीं दिखाई देती हैं जबकि अन्य अपेक्षाकृत निरंतर बने रहें। भाजपा अपने बल सर स्पष्ट बहुमत लाने में असफल रही। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में उसे विशेष रूप से सीटों का नुकसान हुआ। लेकिन केंद्र में मोदी के नेतृत्व में ही सरकार बनी और सरकार के स्वरूप में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ। यह बताता है कि पिछली सरकार के कार्यों को ही आगे बढ़ाया जाएगा। एनडीए सरकार में भी राजनाथ सिंह रक्षा, अमित शाह गृह, निर्मला सीतारमण वित्त और एस. जयशंकर विदेश मंत्रालय का कार्यभार संभालेंगे। ये चारों वरिष्ठ मंत्री प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) का पिछली सरकार की तरह हिस्सा रहेंगे। सीसीएस अति महत्त्वपूर्ण समूह है जिस पर बड़े. फैसले लेने की जिम्मेदारी होती है। प्रधानमंत्री ने सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए आवश्यक आधारभूत संरचनाओं से संबंधित विभागों में भी निरंतरता बनाए रखी। नितिन गड़करी सड़क परिवहन और हाईवे की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। सवार्नंद सोनोवाल ने बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग विभाग संभालते रहेंगे। ज्योतिरादित्य सिंधिया से नागरिक उड्डयन मंत्रालय लेकर टीड्डीपी के राममोहन नायडू.को भले दे दिया गया लेकिन सिंधिया को आधारभूत संरचना से जुड़े. विभाग संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्रके विकास का दायित्व सौंपा गया है। मोदी ने अपने मंत्रिमंड़ल में शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर जैसे कुछ नये चेहरों को शामिल करके उनके अनुभव का इस्तेमाल करने का प्रयास किया है। हालांकि मोदी ने चिराग पासवान जैसे कुछ युवा नेताओं पर भी भरोसा जताया है। भाजपा के दो सहयोगी दलों शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी ने विभागों के बंटवारे को लेकर नाराजगी जाहिर की है। प्रधानमंत्री मोदी को अटलबिहारी वाजपेयी से राजनीतिक विरासत मिली है। गठबंधन धर्म शब्द का सृजन वाजपेयी ने ही किया था। उन्होंने सहयोगियों के साथहमेशा गठबंधन धर्म का पालन किया था। मोदी भी रूठे हुए सहयोगियों को मनाने में वाजपेयी का अनुसरण करेंगे।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

युवा सपनों में नहीं, परिणाम के साथ जीना चाहते हैं

सनत जैन

पिछले 10 साल में युवाओं को बहुत सारे सपने दिखाए गए। पर अफसोस कि ये सपने साकार नहीं हो सके। पिछले वर्षों में सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म्स पर युवा और समाज के सभी वर्गों द्वारा जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है। अपनी लड़ाई को वह स्वयं लड़ने के लिए जो मंच तलाश रहे थे, सोशल मीडिया के रूप में उन्हें मिल गया है। सोशल मीडिया ने समाज के सभी वर्गों को एक नई चेतना से जोड़ दिया है। जहां वह अपनी बात कहकर सकारात्मक परिणाम के लिए रुचि रख रहे हैं। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर विशेष रूप से युवा जिस आक्रामक और वैचारिक ढंग से अपनी बात रख रहे हैं। एक नई सामाजिक वैचारिक क्रांति को आगे बढ़ा रहे हैं। युवाओं के पास सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म के माध्यम से जो शक्ति आई है। उसको एक नई पहचान मिल रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार, कॉरपोरेट, नौकरशाही, अपराधियों और अपराधों को नियंत्रित करने में भी सोशल मीडिया की अहम भूमिका हो गई है। सोशल मीडिया में डिजिटल प्रिंट, वीडियो एवं वॉइस कम्युनिकेशन के माध्यम से नई सामाजिक और वैचारिक क्रांति का असर दिखने लगा है। हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे में जिस तरह से 17 वर्ष के नाबालिग बेटे को महंगी कार उपहार में देने, लाइसेंस न होने के बाद भी गाड़ी चलाने देने, शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए दो युवकों को गाड़ी से कुचल देने के अपराध की लड़ाई संगठित रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से लड़ी गई। अपराध का पदार्फाश किया गया। अपराधी को बचाने के जो प्रयास किए जा रहे थे। सोशल मीडिया की लड़ाई में अपराधी नाबालिग युवक के साथ-साथ उसके माता-पिता और साक्ष्यों को मिटाने के लिए डॉक्टरों द्वारा जिस तरह का अपराध किया जा रहा था। वह सब सोशल मीडिया के माध्यम के दबाव बनाने के बाद उजागर हुआ है। शासन और प्रशासन को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। राजनीतिक व्यवस्था, ब्यूरोक्रेसी के ऊपर जिस तरह का दबाव सोशल मीडिया के माध्यम से बनाया गया, वह सोशल मीडिया और युवाओं की शक्ति को पहचानने का पर्याप्त कारण बना। जिस तरह से सोशल मीडिया में सबूतों से छेड़छाड़, जालसाजी, अपहरण, धमकी, रिश्वत, परिवारवाद, न्यायपालिका, पुलिस, मेडिकल सेवाओं में जो गिरावट आई है। उसको लेकर जिस तरह की चेतना और लड़ाई सोशल मीडिया में देखने को मिल रही है। वह अपने आप में अनूठी है। विचारों की विविधता भी अब सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर देखने को मिलती है। हर विषय के पक्ष और विपक्ष में लोग अपनी बात तर्क संगत ढंग से रख पा रहे हैं। इसको देखते हुए यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं में न्याय और अधिकार की नई संस्कृति के साथ अधिकारों और कर्तव्यों का बोध हुआ। सही और गलत की पहचान आसान हो गई है। युवाओं को अब ज्यादा समय तक भ्रमित करके नहीं रखा जा सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही का लोकसभा चुनाव है। जिसके परिणाम सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। एक तरह से सोशल मीडिया की चुनौती राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक चैनलों को मिली। जो सामाजिक सरोकारों से दूर होता जा रहा था। उसका स्थान सोशल मीडिया ने ले लिया। सामाजिक परिपक्वता, व्यक्तिगत अधिकार और कर्तव्यों के साथ भी जोड़ने के लिए मुफीद और सर्व सुलभ माध्यम सोशल मीडिया बन गया है। सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव का असर भी समाज पर पड़ रहा है। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया के एडिक्शन से पीड़ित होकर निष्क्रिय भी हो रही है वहीं सोशल मीडिया में तथ्यों की प्रमाणिकता को लेकर सदैव संदेह देखने को मिलता है, लेकिन जिस तरीके से सोशल मीडिया में विश्वसनीय और प्रामाणिकता के साथ जो बातें सामने आ रही हैं। उसके साथ सोशल मीडिया में भी विश्वसनीयता के साथ जानकारी उपलब्ध होना सुखद है।

मुद्दा: मधुर संबंधों के गवाह बने पड़ोसी देश

प्रमोद भार्गव

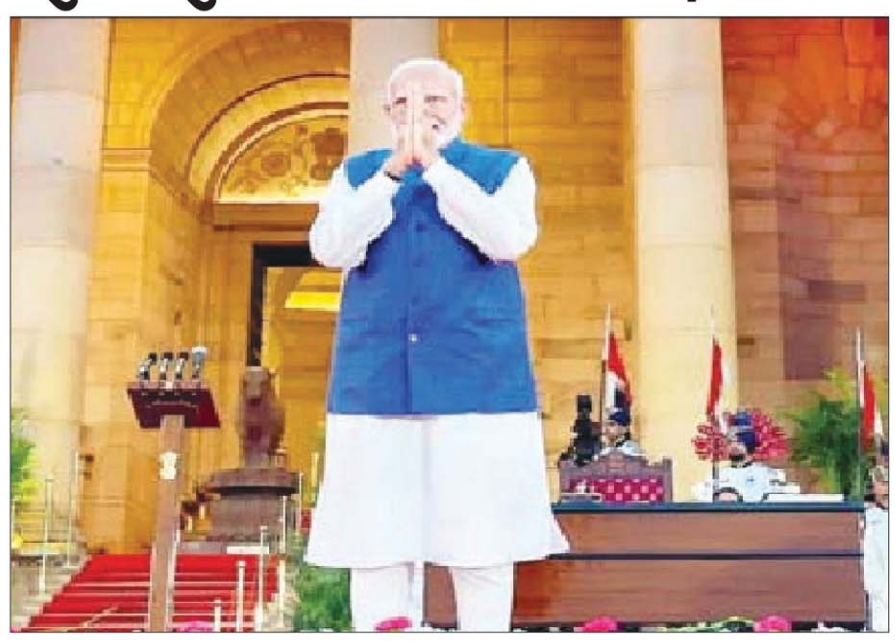

नरेन्द्र मोदी ने जवाहरलाल नेहरू की बराबरी करते हुए तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है। इस बार भाजपा की सरकार राजग गठबंधन पर निर्भर रहेगी क्योंकि भाजपा स्पष्ट बहुमत के 272 के आंकड़े से बहुत पीछे रह गई है। हालांकि शपथ के साथ ही मोदी ने न केवल समझौतावादी जनादेश स्वीकार किया बल्कि पड़ोसी देशों के राष्ट्र प्रमुखों को शपथ के अवसर पर आमंत्रित कर उनके साथ मधुर संबंध बनाए रखने का उदार संदेश भी दे दिया है।

गणतंत्र के इस समारोह में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद्र जगननाथ, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जु, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे शामिल हुए। भारत की ओर से यह पहल 'पड़ोसी पहले और सागर दृष्टिकोण' की नीतियों को कारगर बनाने की दृष्टि से की गई है। साफ है, पड़ोसी और समुद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सर्वोच्च प्राथमिकता में रहेंगे। 2014 में मोदी ने सार्क यानी दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन के देशों और 2019 में बिम्सटेक यानी बंगाल की खाड़ी की पहल से जुड़े देशों के प्रमुखों को आमंत्रित किया था। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य बंगाल की खाड़ी के किनारे बसे देशों के बीच परस्पर आर्थिक सहयोग बढ़ाना है। इन देशों में भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका और थाईलैंड़ शामिल हैं। इन देशों में भारत क्षेत्रफल, आबादी और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से सबसे बड़ा देश है। दस साल पहले मनमोहन सिंह की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में भारतीय अर्थव्यवस्था का विश्व में 11वां स्थान था, जो मोदी के 10 साला कार्यकाल में 3.70 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के आकार के साथ विश्व में पांचवें स्थान पर है। अर्थव्यवस्था के जानकार उम्मीद जता रहे हैं कि 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मन की आर्थिकी से आगे निकल कर वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर होगी और 2027 में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था।

भारत ने उदारता दिखाते हुए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जु को आमंत्रित किया जबकि 2023 में जबसे मोइज्जु मालदीव के राष्ट्र प्रमुख बने हैं तभी से मालदीव और भारत के संबंधों में तनाव बना हुआ है। अपने चुनाव अभियान के दौरान मोइज्जु ने भारत के 88 सैनिकों को देश से निकालने का आह्वान किया था। किंतु अब मोइज्जु ने कहा है कि उनके लिए इस ऐतिहासिक अवसर में भागीदारी सम्मान की बात है। उम्मीद है कि अब दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध सकारात्मक दिशा में बढ़ेंगे। दक्षेस मसलन हमारे वे पड़ोसी देश जो हमारी जमीनी अथवा समुद्री सीमा से जुड़े हैं। इन देशों की संख्या 8 है। ये देश हैं पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, मालदीव और श्रीलंका। हालांकि चीन भी हमारी सीमा से जुड़ा है, लेकिन दक्षेस का सदस्य नहीं है। इस समूह में यदि मॉरिशस, ईरान, म्यांमार और मध्य एशिया के पांच गणराज्य भी शामिल हो जाएं तो इसकी ताकत वैश्विक मुद्दों में हस्तक्षेप के लायक बन सकती है। दक्षेस देश दुनिया के तीन फीसद भूगोल में फैले हैं। दुनिया की मौजूदा आबादी की 21 प्रतिशत जनसंख्या इन्हीं देशों में है। इन देशों में कुल क्षेत्रफल और जनसंख्या में भारत की हिस्सेदारी 70 फीसद से ज्यादा है। 80 फीसद आर्थिकी पर भी भारत काबिज है। हालांकि वैश्विक कारोबार की तुलना में इन देशों का परस्पर कुल व्यापार 5 फीसद ही है। इस लिहाज से ये देश न तो व्यापार के क्षेत्र में सफल रहे और न ही शांति बरकरार रखने में कामयाब हुए। इस नाते इस संगठन का ज्यादा महत्त्व नहीं रह गया है। पाक निर्यातित आतंक कालांतर में युद्ध का कारण बनता है तो दक्षेस का भंग होना तय है। मोदी न केवल दक्षेस, बल्कि आसियान देशों के बीच मुक्त व्यापार के पक्षधर हैं लेकिन पाक बाधाएं पैदा करने से बाज नहीं आता।

मोदी आतंकवाद के प्रखर विरोधी रहे हैं। आतंकवाद के खिलाफ उनकी मुखरता के चलते आज भारत समेत दुनिया में आतंकवाद कमजोर हुआ है। गौरतलब है कि दक्षेस के गठन में पाकिस्तान की अहम भूमिका थी। पाक के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान ने इस परिकल्पना को अंजाम तक पहुंचाया था। 1981 में भारत समेत अन्य दक्षेस देशों के विदेश सचिवों की पहली बैठक बांग्लादेश में हुई थी। बाद में 1983 में विदेश मंत्रियों की बैठक नई दिल्ली में हुई और इसी बैठक में 'दक्षिण एशियाई सहयोग संगठन' वजूद में आया किंतु अब पाकिस्तान चीन के कर्ज में फंसकर उसके इशारों पर नाचने को मजबूर है। भारत-पाक के संबंध आजादी के बाद से ही नरम-गरम बने रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के 78,000 वर्ग किमी. भूभाग पर पाकिस्तान का अतिक्रमण है। नियंत्रण रेखा के उल्लंघन और सीमा पार से गोलीबारी और आतंकी गतिविधियां जारी हैं। बार-बार इन गतिविधियों पर अंकुश लगाने की मांगों को पाकिस्तान अनदेखा करता रहा है। जाहिर है, रिश्तों को मधुर बनाने में दिलचस्पी नहीं ले रहा। अतएव पाकिस्तान को छोड़ अन्य पड़ोसियों को शपथ समारोह में आमंत्रित किया जाना साफ संदेश है कि नरेन्द्र मोदी उदार तो हैं, लेकिन आतंकवाद की सरपरस्ती करने वाले देश के प्रति कठोर भी हैं।

मालिक , प्रकाशक और मुद्रक, सरवर जमाल ने आर० डी० प्रिंटस एण्ड पब्लीशर प्रा०लि० प्लाट नं०- 16-17 पाटलिपुत्रा इन्ड्रस्टीयल एरिया रोड नं०-9 पटना - 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी ब्लाक रंजित रेसीडेन्सीज, साकेत पूरी, मछली गली, राजा बजार पटना पिन- 800014 से प्रकाशित किया। सम्पादकः शबाना प्रविन * पी.आर.बी.एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेवार। PRGI NO - BIHHIN/2023/86924,E-mail:newsindogulf 730@gmail.com Mob--9472871824/8544031786 मैनेजिंग एडिटर : डा0 राजिव कुमार, सब एडिटर : डा0 नुतन कुमारी

शाहिद कपूर की फिल्म में हुई राणा दग्गुबाती की एंट्री?

अमित राय की अगली निर्देशित फिल्म में शाहिद कपूर महान योद्धा, छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म दिल राजू की साझेदारी में वाकाओ फिल्म्स द्वारा निर्मित की जाएगी। इसकी शूटिंग 2024 के अंत में शुरू होने की उम्मीद है। टिनसेल शहर में नवीनतम चर्चा एक और महत्वपूर्ण संकेत देती है। रिपोर्ट की मानें तो इस पीरियड ड्रामा में औरंगजेब की भूमिका निभाने के लिए राणा दग्गुबाती को शामिल करने पर चर्चा चल रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, औरंगजेब के किरदार के लिए राणा अमित राय की पहली पसंद हैं। हालांकि, अंतिम चर्चा तभी शुरू होगी जब शूटिंग को लेकर सारी योजना तैयार हो जाएगी। संभावित सहयोग को लेकर शाहिद भी उतने ही रोमांचित हैं। स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने और प्री-प्रोडक्शन पूरे जोरों पर होने के साथ, टीम दिसंबर तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट में आगे लिखा गया है, लक्ष्य वर्ष के अंत तक परियोजना को शुरू करने का है। फिल्म का इरादा छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित ऐतिहासिक शैली को एक नया परिप्रेक्ष्य प्रदान करना है। शाहिद इस भूमिका के लिए गहनता से तैयारी कर रहे हैं और इसे जीवन में एक बार मिलने वाले अवसर के रूप में देखते हैं।

जानकारी तो यह भी है कि अमित राय की फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय पर आधारित होगी। हालांकि, फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, लेकिन यह एक पारंपरिक बायोपिक नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं का लक्ष्य बीते युग में छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा अंजाम दिए गए जेलब्रेक पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक रोमांचक तत्व डालना है। राणा दग्गुबाती की बात करें तो उन्होंने अभिनेता के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। इसमें बाहुबली में भल्लालदेव का किरदार उनके असाधारण प्रदर्शनों में से एक है। अब देखना यह है कि वह औरंगजेब के किरदार में क्या फ्लेवर लाएंगे। वहीं, इन खबरों पर अभी आधिकारिक मुहर नहीं लग पाई है। रिपोर्ट के सामने आने के बाद से फैंस इसकी आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

भूमि पेडनेकर ने बताया, दलदल में कैसा है उनका किरदार

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर जल्द ही वेब सीरीज दलदल में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने इस सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात की। वेब सीरीज दलदल में भूमि पेडनेकर एक पुलिस अधिकारी की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाएंगी। भूमि पेडनेकर ने अपने किरदार को एक सुपर अचीवर और ग्लास-सीलिंग ब्रेकर के रूप में बताया है, जो पुरुष-प्रधान दुनिया में अपने नियम खुद लिखती है।

भूमि पेडनेकर ने कहा, दलदल एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो एक महिला होने के सभी गुणों को समेटे हुए है। रीता एक सुपर अचीवर, एक ग्लास-सीलिंग ब्रेकर और पुरुषों की दुनिया में नियमों को फिर से लिखने वाली महिला है। मैं इस तरह की महिलाओं को अपना आदर्श मानती हूं। मैं प्राइम वीडियो जैसे ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर इस तरह की सीरीज के लिए रोमांचित हूं, जो मुझे दुनिया को भारतीय महिलाओं की ताकत और मजबूती दिखाने में मदद करेगा। भूमि पेडनेकर ने कई कारणों से दलदल को अपने सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक बताया है। एक्ट्रेस ने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि इसमें बिना किसी संदेह के उनकी अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक है। भूमि पेडनेकर ने बताया कि बतौर एक्ट्रेस उनके लिए यह साल बेहद रोमांचक रहा है। इससे पहले उनकी स्ट्रीमिंग फिल्म भक्षक को न केवल भारत में बल्कि विश्व में शानदार प्रतिक्रिया मिली थी।

लेखा वाशिंगटन के साथ नए घर में जाने की तैयारी में हैं इमरान खान

लक, मेरे ब्रदर की दुल्हन, जाने तू या जाने ना और कट्टी बट्टी समेत कई फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता इमरान खान लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन इसके बावजूद वो अलग-अलग वजहों से चर्चा में बने हुए हैं। इमरान के सुर्खियों में आने की ताजा वजह उनकी प्रेमिका है, जिसके बारे में उन्होंने खुलकर बात की है। यह बात अब जहजाहिर है कि इमरान खान और लेखा वाशिंगटन एक-दूसरे के साथ रिलेशन में हैं। इमरान हाल ही में, रौनक राजानी के यूट्यूब चैनल पर बातचीत करते दिखाई दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि अवंतिका से तलाक होने के बाद वो पांच साल अकेले रहे और अब जिंदगी में लेखा के आने के बाद वो उनके साथ रहने के लिए तैयार हैं। इमरान ने बताया कि वो और लेखा एक साथ एक नए घर में जाने वाले हैं। इमरान खान ने बताया कि वो पिछले पांच साल से अकेले रह रहे हैं, इसलिए उन्हें कम से कम चीजें रखने की आदत है। एक बार इमरान ने बताया था कि अकेले रहने के दौरान उनके पास खाना खाने के लिए कुल तीन ही प्लेट थी। लेखा के आने से इसकी संख्या भी बढ़ गई है, अब उनके पास 15 प्लेटें हैं। इमरान ने बताया कि दोनों और भी क्रॉकरी खरीदने की तैयारी में हैं। सामान खरीदने को लेकर दोनों के बीच खूब बातें होती है।

काफी कम बजट में तैयार किये गये सावन आया है और मिले हो तुम सॉन्ग

बच्चों के सिंगिंग रियलिटी शो सुपरस्टार सिंगर 3 में जज नेहा कक्कड़ का बर्थडे सेलिब्रेट किया गया। मेकर्स ने शो का एपिसोड को ही नेहाज बर्थडे बैश नाम दे दिया। इस दौरान कंटेस्टेंट्स ने उनके गानों पर परफॉर्म किया। पंजाब के मोहाली की 14 साल की लाइसेल राय ने नेहा के सावन आया है और मिले हो तुम सॉन्ग पर परफॉर्मेंस दी, जिससे प्रभावित होकर नेहा ने कहा, अगर कोई मेरा रिप्लेसमेंट ढूंढ़ रहा हो, तो मैं लाइसेल को चुनूंगी क्योंकि वह बहुत अच्छा गाती है। आई लव यू लाइसेल, और इस खूबसूरत परफॉर्मेंस के लिए तुम्हारा बहुत-बहुत शुक्रिया।

नेहा ने गाने की रिकॉर्डिंग के वक्त को याद करते हुए कहा, मेरे भाई टोनी और मैंने इस म्यूजिक वीडियो पर काम किया था। उस समय, बहुत से लोगों को यकीन नहीं था कि हम इस गाने के लिए एक अच्छा म्यूजिक वीडियो बना पाएंगे। यह हमारे लिए किसी रिस्क से कम नहीं था, क्योंकि हमने इस गाने पर काफी इनवेस्ट किया था और इसे छोटे से लोकेशन पर शूट करने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, जिस दिन इस गाने की शूटिंग थी, उस दिन मैं एक शो से वापस आई थी। मैंने उसी मेकअप में इस गाने की शूटिंग की, क्योंकि हमारे पास म्यूजिक वीडियो के लिए ज्यादा बजट नहीं था। लिमिटेड फंड के साथ, हमने यह वीडियो बनाया। लोगों ने इस गाने को काफी पसंद किया और इसे 10 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल गए। यह सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले लव सॉन्ग वीडियो में से एक था, और इसलिए, यह गाना मेरे लिए बहुत खास है। नेहा की बहन, सोनू कक्कड़ ने कहा, यह बहुत प्यारा था, और इसने मुझे नेहू के बचपन की याद दिला दी। कुछ जगहों पर, आपने इतने अच्छे बदलाव किए हैं, जिन्हें सिर्फ म्यूजिक की अच्छी समझ रखने वाले लोग ही सही कर सकते हैं। सिंपल गानों में, यह एक चैलेंज बन सकता है, लेकिन आपने अच्छा काम किया। मुझे सच में लगता है कि आपके कुछ वेरिएशन नेहा के जैसे ही है। सुपरस्टार सिंगर 3 सोनी पर प्रसारित होता है।

एकता कपूर की ब्रोकन बट ब्युटीफुल 5 का ऐलान

टीवी की दुनिया की फेमस प्रोड्यूसर और डायरेक्टर एकता कपूर फिल्मों के अलावा वेब सीरीज भी बनाती हैं। उनका वेब शो ब्रोकन बट ब्युटीफुल काफी पसंद किया गया था। पहले और दूसरे सीजन में विक्रांत मैसी और हरलीन सेठी की लव स्टोरी दिखाई गई थी। तीसरे सीजन में सिद्धार्थ शुक्ला और सोनिया राठी नजर आए। इसके चौथे सीजन में सिद्धार्थ और सोनिया की ही लव स्टोरी आगे बढ़ने वाली थी, लेकिन अब एकता ने बताया कि वो सीधे पांचवा सीजन बनाएंगी। ऐसा क्यों? आइये जानते हैं।

एकता ने इंस्टाग्राम पर ब्रोकन बट ब्युटीफुल 5 का ऐलान किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ये पोस्ट कल करना था! देर आए दुरुस्त आए! मेरा ये साल प्यार और लव स्टोरी से शुरू हो रहा है! जैसे ही मैंने प्यार, लालसा, खोने और घाव भरने की कहानी लिखनी शुरू की तो मेरे मन में सवाल उठे कि सीजन चार क्यों नहीं। एकता कपूर ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, सिद्धार्थ शुक्ला के जाने के बाद उनकी याद में चौथा सीजन नहीं होगा... कुछ लव स्टोरीज खत्म नहीं होतीं, वे आगे बढ़ती हैं... अब एक और प्रेम कहानी, एक और सीजन लिख रही हूं। ब्रोकन बट ब्युटीफुल सीजन 5।

6 साल पहले आया था पहला सीजन

मालूम हो कि ब्रोकन बट ब्युटीफुल का पहला सीजन साल 2018 में आया था। इसमें वीर और समीरा की लव स्टोरी दिखाई गई थी। ये किरदार विक्रांत मैसी और विक्की कौशल की एक्स गर्लफ्रेंड हरलीन सेठी ने निभाए थे। तीसरे सीजन में अगस्त्य और रूमी की लव स्टोरी दिखाई गई थी। ये सीजन साल 2021 में आया था। शो का अंत ऐसी कहानी के साथ हुआ था, जो इसके अगले सीजन में आगे बढ़ती, लेकिन इसी साल सितंबर महीने में सिद्धार्थ ने दुनिया को अलविदा कह दिया। इस शो के सारे गाने बहुत हिट हैं। खासतौर से पहले और दूसरे सीजन के। अगर आपने अभी तक ये शो नहीं देखा है तो आप पहले, दूसरे और तीसरे सीजन को ऑल्ट बालाजी एप और एमएक्स प्लेयर पर देख सकते हैं। तीसरे सीजन में विक्रांत मैसी और हरलीन सेठी का कैमियो भी था। चूंकि इस शो में विक्रांत और हरलीन को बहुत पसंद किया गया था।

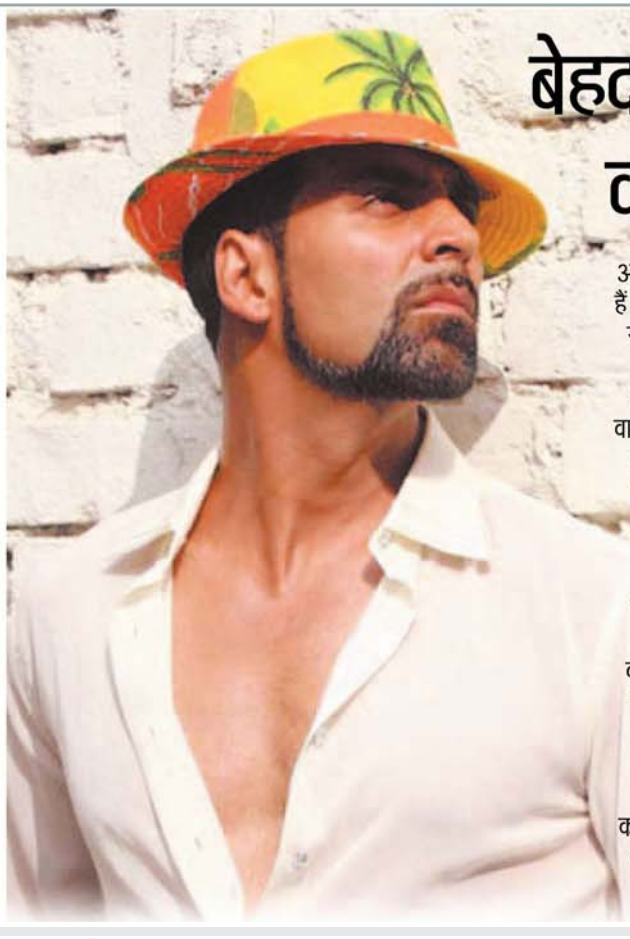

बेहद व्यस्त हैं अक्षय कुमार, दो फिल्मों की शूटिंग और तीसरी का प्रमोशन!

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों बेहद व्यस्त चल रहे हैं। वे एक नहीं, बल्कि दो-दो फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। एक तरफ वे जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग में जुटे हैं। दूसरी तरफ उनके पास वेलकम टू द जंगल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक खिलाड़ी ने अरशद वारसी और अभिनेत्री हुमा कुरैशी के साथ कोर्ट रूम कॉमेडी जॉली एलएलबी 3 के अधिकांश हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। लेकिन, उन्हें काम से अभी फुरसत नहीं है।

पूरे महीने करेंगे वेलकम की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय कुमार जून के पूरे महीने में वेलकम की तीसरी कड़ी की शूटिंग करेंगे, जो जुलाई तक जारी रहेगी। कहा जा रहा है कि फिल्म वेलकम टू द जंगल के निर्देशक अहमद खान ने बाद में 30 दिनों की शूटिंग की योजना बनाई है। इसमें मुख्य रूप से इनडोर सीन पर फोकस रखा जाएगा। वेलकम टू द जंगल के कलाकारों में सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, जैकी श्रॉफ, लारा दत्ता, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, तुषार कपूर और अरशद वारसी शामिल हैं।

इस तारीख को रिलीज होगी सिरफिरा

फिल्म वेलकम टू द जंगल को हर लिहाज से शानदार बनाने की कोशिश है। इसके लिए एक गाने की शूटिंग भी निर्धारित है। दो फिल्मों की शूटिंग के बीच खिलाड़ी को अपनी एक और आगामी फिल्म सिरफिरा के प्रमोशन के लिए भी वक्त निकालना है। यह फिल्म 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। सरफिरा साउथ अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक रीमेक है।

फ्लॉप रही पिछली फिल्म

इस साल अप्रैल में अक्षय कुमार फिल्म बड़े मियां छोटे मियां लेकर आए। इस फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ भी दिखे। दोनों सितारों ने एक्शन का दम दिखाया। लेकिन, अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जादू बिखेरने में कामयाब नहीं रही और इसे फ्लॉप का तमगा मिला है। देखना दिलचस्प होगा कि आगामी फिल्मों में अक्षय कुमार का जादू कितना चलता है।

सलमान खान 18 जून से करेंगे सिकंदर की शूटिंग

अभिनेता सलमान खान को आखिरी बार स्पाई यूनिवर्स फिल्म टाइगर 3 में देखा गया था। वो 18 जून से अपनी अगली फिल्म सिकंदर की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन ए.आर. मुरुगादॉस ने किया है। उन्होंने आमिर खान अभिनीत गजनी का भी निर्देशन किया था। शूटिंग मुंबई में हवाई एक्शन सीक्वेंस के साथ शुरू होगी, जिसमें सलमान एक विमान में समुद्र तल से 33,000 फीट ऊपर दिखाई देंगे। फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को सोशल मीडिया पर फिल्म के निर्माण के बारे में एक अपडेट साझा किया। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्माण सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला मिल कर कर रहे हैं। इस जोड़ी ने इससे पहले किक बनाई थी, जिसका निर्देशन साजिद नाडियाडवाला ने किया था। बताया गया है कि इस फिल्म में संगीत प्रीतम देंगे। इसे साजिद की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना माना जा रहा है। सिकंदर के ईद 2025 पर सिनेमाघरों में आने की संभावना है। बता दें कि एक दिन पहले ही सलमान खान ने कहा था कि जब वो बॉलीवुड पर एकतरफा राज कर रहे थे, तब उन्हें एक बेहद संजीदा फिल्म ऑफर हुई थी। लेकिन उन्होंने ये फिल्म ठुकरा दी। बाद में फिल्म जबरदस्त तरीके से हिट हुई। फिल्म रिलीज होने के कई साल बाद सलमान खान ने उस फिल्म को रिजेक्ट करने का अफसोस जताया। सलमान खान की पहचान ऐसे एक्टर के रूप में होती है, जिनकी फिल्मों में स्टाइल का भरपूर तड़का होता है, उनका स्वैग पूरी फिल्म पर हावी होता है।

नेपाल-श्रीलंका मुकाबला बारिश की वजह से रद्द

साउथ अफ्रीका इस वर्ल्ड कप के सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम ; अब तक तीनों मुकाबले जीते

फ्लोरिडा (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में नेपाल और श्रीलंका के बीच का मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो गया। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में पहुंचने वाली टीम बन गई। नेपाल और श्रीलंका के बीच यह मुकाबला फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में होना था, लेकिन बारिश की वजह से मैच का टॉस भी नहीं हो सका। इसके बाद दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट्स मिला। ग्रुप-डी में इस मुकाबले के नहीं होने की वजह से साउथ अफ्रीका सुपर-8 में पहुंच गई, क्योंकि टीम ने खेले अपने तीनों मैच जीते थे। वहीं, श्रीलंका के टॉप-8 में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है। श्रीलंका को अब तक खेले तीन मैचों में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक मुकाबला रद्द हो गया। उसके पास सिर्फ 1 पॉइंट है। टीम का आगे का सफर बाकि टीमों के मुकाबलों में निर्भर करेगा।

श्रीलंका के कप्तान हसरंगा टॉप विकेट टेकर

श्रीलंका के कप्तान वानिन्दु हसरंगा टी-20 में टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने 67 मैचों में 6.85 की इकोनॉमी से 108 विकेट लिए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में खेले दो मुकाबलों में हसरंगा ने 2-2 विकेट झटके हैं। वहीं, सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 47 रन की शानदार पारी खेली थी। वह, कुल 50 टी-20 मुकाबले में 1281 रन बना चुके हैं। हालांकि, दोनों के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद टीम एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी है।

नेपाल के कप्तान रोहित के पास लंबी पारी खेलने की क्षमता: नेपाल के कप्तान रोहित कुमार पौडेल ने अभी तक कुल 50 मुकाबलों में 1143 रन बनाए हैं। वह 123.70 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हैं। नीदरलैंड के खिलाफ हुए मैच में उन्होंने 35 रन बनाए। वहीं, बैटिंग ऑलराउंडर कुशाल मल्ला तेज बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने 40 टी-20 मुकाबलों में 780 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतकीय पारी भी शामिल है। उन्होंने कनाडा के खिलाफ हुए वॉर्मअप में 37 रन की पारी खेली थी।

पॉसिबल प्लेइंग-11

श्रीलंका- वानिन्दु हसरंगा (कप्तान), पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, कमिंदु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा, चरिथ असलंका, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, महीश तीक्षणा, मथीश पथिराना और नुवान थुषारा।

नेपाल- रोहित कुमार (कप्तान), कुशल भुर्तेल, आसिफ शेख (विकेटकीपर), अनिल साह, कुशाल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, करण केसी, अविनाश बोहरा, सागर धाकल।

संक्षिप्त समाचार

आलोचनाओं के बीच न्यूयॉर्क की पिच पर बोले जॉनसन- इससे मुकाबला बराबरी का बन जाता है

न्यूयॉर्क। नासाउ काउंटी मैदान की पिच की मौजूदा टी20 विश्व कप में कड़ी आलोचना की जा रही है, लेकिन कनाडा के सलामी बल्लेबाज आरोन जॉनसन को इससे कोई शिकायत नहीं है और उनका मानना है कि इससे छोटी टीमों के लिए भी मुकाबला बराबरी का बन जाता है।

जॉनसन ने पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को 44 गेंद पर 52 रन बनाए जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर है। उनकी टीम हालांकि जीत दर्ज नहीं कर पाई। पाकिस्तान ने 107 रन का लक्ष्य

हासिल किया और इस मैदान पर सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने वाली टीम बनी। जॉनसन ने मैच के बाद कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि यह सर्वश्रेष्ठ पिच है। यह मुश्किल पिच है लेकिन जब टी20 क्रिकेट की शुरुआत हुई थी तो 120 से लेकर 130 रन का स्कोर अच्छा माना जाता था।

उन्होंने कहा, अब सपाट विकेट बनने लग गए हैं तो टीम 200 रन से भी अधिक का स्कोर बना रही हैं। मेरा मानना है कि इस तरह की पिच भी होनी चाहिए। इससे मुकाबला बराबरी का हो जाता है तथा केवल पाकिस्तान ही नहीं अन्य टीमों के खिलाफ भी हमारे पास मौका होता है।

जॉनसन ने पाकिस्तान के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना करते हुए कनाडा को आक्रामक शुरुआत दिलाई। उन्होंने कहा, 'यह मेरी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ पारी है और आप जानते हैं कि पाकिस्तान का तेज गेंदबाजी आक्रमण कितना अच्छा है। यह मेरी दो सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है।

हारिस रऊफ सबसे तेज 100 टी20 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

न्यूयार्क (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ 100 टी20 विकेट लेने वाले ओवरऑल तीसरे तो बतौर तेज गेंदबाज पहले क्रिकेटर बन गए हैं। हारिस ने न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टी20 विश्व कप 2024 में कनाडा के खिलाफ मैच में यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज कराई। अपनी घातक गेंदों से हारिस रऊफ को इस मुकाम तक पहुंचने में 71 मैच लगे हैं। हारिस के लिए फिलहाल टी20 क्रिकेट विश्व कप अच्छा जा रहा है। उन्होंने पहला मुकाबला यूएसए के खिलाफ खेला था जिसमें 37 रन देकर 1 विकेट लिया था। इसके बाद भारतीय टीम के खिलाफ लयदार गेंदबाजी करते हुए 21 रन देकर 3 विकेट लिए थे। फिर कनाडा के खिलाफ उन्होंने 26 रन देकर 2 विकेट लिए और कनाडा को 106 रन पर ही रोक दिया।

सबसे तेज 100 टी20 विकेट (तेज गेंदबाज)

71 - हारिस रऊफ, पाकिस्तान
72 - मार्क अडायर, आयरलैंड
72 - बिलाल खान, ओमान
76 - लसिथ मलिंगा, श्रीलंका

बता दें कि ओवरऑल लिस्ट देखें तो अफगानिस्तान के राशिद खान इस लिस्ट में टॉप पर हैं। उन्होंने महज 53 मैचों में 100 विकेट पूरे कर लिए थे। इसके बाद श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा (63 मैच) का नाम आता है। हारिस अब ओवरऑल इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

विश्व कप क्वालिफाइंग

भारत ने कतर के विवादास्पद गोल की जांच की मांग की

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मैच आयुक्त को शिकायत करके दोहा में विश्व कप क्वालीफाइंग के अपने महत्वपूर्ण मुकाबले में कतर को विवादास्पद गोल देने की जांच की मांग की है। एआईएफएफ के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने 'गोल की गहन जांच की मांग है।

मंगलवार को जस्सिम बिन हमाद स्टेडियम में करो या मरो के मुकाबले में भारत की 1-2 की हार के दौरान रैफरी किम वू सुंग ने गोल को स्वीकृति दी थी जबकि इससे पहले ही गेंद खेल के मैदान से बाहर जा चुकी थी। इस गोल पर काफी विवाद हुआ क्योंकि इसने 2026 के टूर्नामेंट के लिए भारत को पहली बार फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में प्रवेश से वंचित कर दिया।

एआईएफएफ के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने मैच आयुक्त को शिकायत की है और पूरे मामले की गहन जांच की मांग की है। ईरान के हामेद मोमेनी इस मुकाबले के मैच आयुक्त थे। मैच आयुक्त की भूमिका मैच के आयोजन की निगरानी करना और यह सुनिश्चित करना होती है कि मुकाबले के दौरान फीफा के नियमों का पालन किया जाएगा।

मैच के 73वें मिनट में अब्दुल्लाह अलाहरक की फ्री किक पर यूसेफ आयमेन ने हेडर लगाने का प्रयास किया जिसे भारतीय कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने रोक दिया। गुरप्रीत हालांकि मैदान पर गिर गए और इस दौरान गेंद खेल के मैदान से बाहर चली गई। हाशमी हुसैन किक मारकर गेंद को दोबारा खेल के मैदान में ले आए और आयमेन ने गोल कर दिया।

गेंद के खेल के मैदान से बाहर जाने के कारण खेल रोका जाना चाहिए था और कतर को कॉर्नर किक मिलनी चाहिए थी क्योंकि गुरप्रीत गेंद के बाहर जाने से पहले उससे संपर्क करने वाले आखिरी खिलाड़ी थे। भारतीय खिलाड़ी हालांकि उस समय हताश हो गए जब रैफरी ने कतर को गोल दे दिया और मेहमान टीम के कड़े विरोध के बावजूद मैदानी अधिकारी अपने फैसले पर बरकरार रहा।

नियम के अनुसार अगर गेंद 'गोल लाइन या टचलाइन से मैदान पर या हवा में पूरी तरह से बाहर निकल जाती है तो उसे खेल से बाहर माना जाएगा। भारत के कोच इगोर स्टिमक ने बाद में निराशा जताते हुए कहा कि इस गोल ने उनकी टीम के सपने को खत्म कर दिया। गुरप्रीत ने भी इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण नतीजा करार दिया।

नेट रन रेट जेहन में था लेकिन पिच ने टारगेट मुश्किल बना दिया : बाबर

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने मंगलवार को यहां आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ग्रुप ए मैच में कनाडा को सात विकेट से हराने के बाद कहा कि नेट रन रेट की बात उनके जेहन में थी लेकिन पिच ने इसे मुश्किल बना दिया। बाबर ने कहा कि हमें इस जीत की जरूरत थी। हमने गेंदबाजी में अच्छी शुरूआत की। पाकिस्तान को अपना नेट रन रेट पॉजिटिव करने के लिए इस लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल करने की जरूरत थी। उसे अमेरिका (0.626) से ज्यादा नेट रन रेट करने के लिए इसे 13.5 ओवर में हासिल करना था, पर पाकिस्तान ने 15 गेंद रहते कनाडा पर जीत हासिल की जिससे अब उसका नेट रन रेट -0.150 से 0.191 हो गया है। लेकिन अब भी वह अमेरिका से पीछे है और अगले दौर में जगह बनाने के लिए उसे आयरलैंड के खिलाफ 16 जून को होने वाले मैच में जीतने के साथ उम्मीद करनी होगी कि अमेरिका अपने दोनों मैच हार जाए। बाबर ने कहा कि हमारे जेहन में नेट रन रेट की बात थी लेकिन पिच के कारण मुश्किल हुई।

यूएसए अभी भी मुसीबत है पाकिस्तान के लिए- भले ही कनाडा के खिलाफ पाकिस्तान जीत गई है लेकिन अभी भी उनके लिए विश्व कप से बाहर होने का खतरा बना हुआ है। पाकिस्तान को कनाडा के खिलाफ उक्त मुकाबला बड़े अंतर से जीतने की जरूरत थी ताकि वह यूएसए की नेट रन रेट को टक्कर दे सके। पाकिस्तान ने भले ही कनाडा को 106 रन पर रोक दिया लेकिन खुद 18वें ओवर में जीत हासिल की। इससे उन्हें नेट रन रेट में ज्यादा फायदा नहीं मिला। यूएसए की नेट रन रेट फिलहाल +0.626 है। अगर वह भारत को टक्कर देने में सफल रहे तो वह प्लस में ही रहेगी। वहीं, पाकिस्तान को आगामी मुकाबला बड़े अंतर में जीतना होगा ताकि वह यूएसए की नेट रन रेट को पीछे छोड़कर सुपर 8 के लिए क्वालिफाई कर सके। हालांकि इसके लिए पाकिस्तान के लिए जरूर है कि यूएसए भारत के बाद आयरलैंड से भी मुकाबला हारे।

टिम पेन ने ऑस्ट्रेलिया से किया आग्रह, स्कॉटलैंड मैच में 'हेरफेर' कर इंग्लैंड को बाहर करें

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन चाहते हैं कि मिशेल मार्श और उनकी टीम स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप मैच में 'हेरफेर' करे जिससे कि इंग्लैंड को टी20 विश्व कप से बाहर किया जा सके। गत चैंपियन इंग्लैंड बारिश के कारण एक मैच रद्द होने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी हार के बाद मुश्किल स्थिति में है और उसकी सुपर आठ में जगह बनाने की राह आसान नहीं है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही सुपर आठ में जगह बना चुका है। पेन ने कहा, 'बिल्कुल उन्हें ऐसा (परिणाम में हेरफेर) करना चाहिए और मैं मजाक नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले कुछ दिनों में लोगों से इस बारे में बात की है। मैं पूरी तरह गंभीर हूं। ग्रुप बी की मौजूदा स्थिति के अनुसार इंग्लैंड सिर्फ एक अंक और माइनस 1.800 के नेट रन रेट के साथ चौथे स्थान पर है।

आज उम्मीदें जीवंत रखने के लिए एक दूसरे का सामना करेंगे बांग्लादेश और नीदरलैंड

किंग्सटाउन (एजेंसी)। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप के सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को पंख लगाने के लिए गुरुवार को यहां एक दूसरे का सामना करेंगे। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप डी से शीर्ष पर रहकर पहले ही अगले दौर में जगह बना चुका है। बांग्लादेश इस ग्रुप में अभी दूसरे स्थान पर है। उसके और नीदरलैंड के समान दो दो अंक हैं। बांग्लादेश की टीम हालांकि बेहतर नेट रन रेट के आधार पर दूसरे स्थान पर है। नेपाल और श्रीलंका के एक-एक अंक हैं लेकिन उनके पास भी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर सुपर 8 में जगह बनाने का मौका है। बांग्लादेश ने अपने पहले मैच में श्रीलंका को दो विकेट से हराया था लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसके बल्लेबाज अपेक्षाकृत छोटा लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहे थे और उसे चार रन से हार का सामना करना पड़ा था। नीदरलैंड की टीम भी पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार गई थी और वह भी वापसी करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी।

टीम इस प्रकार हैं

बांग्लादेश-नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तनजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम और तनजीम हसन साकिब।

नीदरलैंड-स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, काइल क्लेन, लोगन वैन बीक, मैक्स ओ-डॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, रयान क्लेन, साकिब जुल्फिकार, सिब्रांड एंजेलब्रेच, तेजा निदामनुरु, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंगमा और वेस्ले बैरेसी।

दिल्ली के श्रेयस दास नें जीता खेलो चैस इंडिया फीडे 100 इंटरनेशनल रेटिंग टूर्नामेंट

भोपाल (एजेंसी)। विश्व शतरंज के 100 वर्ष होने के उपलक्ष्य में चेसबेस इंडिया द्वारा स्थानीय कोलार स्थित सेज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित खेलो चैस इंडिया इंटरनेशनल रेटिंग टूर्नामेंट का खिताब दिल्ली के श्रेयस दास नें अपने नाम कर लिया। श्रेयस नें टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए 8 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया जबकि अंतिम राउंड में उनसे ड्रॉ खेलने वाले मध्य प्रदेश के रेवांश वैद्य 7.5 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे।

तीसरा स्थान मिला मध्य प्रदेश के अनिल कुशवाहा को जिन्होने अंतिम राउंड में प्रदेश के हर्षित डावर को मात देते हुए 7.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में तीसरा स्थान हासिल किया। 7 अंक बनाकर राजस्थान के ओजश जोशी बेहतर टाईब्रेक के साथ पर चौंथे स्थान पर रहे वहीं सातवे राउंड में उलटफेर का शिकार हुई टॉप सीड कोलंबिया की एंजेला फ़रांकों वापसी करते हुए अंतिम दो मैच जीतकर टाईब्रेक के आधार पर

7 अंक बनाकर पांचवें स्थान पर रही, एंजेला टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी भी रही। अन्य खिलाड़ियों में मध्य प्रदेश के हर्षित डावर, दिल्ली के कथन खुराना, मध्य प्रदेश के मीतांश दीक्षित, हरयाणा के मिलिंद पारले 7 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर छठे से नौवे स्थान पर रहे जबकि 6.5 अंक बनाकर मध्य प्रदेश के कामद मिश्रा बेहतर टाईब्रेक के आधार पर दसवें स्थान पर रहे।

इस प्रतियोगिता के माध्यम से कुल 68 नए खिलाड़ियों को फीडे आईडी मिली तो करीब 20 नए खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग भी प्राप्त हुई। प्रतियोगिता में भारत के 10 राज्यों और भारत के बाहर से कोलम्बिया से कुल 174 खिलाड़ियों नें भाग लिया। सागर शाह नें किया पुरूष्कार वितरण प्रतियोगिता के पुरुस्कार वितरण में भारत के जाने माने और दुनिया के सबसे बड़े शतरंज विश्लेषक में शुमार इंटरनेशनल मास्टर सागर शाह नें सभी खिलाड़ियों को खास तौर पर मुंबई से भोपाल आकर पुरुस्कार वितरित किये। एंजेला और माधवेन्द्र नें खेला साइमल शतरंज अंतिम राउंड के बाद पुरूष्कार वितरण के ठीक पहले भोपाल में पहली बार एक साथ दो खिलाड़ियों नें साइमल शतरंज का प्रदर्शन किया।

कोलंबिया की महिला इंटरनेशनल मास्टर एंजेला नें और भोपाल के अंडर 10 एशियन चैम्पियन माधवेन्द्र प्रताप शर्मा नें 10 10 खिलाड़ियों के साथ एक साथ शतरंज के मुकाबले खेले। इसके अलावा एक खास कार्यक्रम के तहत सभी खिलाड़ियों और अतिथियों नें भारत के डी गुकेश को आने वाली विश्व शतरंज चैंपियनशिप में शुभकामनए देने के लिए संदेश भी लिखे।

सात्विक-चिराग ने नंबर एक रैंकिंग गंवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले हफ्ते इंडोनेशिया ओपन में खिताब की रक्षा के अपने अभियान से हटने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार को जारी बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई। चीन के लियांग वेई केंग और वैंग चैंग नई पुरुष युगल नंबर एक जोड़ी है। उनके बाद डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप रासमुसेन का नंबर आता है जिन्होंने दो स्थान की छलांग लगाई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मई में थाईलैंड ओपन जीतकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की लेकिन पिछले महीने सिंगापुर ओपन में पहले दौर से बाहर हो गई।

भारतीय जोड़ी ने मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन से भी नाम वापस ले लिया है। पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन क्रमशः 10वें और 14वें स्थान पर बने हुए हैं। किदांबी श्रीकांत चार स्थान गिरकर 32वें स्थान पर खिसक गए हैं जबकि प्रियांशु राजावत (34वें स्थान पर) और किरण जॉर्ज (एक स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) अगले सर्वश्रेष्ठ भारतीय हैं।

चीन की वेनिस नाम की परियोजना पूरी तरह से फ्लॉप, 'तैरता हुआ शहर' एक बेजान और सूखी सी जगह बनकर रह गया

बीजिंग। चीन के वेनिस नाम की यह परियोजना पूरी तरह से फ्लॉप साबित हुई क्योंकि इसके अधिकांश हिस्से निर्जन और बेजान से लगते हैं। चीन के उत्तर-पूर्वी लियाओनिंग प्रांत के बंदरगाह शहर डालियान के पास छोटा सा वेनिस बनाने का मकसद यूरोपीय शैली की वास्तुकला और संस्कृति को शामिल करना था, जहां चीनी नागरिकों को इटली का आनंद लेने के लिए दूर की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। इसे बनने में चार साल लगे लेकिन उम्मीद के खिलाफ भीड़ को आकर्षित करने और प्रदूषण को कम करने में सक्षम होने के बजाय, 'तैरता हुआ शहर' एक बेजान और सूखी सी जगह बनकर रह गया है। यहां उम्मीद के मुताबिक उतनी भीड़ दिखाई नहीं देती है। आधी-अधूरी इमारतों और विरल सड़कों से, पूर्वी-एशियाई देश के वेनिस के प्रयास के नए फुटेज देख कर ऐसा लगता है कि यह पर्यटकों के लिए एक आकर्षक स्थान नहीं है। पस्टिक्स एंड ट्रेन्स के तहत पोस्ट करने वाले एक ट्रैवल ब्लॉगर ने 'लिटिल वेनिस' पहुंचने पर अपने 'हैरान' होने की बात स्वीकार की। डालियान में असामान्य साइट से आकर्षित होने के बावजूद, यह नयापन जल्दी ही फीका पड़ गया लगता है। ब्लागर का कहना है कि यह वास्तव में मृत है। यह उजाड़ है। सब कुछ बंद है। बहुत सारी इमारतें हैं। हर जगह इस तरह इमारतें मिल जाएंगी, लेकिन ऐसा लगता है कि वास्तव में कुछ भी उपयोग नहीं किया जा रहा है। इस आकर्षण को पहली बार 2015 में जनता के लिए खोला गया था और इसमें चार किलोमीटर की मानव निर्मित नहर है। ऐसा कहा जाता है कि डेवलपर्स को भारी यातायात प्रवाह के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने की उम्मीद थी। लेकिन यह कई जगह पर सूखी भी है। वहीं कुछ इलाके, जिनमें एक चर्च भी शामिल है, वाकई हैरान भी करते हैं। बता दें कि कम लोग जानते हैं कि चीन अपने ही देश में दुनिया की कुछ खास टूरिस्ट प्लेस की नकल बना रहा है जिससे उसका टूरिज्म बढ़ सके। इसी वजह से वहां 507 मिलियन पाउंड यानी, 53 अरब 82 करोड़ 73 लाख रुपयों का 'नकली' इटली पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनने के लिए बनाया गया था। अब बताया जाता है कि यह 'सड़ते हुए भूतहा शहर' में तब्दील हो गया है।

जापान में बढता जा रहा है निंजा भालुओं का आंतक, भालू अब इंसानों पर भी करने लगे है हमला

टोक्यो। पिछले कई महीनों से जापान में इन निंजा भालुओं का आंतक बढ़ता ही जा रहा है। ये भालू अब इंसानों पर भी हमला करने लगे है और उनके मुंह में खून लग गया है, लेकिन इसका कारण कम अजीब नहीं है। पिछले साल एक विशाल 'निंजा भालू' को आखिरकार पकड़ा गया, जो सालों से मवेशियों पर हमला कर रहा था। लेकिन मवेशियों की मौतें फिर से शुरू हो गई हैं और कभी शर्मीले भालू अब अपना भयानक ध्यान इंसानों पर केंद्रित कर रहे हैं। जापान के पहाड़ी द्वीप होक्काइडो में एक विशाल भालू, जिसकी लंबाई 7 फीट 3 इंच थी और स्थानीय लोग उसे ओसो18 कहते थे, खेतों पर हमला कर रहा था और मवेशियों के अंदरूनी हिस्से को चीर रहा था। हमले सालों तक चलते रहे और कोई भी खून के प्यासे जानवर को पकड़ नहीं पाया, जिसके कारण इसे फ्रनिंजाफ्र भालू कहा जाने लगा। लेकिन यह सिलसिला अब बढ़ गया है। ये जानवर आमतौर पर मुख्य रूप से शाकाहारी और कीट आहार खाते हैं, लेकिन जापान में हिरणों की बढ़ती संख्या के कारण कथित तौर पर उनमें मांस के लिए स्वाद विकसित हो गया है। इनका पहले ज़्यादा शिकार किया जाता था, लेकिन अब शिकारी कम हैं। जो अभी भी शिकार करते हैं, वे शवों को पहाड़ों में छोड़ देते हैं, जहाँ भालू आसानी से भोजन कर सकते हैं। कांडा यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज में जापानी अध्ययन के एक विशेष व्याख्याता जेफरी जे हॉल ने बताया कि भालू निर्जन क्षेत्रों पर कब्जा कर रहे हैं। शिकार प्रथाओं में बदलाव का भालू की संख्या पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है आमतौर पर शिकारी भालू की आबादी को नियंत्रित रखते हैं, लेकिन जापानियों की युवा पीढ़ी शहरों में चली गई है और बहुत से शिकारी अब बुजुर्ग हो गए हैं। ऐसे में भोजन की तलाश में बेखौफ खेतों में आकर हमला करने लगे हैं। बता दें कि जापान की निंजा एक युद्धकला के तौर पर मशहूर है। लेकिन कई बार कुछ अनोखी चीजों को भी निंजा से जोड़ दिया जाता है। ऐसे में जब हम निंजा भालू के बारे में कुछ भी सुनते हैं तो हमें जापान के किसी खास तरह के भालू का अहसास होता है।

जेनिफर-बेन की तलाक की अफवाहों को मिला बल, बेच रहे घर

लॉस एजेलिस। हाल ही में पता चला है कि हॉलीवुड कपल जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक अपना 60 मिलियन डॉलर का घर बेच रहे हैं। इस खबर ने ऐसे में दोनों के अलग होने की अटकलों को और मजबूत कर दिया है। बेन और जेनिफर के करीबी सोर्स से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों अपने साझा घर को बेचने के लिए एजेंसी के रियाल्टार सैंटियागो अराना के साथ सीधे संपर्क में हैं। तकरीबन एक साल पहले बेन और जेनिफर ने कथित तौर पर 60 मिलियन डॉलर से ज्यादा कीमत चुकाकर इस आलीशान घर को खरीदा था। दो साल पहले तक बेन और एफ्लेक घर की तलाश कर रहे थे। तकरीबन 80 से भी ज्यादा प्रॉपर्टी देखने के बाद उन्हें बेवर्ली हिल्स वाला घर मिला था और अब इनके घर को बेचने की खबरें सामने आ रही हैं। हालांकि, इन सब खबरों पर अभी तक बेन और जेनिफर का कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है। तलाक और घर बेचने की खबरों के बीच दोनों को कई बार बच्चों के इवेंट्स में एकसाथ देखा गया है। वहीं, बीते दिनों उन्हें रोमांटिक अंदाज में भी देखा गया था। वहीं, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो जेनिफर लोपेज ब्रेंटवुड में किराये के मकान में शिफ्ट हो गई है। सूत्रों का यह भी दावा है कि एक्ट्रेस फिर से एक नए घर की तलाश में हैं। बता दें कि हॉलीवुड कपल जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक पिछले कई दिनों से अपने तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि, अलग होने की खबरों पर दोनों की ओर से कई ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है। वहीं कई बार उन्हें एक साथ स्पॉट होते भी देखा जा चुका है।

बच्चों में बुद्धि के विकास में सहायक है वीडियो गेम, वैज्ञानिकों ने अध्ययन के बाद किया यह दावा

स्टॉकहोम। वैज्ञानिकों ने अध्ययन किया है कि वीडियो गेम बच्चों के दिमाग को कैसे प्रभावित करते हैं। शोधकर्ताओं ने दस से 12 वर्ष की आयु के 5,000 से अधिक बच्चों का साक्षात्कार लिया और परीक्षण किया। और वैज्ञानिक रिपोर्ट में प्रकाशित परिणाम कुछ के लिए आश्चर्यजनक होंगे। बच्चों से पूछा गया कि वे दिन में कितने घंटे सोशल मीडिया पर, वीडियो या टीवी देखने और वीडियो गेम खेलने में बिताते हैं। जवाब था- बहुत घंटे। औसतन, बच्चे दिन में ढाई घंटे ऑनलाइन वीडियो या टीवी कार्यक्रम देखने में, आधा घंटा ऑनलाइन सोशलाइजेशन और एक घंटा वीडियो गेम खेलने में बिताते हैं। यह समय कुल मिलाकर, औसत बच्चे के लिए दिन में चार घंटे और शीर्ष 25 प्रतिशत के लिए छह घंटे - बच्चे के खाली समय का एक बड़ा हिस्सा था। और अन्य रिपोर्टों में पाया गया कि यह दशकों में नाटकीय रूप से बढ़ा है। पिछली पीढ़ियों में स्क्रीन आसपास तो थे, लेकिन अब यह वास्तव में बच्चों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। क्या यह एक बुरी बात है? खैर, यह जटिल है। बच्चों के विकासशील दिमाग के लिए फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। और ये उस परिणाम पर निर्भर हो सकते हैं जिसे आप देख रहे हैं। हमारे अध्ययन में, हम विशेष रूप से बुद्धि पर स्क्रीन टाइम के प्रभाव में रुचि रखते थे - प्रभावी ढंग से सीखने, तर्कसंगत रूप से सोचने, जटिल विचारों को समझने और नई परिस्थितियों के अनुकूल होने की क्षमता। बुद्धिमत्ता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण गुण है और बच्चे के भविष्य की आय, खुशी और लंबी उम्र का आधार भी है। अनुसंधान में, इसे अक्सर संज्ञानात्मक परीक्षणों की एक विस्तृत श्रृंखला पर प्रदर्शन के रूप में मापा जाता है।

तेल अवीवी में लोग हमास के हमले में बंधक बनाये गये लोगों को रिहा करने की मांग करते हुए।

दुनिया के सबसे छोटे विवाहित जोड़े.....ने बनाया ये रिकॉर्ड

ब्राजील। दुनिया के सबसे छोटे विवाहित जोड़े ने अपनी लंबाई के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी प्रेम कहानी से हैरान हैं। ब्राजील के 31 वर्षीय पाउलो गेब्रियल दा सिल्वा बैरोस और 28 वर्षीय कैट्युसिया ली होशिनो, पहली बार 2006 में ऑनलाइन मिले थे और कई साल खुशी-खुशी प्यार में बिताए हैं। अब वे रिकॉर्ड बनने के बाद से शादी करने वाले सबसे छोटे जोड़े हैं। उन्होंने कहा, हम भले ही छोटे हों, लेकिन हमारे दिल बड़े हैं, एक-दूसरे के साथ-साथ अपने जीवन में सभी के लिए बहुत प्यार करते हैं। इस जोड़े की कुल लंबाई 181.41 सेमी है, जिसमें पाउलो की लंबाई 90.28 सेमी और कैट्युसिया की 91.13 सेमी है। लेकिन पुरस्कार विजेताओं के बारे में हाल ही में इंस्टाग्राम पोस्ट ने इन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया है। एक यूजर ने लिखा, प्यार जीतता है। एक दूसरे यूजर ने पोस्ट किया, बहुत बढ़िया, आप दोनों को बधाई! पाउलो और कैट्युसिया ने 17 सितंबर, 2016 को शादी की और रिकॉर्ड मिलने के बाद से वे सात साल तक सुर्खियों में रहे। पहली बार सम्मान मिलने के बाद यह जोड़ी यूट्यूब वीडियो में भी दिखाई दी।

चीन द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने भारत के साथ करेगा काम!

-तीसरी बार पीएम बनने से मोदी की बढ़ी ताकत, चीन ने जताई इच्छा

बीजिंग (एजेंसी)। भारत के लगातार तीसरी बार पीएम बनने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की ताकत और बढ़ गई है। अब उनके खौस से पड़ोसी देशों में हलचल है। अब भारत के पड़ोसी देश दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे हैं। वहीं अब चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने पीएम नरेन्द्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने का इच्छुक है।

एक रिपोर्ट के अनुसार ली ने कहा कि चीन-भारत संबंधों का सुदृढ़ और स्थिर विकास न केवल दोनों देशों के लोगों के हित में है बल्कि यह क्षेत्र और दुनिया में स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा के संचार में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। चीनी विदेश मंत्रालय ने 5 जून को आम चुनावों में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की जीत पर पीएम मोदी को बधाई दी और कहा कि दोनों देशों को चार साल पहले गलवान की घटना के बाद से रुके हुए द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर ट्रैक पर आगे बढ़ाने के लिए भविष्य की तरफ देखना चाहिए। बता दें 5 मई, 2020 को पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध शुरू होने के बाद से दोनों देशों के बीच व्यापार को छोड़कर बांकी आपसी संबंध खराब हो गए थे। इसके बाद गलवान के पास पैंगोंग क्षेत्र में हिंसक झड़प हुई थी। चीन ने कहा कि एक स्वस्थ और स्थिर रिश्ते दोनों देशों के हित में है और इस क्षेत्र और उससे आगे की शांति और विकास के लिए अनुकूल है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों देशों और लोगों के मौलिक हितों में काम करने, हमारे संबंधों के समग्र हित को ध्यान में रखने, भविष्य की तरफ देखने और द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर राह पर आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है। हालांकि एक दिन बाद चीन ने पीएम मोदी की इस टिप्पणी पर विरोध जताया कि भारत, ताइवान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए तत्पर हैं। मोदी की यह टिप्पणी ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते द्वारा उनकी चुनावी जीत पर दिए गए बधाई संदेश के जवाब में आई थी। चीन ताइवान को एक विद्रोही प्रांत मानता है जिसे बलपूर्वक हासिल करना चाहता है। भारत पीपुल्स लिबरेशन आर्मी पर देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों से हटने का दबाव बना रहा है, और कहता रहा है कि जब तक सीमाओं की स्थिति असामान्य बनी रहेगी, तब तक चीन के साथ उसके संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो सकती है।

पीएम मोदी को बधाई नहीं, जिनपिंग की खिंचाई... अब दी सफाई

-सोशल मीडिया पर यूजर्स ने खूब ली मौज

बीजिंग। नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार भारतीय प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली है। लगातार तीसरी बार पीएम बनने पर नरेंद्र मोदी को दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्षों ने बधाई दी है। वहीं पड़ोसी राष्ट्र चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चुप्पी साधे रखी। जिनपिंग की ओर से मोदी को बधाई नहीं दिए जाने की चीन और भारत में ही नहीं कई देशों की मीडिया में चर्चा हुई। इस घटना को दोनों देशों के तनावपूर्ण रिश्तों को और खराब करने की तरह से देखा गया। आलोचना होने पर चीन की ओर से सफाई दी गई कि जिनपिंग चीन के राष्ट्रपति हैं और नरेंद्र मोदी ने पीएम पद की शपथ ली है। इसके बाद उनके चीनी समकक्ष ली कियांग ली ने मोदी को बधाई दी है।

चीन की ओर से सफाई आने के बाद जिनपिंग और ज्यादा घिर गए। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उनके बयानों के स्क्रीनशॉट वायरल कर दिए, जिसमें उनकी ओर से बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना और पाक पीएम शहबाज शरीफ को शपथ लेने पर बधाई दी थी। सोशल यूजर्स ने सवाल किया कि क्या पीएम के पीएम को बधाई देने का नियम सिर्फ भारत के लिए ही है। कुछ महीने पहले तक जिनपिंग दूसरे पड़ोसी देशों के प्रधानमत्रियों को बधाई दे रहे थे। इसके बाद राष्ट्रपति जिनपिंग के मोदी को बधाई ना देने के मामले को ठंडा करने के लिए अब चीनी दूतावास ने बयान जारी किया है। भारत में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने बयान में कहा है कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसी देश हैं। इसके बाद बॉर्डर विवाद सहित सभी प्रासंगिक मुद्दों को ठीक से संभाला जाना चाहिए। भारत चीन के मजबूत और स्थिर संबंध सिर्फ दोनों देशों के ही नहीं पूरे क्षेत्र में शांति और विकास के लिए जरूरी हैं। चीन पड़ोसियों से अच्छे रिश्ते चाहता है और द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने को इच्छुक है।

पीओके ने पीएम मोदी के सामने रखा ऐसा प्रस्ताव, पाकिस्तान के छूटे पसीने, क्या करने वाला है भारत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की, जिसके बाद दुनियाभर के देशो ने उन्हें बधाई दी। इसी बीच पीओके के एक्टिविस्ट ने पीएम मोदी से गुहार लगाई कि मोदी जी आप मुझे अपनी टीम में शामिल कर लें। अमजद अयूब मिर्जा नाम के एक सोशल एक्टिविस्ट ने भारत के प्रधानमंत्री से बड़ी मांग करते हुए कह दिया कि मोदी उन्हें मंत्री बनाए या सरकार में कोई जिम्मेदारी दें। मिर्जा ने ये भी कह डाला कि वो भारतीय हैं और उन्हें सरकार में रहकर देश की सेवा करने का मौका मिलना चाहिए।

1947 में कश्मीर के महाराजा हरि सिंह को पाकिस्तान ने डील के बाद धोखा दिया। इसके बाद कश्मीर भारत के साथ जुड़ा और बाकायदा विलय हुआ। ऐसे में कश्मीर के लोग भारतीय हैं, ये मेरा स्पष्ट विचार है। मेरा विश्वास है कि भारत आपकी लीडरशिप में आगे जाएगा। उम्मीद है कि इस बार पीओके का मामला भी हल होगा और कश्मीर भारत का हिस्सा बनेगा। उन्होंने अपने बारे में बताते हुए कहा कि मेरा ताल्लुक पीओके से है और मैं लंदन में रहता हूं। पीओके के लोग भी भारतीय नागरिक हैं। इसलिए भारतीय होने के नाते मैं भी आपकी टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं।

पीओके से जिस तरह के वीडियो सामने आ रहे हैं वो ये दिखा रहे हैं कि पाकिस्तान की सेना पीओके के लोगों पर जुल्म कर रही है। पीओके के लोग भारत को बता रहे हैं कि पाकिस्तान से उनको आजादी चाहिए। चुनाव के दौरान जिस तरह से राजनेताओं ने पीओके को लेने की बात कही है वो भी ये दिखाता है कि वो पल दूर नहीं जब भारत का तिरंगा पीओके में लहराएगा। वैसे ये पहली दफा नहीं है कि पीओके से पाकिस्तान सरकार के सौतेले व्यवहार की कहानी सामने आई है। पीओके के नागरिकों के साथ ज्यादती करने हुए पाकिस्तानी सेना और हुक्मरान रंगे हाथ भी पकड़े गए थे।

पाकिस्तान में बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक... 2 लाख का कर्ज

बीते 10 साल में कर्ज बढ़कर दोगुना हुआ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का आर्थिक संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। जिससे देश के सामने कई नई परेशानियां खड़ी हो रही है। पाकिस्तान ने बीते दस सालों में कर्ज लेने में रिकॉर्ड बना दिया है। पाकिस्तान पर 2013 के बाद से कर्ज पांच गुना बढ़ गया है। मार्च 2024 तक पाकिस्तान पर कर्ज 67.525 ट्रिलियन रुपए हो चुका है। इस कर्ज पर ब्याज देने में देश के राजस्व का बड़ा हिस्सा जा रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण से साफ होता है कि मोदी सरकार ने वित्त वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में सार्वजनिक कर्ज पर कुल 5.5118 ट्रिलियन रुपए ब्याज दिया है। पाकिस्तान के सार्वजनिक ऋण में हर साल जो भारी वृद्धि हो रही है, वह मुख्य रूप से राजकोषीय घाटे के चलते है। इससे पाकिस्तान के दिवालिया होने तक का अंदेशा जाहिर किया जा रहा हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान वर्तमान में अगर अपने सभी सार्वजनिक ऋण चुकाने का फैसला करता है, तब उसकी जीडीपी का दो-तिहाई हिस्सा इसमें चला जाएगा। ये उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 63.67 प्रतिशत है। वर्तमान के बाजार मूल्य पर पाकिस्तान की जीडीपी का मूल्य वर्तमान में 106.045 ट्रिलियन (375 बिलियन डॉलर) है। यह दिखाता है पाकिस्तान ने राजकोषीय उत्तरदायित्व और ऋण सीमा अधिनियम (एफआरडीएलए) का भी उल्लंघन किया है, नियम के तहत सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में ऋण को 60 प्रतिशत से नीचे रखना होता है। अगर बीते 16 साल यानी 2008 के बाद से बात की जाए तब पाकिस्तान का कुल कर्ज ग्यारह गुना बढ़ा है। 2008 में पाकिस्तान पर कुल कर्ज 6.127 ट्रिलियन रुपए था।

पाकिस्तान आर्थिक सर्वेक्षण 2023/24 की रिपोर्ट में बताया गया है कि बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर एक पाकिस्तानी पर 2,79,606 रुपए का कर्ज है। पाकिस्तान पर जून 2018 से मार्च 2024 तक सार्वजनिक कर्ज में नाटकीय तेजी आई है। इस दौरान घरेलू ऋण 16.416 ट्रिलियन रुपए से बढ़कर 43.432 ट्रिलियन रुपए हो गया। वहीं बाहरी ऋण 8.537 ट्रिलियन से बढ़कर 24.093 ट्रिलियन रुपए हो गया। कुल सार्वजनिक ऋण जून 2018 के 24.953 ट्रिलियन रुपए से बढ़कर मार्च 2024 तक 67.525 ट्रिलियन रुपए हो गया।

देश में पारदर्शिता बढ़ाने और निवेशक आधार में विविधता लाने के लिए सरकार ने 1998 के ट्रेजरी बिल नियमों और 2008 के इजारा सुकुक नियमों में संशोधन किया।

माफी मांगने के कुछ दिनों बाद पोप फ्रांसिस ने एक बार फिर समलैंगिकों के बारे में किया अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल

(एजेंसी)। पोप ने समलैंगिक लोगों के खिलाफ एक बार फिर बेहद अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया है, जिसके लिए वह पिछले महीने ही माफी मांग चुके हैं। इतालवी मीडिया ने 20 मई को इतालवी बिशपों के साथ एक बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान पोप को ÷फ्रोसियागिन÷ शब्द के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार ठहराया था, जो एक अशिष्ट इतालवी शब्द है जिसका मोटे तौर पर अनुवाद ÷फगोटनेस÷ के रूप में किया जाता है। एएनएसए के अनुसार, फ्रांसिस ने मंगलवार को रोमन पुजारियों से मुलाकात के दौरान इस शब्द को दोहराया और कहा कि वेटिकन में कट्टरता का माहौल है। समलैंगिक प्रवृत्ति वाले युवाओं को मदरसे में प्रवेश की अनुमति न दी जाए।

वेटिकन के प्रेस कार्यालय ने पुजारियों के साथ मंगलवार की बैठक के संबंध में जारी एक बयान का संदर्भ दिया, जिसमें पोप ने चर्च में समलैंगिक लोगों का स्वागत करने की आवश्यकता और उनके सेमिनारियन बनने के संबंध में सावधानी बरतने की आवश्यकता दोहराई थी। शब्द के उनके उपयोग की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद, कोरिएरे डेला सेरा अखबार ने कमरे में मौजूद अज्ञात बिशपों के हवाले से सुझाव दिया कि पोप, एक अर्जेंटीना के रूप में शायद यह महसूस नहीं किया होगा कि उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया इतालवी शब्द आक्रामक था।

पारा 44 के पार... हज तीर्थयात्रियों को गर्मी से बचाने की तैयारी

- भारतीय कर सकते हैं हाई-स्पीड ट्रेन से यात्रा

रियाद (एजेंसी)। हज के लिए दुनियाभर से करीब 20 लाख मुसलमान सऊदी अरब पहुंचे हैं। सऊदी ने बड़े पैमाने पर हज के लिए तैयारी की है। इसके बाद भी कई तरह की मुश्किलें आ रही हैं। इसमें भीषण गर्मी से लेकर हज परमिट जैसे कई मामले हैं। यह देखकर सऊदी अरब ने हाजियों के लिए गाइडलाइन जारी की है। सऊदी के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार हज के दौरान सऊदी अरब में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इस साल हज की शुरुआत 14 जून 2024 से होगी। इस दौरान मक्का और मदीना में तापमान सामान्य से 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने वाला है। यह देखकर सऊदी अधिकारियों ने गर्मी को लेकर चेतावनी जारी की है। गर्मी के कारण तीर्थयात्रियों में हीटस्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मामले बढ़ जाते हैं। पिछले साल भी हज के दौरान हजारों तीर्थयात्रियों को गर्मी से संबंधित बीमारियों का सामना करना पड़ा था, यह देखकर सऊदी अधिकारी जोखिम को कम करने के लिए कदम उठा रहे हैं। सऊदी सरकार ने तीर्थयात्रियों, खासकर बुजुर्गों को सहज रखने के लिए वातानुकूलित टेंट की सुविधा दी है। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य अधिकारी हाइड्रेटेड रहने, धूप से बचने वाले कपड़े पहनने और जब भी संभव हो छाया में रहने के महत्व पर जोर दे रहे हैं। सऊदी अधिकारियों की ने इस साल हज पर आए तीर्थयात्रियों के लिए जो सलाह जारी है। इसमें कहा गया है कि बिना प्यास के भी दिन भर खूब पानी पिएं, खुद को धूप से बचाएं, हल्के, हवादार कपड़े और टोपी पहनें, जब भी संभव हो छायादार जगहों पर आराम करें, दिन के समय ज्यादा देर धूप में ना रहें, हीटस्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के लक्षणों के प्रति सचेत रहें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। इसके अलावा सऊदी अरब में भारतीय हज यात्री मक्का तक हाई-स्पीड ट्रेन से भी जा सकते है। इस साल पवित्र हज यात्रा पर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों को सुगम और तेज यात्रा का लाभ मिलेगा। हाजी अब जेद्दा हवाई अड्डे पर उतरकर मक्का तक हाई-स्पीड ट्रेनों में यात्रा कर सकते है।

रियासी में टेरर अटैक के बाद... 20 संदिग्ध हिरासत में

नई दिल्ली। जम्मू के रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकवादियों के हमला करने के बाद अब अमरनाथ यात्रा पर खतरा मंडराने लगा है। बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए 29 जून से शुरु होने वाली यात्रा 19 अगस्त तक चलेगी। यह देखकर जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूरे राज्य के लिए सिक्योरिटी रिव्यू भी किया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस-किस पॉइंट पर कितना खतरा है और वहां किस स्तर की सिक्योरिटी की जरूरत है। रियासी बस अटैक मामले में पुलिस ने 20 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शक है कि आतंकवादियों की मदद के लिए कोई ना कोई स्थानीय शख्स भी हमले में शामिल था, जो बैक हैंड से आतंकवादियों को सपोर्ट कर रहा था। इस मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त जवानों की 11 टीमें जंगलों और पहाड़ों में फरार आतंकियों की तलाश कर रही हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले में अभी तक कोई आतंकी गिरफ्तार नहीं है। हां, 20 संदिग्ध लोगों से पूछताछ जरूर की जा रही है। मामले में बस के पीछे चल रही एक ईको कार के लापता होने और एक जीप के पीछे चलने की बात सामने आई थी।

विमान को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला निकला नाबालिग

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली से कनाडा जाने वाली फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में एक आरोपी को पकड़ा है मजे की बात तो यह है वह कोई शातिर अपराधी नहीं बल्कि 13 साल का नाबालिग है। दिल्ली पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है उसे जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में भेजा जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली पुलिस को 4 जून की रात 11-30 बजे एक ईमेल मिला। इसमें कनाडा जाने वाली फ्लाइट में बम रखे जाने की बात लिखी थी। मेल मिलते ही फ्लाइट रोक दिया गया। बाद में जांच में पता चला कि ईमेल को यूपी के मेरठ से भेजा गया था। पुलिस ने मेरठ जाकर तफ्तीश की। तब सामने आया कि इसे एक 13 साल के लड़के ने भेजा था। जांच में पता चला कि इस नाबालिग को ये आईडिया मुंबई की एक फ्लाइट में बम रखे जाने की खबर देखकर आया, उसने अपने फोन से एक फर्जी ईमेल आईडी बनाई। लड़के ने विमान को उड़ाने का ईमेल मौज-मस्ती में भेज दिया वो देखना चाहता था कि पुलिस उसका पता लगा पाती है या नहीं। अगली सुबह टीवी पर फ्लाइट में बम की खबर देखकर वो डर गया लेकिन डर के मारे उसने यह बात अपने घर वालों को भी नहीं बताई। पुलिस ने नाबालिग का फोन जब्त कर लिया है। नाबालिग की काउंसलिंग करवाई जाएगी। बता दें, दिल्ली से टोरंटो जाने वाली एयर कनाडा की फ्लाइट 4 जून की रात 10 बजकर 50 मिनट पर उड़ान भरने वाली थी। उसी समय दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पुलिस स्टेशन में फ्लाइट में बम होने का धमकी भरे ईमेल के बारे में एक पीसीआर कॉल आई। इसके बाद हवाई अड्डे को हाई अलर्ट पर रखा गया और फ्लाइट की तलाशी ली गई। जांच में कुछ नहीं यह मेल फर्जी निकाला था।

अब अयोध्या में तैनात होंगे एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडों, राम मंदिर की सुरक्षा को लेकर सरकार ने लिया फैसला

अयोध्या। यूपी के अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनने के बाद रोज हजारों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। ऐसे में अयोध्या आतंकियों के निशाने पर आ सकती है, जिसको लेकर सरकार सतर्क है इसको लेकर गृह मंत्रालय ने अब बड़ा फैसला लिया है। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक अयोध्या को एनएसजी हब बनाने की तैयारी है। इससे पहले भी केन्द्र सरकार देश के कई हिस्सों में एनएसजी हब बना चुकी है। हब बनने के बाद अयोध्या में एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडों तैनात होंगे। सूत्रों के मुताबिक एनएसजी को अयोध्या में आतंकवाद विरोधी और अपहरण रोधी अभियानों का विशिष्ट दायित्व सौंपा जाएगा। गौरतलब है कि अयोध्या स्थित राम मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की तैयारी की जा रही है। अयोध्या की सुरक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए गृह मंत्रालय ने ये फैसला लिया है। राम मंदिर की सुरक्षा के लिए पीएसी की आठ कंपनियों को यूपी एसएसएफ के हवाले की गई है। इसके अलावा अयोध्या की सुरक्षा के लिए एटीएस की भी टीम तैनात रहती है। वर्तमान समय में वीआईपी की सुरक्षा में तैनात एनएसजी को हटाकर सीआरपीएफ के जवान तैनात किए जा सकते हैं। एनएसजी से वीआईपी की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह से वापस लेकर इसे सीआरपीएफ को सौंपी जा सकती है।

प्यार में पागल युवक पाकिस्तानी प्रेमिका से मिलने पहुंचा सीमा पर , बीएसएफ जवानों ने पकड़ा, पुलिस लड़की की जुटा रही जानकारी

बठिंडा, । प्यार में लोग इतने पालग हो जाते हैं कि सुदबुध ही खो देते हैं। प्यार में आसमान से तारे तोड़ने के दावे के साथ हजारों फीट की ऊंचाई से कूदने के लिए तैयार रहते हैं। मोहब्बत की खातिर लोग सरहदों की भी परवाह नहीं करते अपना प्यार पाने हर मुश्किल का सामना करने को तैयार रहते हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जहां अपने प्यार की एक झलक पाने एक शख्स भारत-पाकिस्तान सीमा पर पहुंच गया जहां बीएसएफ के जवानों ने उसे पकड़ लिया। बीएसएफ के जवानों ने उत्तरप्रदेश के रहने वाले एक युवक को पंजाब में गिरफ्तार किया है। यह युवक फाजिल्का के पास बॉर्डर पार कर रहा था तभी जवानों की नजर उसपर पड़ गई। जवानों ने तुरंत उसे पकड़ लिया और पकडे जाने के बाद युवक ने जवानों को अपनी आप बीती सुनाई। उसे सुनकर जवान हैरान रह गए। यह युवक ना स्मगलिंग कर रहा था ना ही उसका कोई गलत इरादा था। ये तो अपनी पाकिस्तान में रहने वाली प्रेमिका से मिलने जा रहा था। मूलरुप से उत्तरप्रदेश का रहने वाला जुनैल अभी पंजाब के बठिंडा के कोटफत्ता में रहता है। वह स्क्रैप खरीदने का काम करता है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर उसकी पहचान पाकिस्तान में रहने वाली एक लड़की से हो गई। दोनों बातचीत करने लगे, धीरे-धीरे उनके बीच प्यार हो गया और अब ये प्यार परवान चढ़ गया है। अब दोनों मिलने का इंतजार कर रहे थे। जुनैल ने बताया कि उसने रातभर प्रेमिका बात की और सुबह सुबह अपनी पाकिस्तानी प्रेमिका से मिलने के लिए बॉर्डर पार करने का फैसला किया। वह घर से बॉर्डर पर पहुंचा वहां बीएसएफ जवानों ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पूछताछ में उसने प्रेमिका से मिलने जाने की बात कुबूल की।

भारत को इस्लामिक देश बनाने की साजिश कर रहे थे पीएफआई के सदस्य, हाई कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2022 में प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के साथ कथित संबंधों और सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने के आरोप में महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा गिरफ्तार किए गए तीन लोगों को जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और श्याम चांडक की खंडपीठ ने अपने अवलोकन में कहा कि आरोपियों ने 2047 तक भारत को एक इस्लामिक राष्ट्र में बदलने की साजिश रची। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि प्रथम दृष्ट्या सबूत आरोपियों के खिलाफ थे, अदालत ने रज़ी अहमद खान, उनैस उमर खैय्याम पटेल और कय्यूम अब्दुल शेख की जमानत याचिका खारिज कर दी।

पीठ ने कहा कि पहली सूचना रिपोर्ट स्वयं स्पष्ट है। उन्होंने 2047 तक भारत को एक इस्लामिक देश में बदलने की साजिश रची। वे न केवल प्रचारक हैं बल्कि सक्रिय रूप से अपने संगठन (पीएफआई) के विजन 2047 दस्तावेज़ को लागू करने का इरादा रखते हैं। अदालत ने कहा कि आरोपियों ने समान विचारधारा वाले लोगों को भी अपने एजेंडे को पूरा करने के लिए अपने

साथ शामिल होने के लिए प्रेरित किया। पीठ ने कहा कि पर्याप्त सबूत हैं कि अपीलकर्ताओं ने, अन्य आरोपी व्यक्तियों के साथ मिलकर, व्यवस्थित रूप से ऐसी गतिविधियाँ की हैं जो राष्ट्र के हित और अखंडता के लिए हानिकारक हैं।

पहली बार मुसहर समाज को पीएम मोदी ने दिया सम्मान

गया। केंद्र की एनडीए सरकार में गया सांसद जीतनराम मांझी को कैबिनेट मंत्री बनाने और एमएसएमई मंत्रालय दिए जाने से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के लोगों में हर्ष है। हम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नन्दलाल मांझी ने कहा कि समाज के सबसे अंतिम पायदान पर रहने वाले मांझी महादलित परिवार को सम्मान मिला है जिसे दशकों से दूर रखा गया। जीतन राम मांझी अपनी प्रतिभा की बदौलत जीवन में आगे बढ़े हैं, जिसका उचित सम्मान पीएम नरेंद्र मोदी ने दिया है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार मुसहर महादलित परिवार, दशरथ मांझी के वंशज को केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला है। यह केवल मुसहर समाज के लिए बल्कि गयावासियों के लिए भी गर्व की बात है। इससे पहले गया से जीतने वाले एक भी सांसद इस मुकाम तक नहीं पहुंचे। इसकी खास वजह यही रही कि जीतन मांझी ने गरीबों के लिए सड़क से लेकर सदन तक आवाज उठाई है। हर समय जीतनराम मांझी ने संविधान के तहत संघर्ष किया और गरीबों की हक की मांग की। इससे नई पीढ़ी को काफी सीखने को मिलेगा। पार्टी व समाज के लोगों का कहना है कि जीतन राम मांझी को कैबिनेट मंत्री बनाया इससे प्रदेश के महादलित मुसहर समाज का मान सम्मान बढ़ा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने मुसहर समाज को सम्मान दिया है। लोगों का कहना है कि मुसहर समाज भी आने वाले दिनों में और जागरूक होगा और लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करेगा।

तेजी से आगे बढ़ रहा मानसून.... कई राज्यों में लू की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। मानसून गुजरात के कुछ हिस्सों, महाराष्ट्र और तेलंगाना के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मानसून की उत्तरी सीमा वर्तमान में नवसारी, जलगांव, अकोला, पुसाद, रामागुंडम, सुकमा, मलकानगिरी, विजयनगरम और इस्लामपुर से होकर गुजर रही है। अगले 48 घंटों के दौरान तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कुछ और हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक एक चक्रवाती परिसंचरण पूर्वोत्तर असम और पड़ोस पर स्थित है।

आईएमडी के मुताबिक इसके कारण अगले 7 दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है। अगले 5 दिनों के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ छिटपुट से लेकर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है और उसके बाद इसमें वृद्धि होगी। अगले 5 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-60 किमी प्रति घंटे) के साथ छिटपुट से लेकर हल्की से बारिश होने का अनुमान है। वहीं अगले 3 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, कर्नाटक, तेलंगाना, केरल और माहे, लक्षद्वीप में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ छिटपुट से लेकर काफी हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक अगले 5 दिनों के दौरान उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू संभाग, पूर्वी मध्य प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा के कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है। 11 से 14 जून के दौरान पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड के गंगा के मैदानी इलाकों के कुछ हिस्सों में लू से लेकर गंभीर लू की स्थिति और 15 जून को छिटपुट लू की स्थिति रहने की संभावना है।

शिवराज सिंह चौहान के विरोध में उतरा संयुक्त किसान मोर्चा, मंदसौर में छह किसानों की हत्या के लिए ठहराया जिम्मेदार

(एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने बुधवार को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय शिवराज सिंह चौहान को आवंटित करने के एनडीए सरकार के फैसले का विरोध किया और जून 2017 में मध्य प्रदेश के मंदसौर में छह किसानों की हत्या के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। एक बयान में एसकेएम ने कहा कि स्वामीनाथन आयोग द्वारा दिए गए सी2 प्लस 50 प्रतिशत फॉर्मूले पर एमएसपी, व्यापक ऋण माफी और किसानों की आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति के खिलाफ बड़े पैमाने पर संघर्ष में भाग लेने के दौरान किसानों की हत्या की गई। एसकेएम ने यह भी घोषणा की कि उसकी आम सभा की बैठक 10 जुलाई को दिल्ली में होगी जिसमें पूरे भारत से घटक किसान संगठनों के नेता शामिल होंगे। एसकेएम ने कहा कि यह निर्णय 2014 और 2019 के पूर्व शासनकाल में भाजपा के पूर्ण बहुमत के साथ प्रदर्शित अहंकार और असंवेदनशीलता का प्रतीक है। इससे देश भर के किसानों और ग्रामीण लोगों में गुस्सा पैदा हुआ है। जून 2017 में मध्य प्रदेश के मंदसौर में किसानों के एक समूह पर पुलिसकर्मियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों द्वारा की गई गोलीबारी में छह किसानों की मौत हो गई थी। एसकेएम, जिसने अब रद्द किए गए कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, ने कहा कि एनडीए सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में गंभीर कृषि संकट और किसानों की आत्महत्या या एमएसपी पर लंबे समय से लंबित मांगों के समाधान के लिए कोई निर्णय नहीं लिया। पीएम किसान सम्मान निधि में ?20,000 करोड़ का बकाया जारी करने के नाम पर जो प्रचार किया जा रहा है, वह एक मौजूदा योजना है जिसमें प्रति किसान परिवार को औसतन ?500 प्रति माह की राशि अपर्याप्त है।

कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा की बढ़ी मुश्किलें, सीआईडी ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को एक नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा) मामले में पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए कहा गया है। इस साल की शुरुआत में दायर मामले में आरोप लगाया गया है कि येदियुरप्पा ने एक नाबालिग का यौन उत्पीड़न किया। शिकायत लड़की की मां ने दर्ज कराई थी, जिन्होंने दावा किया था कि घटना 2 फरवरी को हुई थी जब वे धोखाधड़ी के एक मामले में सहायता मांगने के लिए वरिष्ठ भाजपा नेता के पास गए थे।

येदियुरप्पा पर यौन उत्पीड़न के लिए पोक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (ए) के तहत आरोप लगाया गया है। येदियुरप्पा ने अपने वकीलों के माध्यम से दिल्ली में अपनी वर्तमान उपस्थिति का हवाला देते हुए सीआईडी के सामने पेश होने के लिए एक सप्ताह की मोहलत देने का अनुरोध किया है। पूछताछ के लिए यह उनकी चौथी उपस्थिति होगी, क्योंकि जांच टीम उनसे पहले ही तीन बार पूछताछ कर चुकी है।

मामला मूल रूप से सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में आगे की जांच के लिए सीआईडी को स्थानांतरित कर दिया

गया। येदियुरप्पा ने आरोपों से इनकार करते हुए उन्हें 'निराधार' बताया है। 81 वर्षीय येदियुरप्पा ने 2008 और 2011 के बीच, मई 2018 में कुछ समय के लिए और फिर जुलाई 2019 से 2021 तक कई बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। 2021 में उनका इस्तीफा कई हफ्तों की अटकलों और अनिश्चितता के बाद आया।

उप्र में ताबड़तोड़ एनकाउंटर से अपराधियों और जमीन माफियाओं में मचा हड़कंप

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आम आदमी की सबसे बड़ी समस्या गुंडागर्दी है। इन पर लगाम कसने वाली सरकार को राज्य की सफल सरकार माना जाता है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव परिणाम और आचार संहिता हटने के बाद यूपी की योगी सरकार सुपर एक्शन मोड में दिख रही है। बुलडोजर एक्शन के साथ ही ताबड़तोड़ पुलिस एनकाउंटर से अपराधियों और लैंड माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। चुनाव परिणाम आने के बाद से बुधवार सुबह तक पुलिस ने कुल 22 एनकाउंटर किये हैं। इनमें दो इनामी बदमाश ढेर हुए हैं, जबकि 20 से अधिक अपराधी ऑपरेशन लंगड़ा के तहत गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस मुख्यालय से जारी आंकड़ों के मुताबिक जौनपुर और मुजफ्फरनगर में एक-एक इनामी बदमाश ढेर हुए हैं। जौनपुर में 5 जून को एक लाख का इनामी प्रशांत सिंह उर्फ़ प्रिंस मार गिराया गया। वह सात सालों से फरार चल रहा था। इसके अगले ही दिन मुजफ्फरनगर में भी एक एनकाउंटर हुआ, जिसमें बिहार का कुख्यात बदमाश और दो लाख रुपए का इनामी नीलेश राय ढेर हो गया। चुनाव परिणाम आने के बाद से यूपी के 13 जिलों में अब तक 22 एनकाउंटर हुए हैं। इनमे 20 से अधिक अपराधी पुलिस की गोली लगने से घायल हुए हैं।

5 जून को ही अंबेडकरनगर में दो जो तस्कर गोली लगने घायल हुए। इसी दिन मेरठ में भी होमगार्ड से लूटपाट करने वाले दो लुटेरों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। दोनों के पैर में गोली लगी। बिजनौर में भी पांच जून को प्रॉपर्टी डीलर के हत्यारे से पुलिस की मुठभेड़ हुई और पैर में गोली लगने से घायल हो गया। शामिल में भी पशु तस्करों से मुठभेड़ में एक आरोपी घायल हुआ। गाजियाबाद में भी 5 और 6 जून को हुए एनकाउंटर में दो बदमाश घायल हो गए। बरेली में भी एक अपराधी पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ। 6 जून को मेरठ, अलीगढ़, रामपुर, जालौन और सीतापुर में ऑपरेशन लंगड़ा के तहत एक-एक अपराधी पकड़े गए। 7 जून को मुजफ्फरनगर में पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हुए। इसी दिन लखनऊ और जालौन में हुई मुठभेड़ में भी एक-एक अपराधी को पैर में गोली लगी। 8 जून को कानपुर और मुजफ्फरनगर में ऑपरेशन लंगड़ा के तहत तीन अपराधी अरेस्ट हुए। 10 जून को फर्रुखाबाद में पुलिस सिपाही को रौंदकर मारने वाले दो आरोपियों का हाफ एनकाउंटर हुआ। 11 जून को रामपुर, मेरठ और अयोध्या में एक-एक अपराधी घायल हुआ है। 12 जून को कौशाम्बी और बाराबंकी में एक-एक बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ। वहीं बुलडोजर एक्शन की बात करें तो अवैध अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई में तेजी आई है। 4 जून के बाद से अब तक 4 बड़े बुलडोजर एक्शन हुए हैं। इनमे से लखनऊ के अकबरनगर में अवैध रूप से बसाई गई कॉलोनी के खिलाफ आज भी बुलडोजर एक्शन जारी है। प्रदेश में ही नहीं देश में सबसे बड़ा बुलडोजर एक्शन लखनऊ के अकबरनगर में चल रहा है। बुलडोजर के इस एक्स्ट्रा डोज से अवैध रूप से बसाई गई कॉलोनियों में भी दहशत देखने को मिल रही है। इसके अलावा उन्नाव, प्रयागराज आगरा में भी अवैध निर्माण के खलाफ बुलडोजर की कार्रवाई की गई है।

इंप्रेशन ग्रुप द्वारा नई दिल्ली में प्रदर्शनी का आयोजन 14 जून से

बिभा संवाददाता

रांची/नई दिल्ली : इंप्रेशन नाम से बख्तियार दादाभोय, मुकुल सरन माथुर, आशिमा मेहरोत्रा, कृष्णनाथ एस पाटिल और कुलदीप तिवारी द्वारा चलित एक सामूहिक प्रदर्शनी है। इन कलाकारों की कलाकृतियाँ 14-18 जून 2024 के दौरान विजुअल आर्ट्स गैलरी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में प्रदर्शित की जाएँगी।

प्रदर्शनी का उद्घाटन 14 जून 2024 को शाम 5.00 बजे भारत हैबिटेट सेंटर की अध्यक्ष राजदूत भास्वती मुखर्जी द्वारा किया जाएगा, जिसमें रेलवे बोर्ड की अध्यक्षा और सीईओ श्रीमती जया वर्मा सिन्हा मुख्य अतिथि होंगी। यह 15-18 जून 2024 (सुबह 11 बजे से शाम 07 बजे तक) जनता के देखने के लिए खुला रहेगा।

यह प्रदर्शनी रूप और रंग के भावनात्मक और अभिव्यंजक गुणों पर केंद्रित है, जिसमें प्रत्येक कलाकार एक विशेष मनोदशा या भावना व्यक्त करता है। यह विभिन्न विषयों या रंग पैलेट की खोज करते हुए प्रत्येक कलाकार के अनूठे दृष्टिकोण और शैलियों को दशार्ता है। पेंटिंग अमूर्त कला की दुनिया में रंग, आकार और संरचना की सीमाएँ में भी प्रवेश करती हैं । थीम को इस प्रकार लचीला और समावेशी बनाया गया है, जिसमें प्रत्येक कलाकार एक साझे ढांचे के भीतर एक अनूठी दृष्टि की व्याख्या और अभिव्यक्ति कर सके। कलाकारों में आशिमा मेहरोत्रा शामिल हैं, जिनके नाम कई कला शो हैं। कला का माध्यम वाटर कलर, ऐक्रेलिक, ऑयल पेंटिंग्स का मिश्रण है।

बी. के. दादाभॉय, आशिमा मेहरोत्रा, मुकुल सरन माथुर, कृष्णनाथ एस. पाटिल और कुलदीप तिवारी के जादुई ब्रश जीवन के समय और रिदम के अस्तित्व के विविध रंगों को समाहित करते हैं।

कलाकारों का संक्षिप्त परिचय

बख्तियार दादाभॉय, एक पूर्व सिविल सेवक और नौ पुस्तकों के लेखक, एक स्व-शिक्षित कलाकार हैं, जिन्होंने तेल में पेंटिंग शुरू की थी, लेकिन बाद में ऐक्रेलिक में बदल गए। उनकी वर्तमान कृतियाँ प्रकृति की भव्यता से प्रेरित अमूर्त पेंटिंग्स को प्रदर्शित करती हैं। पेंटिंग प्राकृतिक दुनिया के सार को पकड़ती हैं, इसकी सुंदरता को कला के जीवंत अभिव्यंजक कार्यों में बदल देती हैं। उनके काम भावनाओं को जगाते हैं, कल्पना को जगाते हैं और दर्शकों को रूप, रंग और बनावट के बीच जटिल संबंधों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करते हैं। बोल्ड ब्रशस्ट्रोक और ज्वलंत रंगों के माध्यम से उनकी पेंटिंग प्राकृतिक दुनिया को इस तरह से जीवंत करती हैं जो गहराई से व्यक्तिगत होने के साथ-साथ सार्वभौमिक प्रतिध्वनि वाली भी है।

मुकुल सरन माथुर एक सिविल सेवक हैं, जिनमें रचनात्मकता, सटीकता और विवरणों पर नजर रखने की कुशाग्रता है। उनके कामों में उनके अनुभवों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जो प्राकृतिक दुनिया को मानव निर्मित दुनिया में लाने के तरीके के रूप में अभिव्यक्तियों में समाहित होती है, जो अक्सर उनके दर्शकों को पर्यावरण, विरासत और जीवन के आसपास के सामाजिक परिवेश के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करती है। उनकी कला प्रकृति और मानव अस्तित्व के बीच तालमेल और समय के साथ समाज के विकास पर उनके गहन प्रभाव के बारे में बातचीत को प्रोत्साहित करती है। मुकुल का पसंदीदा माध्यम वाटर कलर और ऑयल पेंटिंग है, जिसके माध्यम से वे प्रकृति, प्रेम और सद्भाव की अपनी अंतहीन कहानियों को व्यक्त करते हैं। जबकि उन्हें वाटर कलर के माध्यम की सरलता पसंद है, उन्होंने जोश और जुनून के साथ ऑयल पेंटिंग को भी अपनाया है। ऑयल पेंटिंग में उनका काम रंग और रूप के बीच एक संवाद है जो निरंतर उथल-पुथल के बीच सामंजस्य की तलाश करता है।

आशिमा मेहरोत्रा दिल्ली में रहने वाली एक दृश्य कलाकार और सिविल सेवक हैं। उन्हें बचपन से ही कला में गहरी दिलचस्पी थी। वह हमेशा लोगों, प्रकृति और यात्रा से प्रेरित होती थीं। रेलवे और पर्यटन में उनकी नौकरी ने उन्हें भारतीय शहरों और विभिन्न कला रूपों की विविधता का पता लगाने में मदद की। उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कला प्रतियोगिताओं और प्रदर्शनियों में भाग लिया है, और विभिन्न मंचों पर पुरस्कार प्राप्त किए हैं। उन्होंने हाल ही में रेलवे की ओर से संस्कृति मंत्रालय के साथ स्क्रैप मेटल से बने इंस्टॉलेशन के विचार और निष्पादन के लिए सहयोग किया है। उनके सभी काम उनके अनुभवों और व्यक्तित्व का प्रतिबिंब हैं। आज वह अपनी खुद की दृश्य भाषा और आईएसएम के साथ एक दृश्य कलाकार हैं।

कृष्णनाथ पाटिल की कृतियाँ कला के प्रति उनके जिज्ञासु अवलोकन, गहन ज्ञान और उत्साह का उपहार हैं। वह एक स्व-प्रशिक्षित कलाकार हैं, जिन्होंने चित्रकला की विभिन्न विधियों, तकनीकों और अनुप्रयोगों के अध्ययन और अनुसंधान में गहराई से काम किया है। वह कई कलाकारों से प्रेरित हैं, जिनकी सूची लंबी और प्रभावशाली है। फिर भी, वह अपनी खुद की एक शानदार शैली लेकर आए हैं। यह कहना निश्चित रूप से अतिशयोक्ति नहीं होगी कि एक कलाकार और एक सिविल सेवक के रूप में उनकी भूमिकाएँ लगभग अविभाज्य हैं और एक-दूसरे को अमर बनाती हैं। प्रकृति के साथ अमूर्तता को मिलाने की जीवंत कल्पना के साथ उनकी शैलीगत तकनीकों और विधियों पर उनका अधिकार है। वह अद्भुत घने और चमकीले रंगों के साथ अद्भुत हैं। कला के प्रति भविष्यवादी दृष्टिकोण के साथ उनके पास कई समूह शो और एक एकल शो हैं, और वे अपनी कला को प्रेम और शांति की सच्चाई की खोज के लिए एक मंच के रूप में वर्णित करते हैं।

कुलदीप तिवारी रेलवे के साथ काम करने वाले एक दृश्य कलाकार और सिविल सेवक हैं। वे प्रकृति की विविध अभिव्यक्तियों से प्रेरित हैं। वे मुख्य रूप से ऐक्रेलिक में काम करते हैं।